मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.6	17.2
जमशेदपुर	29.0	17.4
डालटनगंज	28.0	12.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* *

www.lagatar.in | शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 286 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

जोहार,

झारखण्ड अलग राज्य होने के 20 वर्षों बाद, विषम परिस्थितियों में भी हेमन्त बाबू के कुशल नेतृत्व में जो कामकाज और योजनाएं यहां के आदिवासियों-मूलवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने हेतु चलायी गयी हैं, यह गठबंधन सरकार, उस काम को और तेजी से आगे बढ़ाने का काम करेगी।

यहां के सभी वर्गों, जैसे युवा, बच्चे, बुजुर्गों, महिलाएं, किसानों और मजदूरों को हक-अधिकार देने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए जनहित में हम काम करेंगे।

झारखण्ड में जल-जंगल-जमीन को लेकर वर्षों से संघर्ष हुआ है। यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के अस्तित्व और अस्मिता को संरक्षित करने का काम हमें करना है।

हमारा प्रयास रहेगा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिदो- कान्हू और बाबा तिलका मांझी समेत सभी वीर शहीदों के आदर्शों को धरातल पर उतार कर, राज्यवासियों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव ला सके।

यह बहुत बड़ा दायित्व मुझे मिला है जिसे मैं पूरी लगन से निभाऊंगा।

जय हिन्द !
जय झारखण्ड !

चम्पई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

अनुदान के लिए 75 प्रतिशत स्वीकृत शिक्षण पदों को भरना आवश्यक, यूजीसी ने जारी ड्राफ्ट पर 4 मार्च तक मांगी राय

विश्वविद्यालयों में आरक्षण नीति का पालन करना जरूरी

विशेष संवाददाता। रांची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने केंद्र से अनुदान प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण पॉलिसी बनाने का प्रस्ताव दिया है. नए दिशा निर्देशों में कॉलेजों को अनुदान प्राप्त करने के लिए एनएएसी या एनबीए कार्यक्रमों में भागीदारी, एनआईआरएफ रैंकिंग और 75 प्रतिशत स्वीकृत शिक्षण पदों को भरने का प्रस्ताव दिया गया है. यूजीसी ने जारी ड्राफ्ट पर 4 मार्च 2024 तक राय मांगी है. नए ड्राफ्ट को मंजूरी मिलती है, तो वह यूजीसी (अनुदान प्राप्त करने के लिए कॉलेजों की फिटनेस) नियम 2024, 1975 यूजीसी दिशा निर्देशों की जगह लेगा. जो आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त सभी संस्थानों को कवर करता है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नए नियम, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत केंद्रीय या राज्य अधिनियम के तहत स्थापित विश्वविद्यालयों से संबद्ध प्रत्येक कॉलेज पर लागू होंगे.

नीति के अनुसार वेतन भी देना होगा

ड्राफ्ट में कहा गया है कि कॉलेजों को कुल स्वीकृत शिक्षण पदों में से कम से कम 75 प्रतिशत पद भरने होंगे और आरक्षण नीति का विधिवत पालन करना होगा. सिर्फ नियुक्ति ही नहीं बल्कि शिक्षकों को यूजीसी या केंद्र या राज्य सरकार की नीति के अनुसार वेतन भी देना होगा. कॉलेज यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 12बी के तहत मान्यता के लिए विचार करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जो उन्हें अनुदान प्राप्त करने के लिए पात्र बनाता है.

अब कॉलेजों की मान्यता होगी रद्द

संबद्ध विश्वविद्यालय इस आवेदन की जांच करने और 60 दिनों के भीतर मंजूरी के लिए यूजीसी को सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार होंगे. ड्राफ्ट में कहा गया है कि अगर किसी भी बिंदु पर यूजीसी किसी कॉलेज को अपने नियम का उल्लंघन करते हुए पाता है, तो उनकी मान्यता वापस ली जा सकती है.

धारा 2 के तहत कॉलेजों को सूचीबद्ध कराना जरूरी

शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए, यूजीसी ने कॉलेजों को धारा 2 (एफ) के तहत सूचीबद्ध करना अनिवार्य कर दिया है, जो सभी कॉलेजों में वैधानिक नियमों को लागू करने की अनुमति देता है. और कॉलेजों को यूजीसी के प्रति जवाबदेह बनाता है. साथ की कॉलेजों को अनुदान प्राप्त करने के लिए 12(बी) का पालन करना होगा.

दिशा-निर्देशों के दायरे में विस्तार

पहले के दिशा निर्देशों के दायरे का विस्तार करते हुए, यूजीसी ने प्रस्ताव दिया है कि विश्वविद्यालयों को या तो राष्ट्रीय मूल्यांकन और एनएएसी – उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता के लिए प्राथमिक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए. विश्वविद्यालयों में कम से कम 60% कार्यक्रम होने चाहिए. यदि कोई कॉलेज एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त तीन से अधिक कार्यक्रम पेश करता है, तो केवल मान्यता प्राप्त कार्यक्रम को ही वैध माना जाए.

विश्वसनीयता के लिए प्रमाण पत्र जरूरी

ड्राफ्ट में कहा गया है कि ऐसे कॉलेज जो न केवल केंद्र या राज्य सरकार के उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उचित शुल्क लेते हैं, बल्कि कैपिटेशन शुल्क या कोई अनधिकृत शुल्क भी नहीं लेते हैं, उन्हें अनुदान प्राप्त करने पर विचार किया जाएगा. फंडिंग प्राप्त करने की विश्वसनीयता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित प्रमाणपत्र का प्रमाण भी कॉलेज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा.

देश के युवा बजट में ठगा हुआ महसूस कर रहे है : अमन अहमद

रांची। कांग्रेस छात्र संगठन (एनएसयूआइ) के छात्र नेता अमन अहमद ने शुक्रवार को कहा की संसद भवन से जो 24-25 का बजट केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया है वह काफी निराशाजनक है. बजट में ना कोई आशा की किरण है और ना ही कोई मार्गदर्शन है. बजट में छात्राओं, युवाओं एवं महिलाओं के रोजगार संबंधी एवं स्वास्थ संबंधी बात नही की गई है. गरीब एवं बेरोजगारों के लिए इस बजट में कुछ नही है. यह सिर्फ छलावा है. इसमें बेरोजगारी एवं महंगाई नियंत्रण का कोई उपाय नहीं बताया गया है. शिक्षा के क्षेत्र में कोई बड़ी योजना नही दी गई. नए रोजगार सृजित करने के लिए कोई योजना नही है.

झारखंड को विकास की राह पर ले जाएंगे

विपक्ष की साजिशों को बेनकाब करेंगे

सीएम चंपई सोरेन का संदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची : मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद चंपई सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिये राज्य की जनता को अपना संदेश दिया. उन्होंने लिखा-

राजभवन में पत्नी मानकी सोरेन के साथ सीएम चंपई सोरेन.

"जोहार !

आज झारखंड के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण किया. दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार राज्य की आम जनता के हित में काम करती रहेगी. हमारे गठबंधन की सरकार ने माननीय हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व में जो बुनियादी शुरुआत की है, यहां के आदिवासियों, मूलवासियों व आम झारखंडियों का के सर्वांगीण विकास के लिए जो योजनाएं शुरू की गई हैं, हम उसे गति देने का काम करेंगे. झारखंड प्रदेश में विपक्ष की ओर से झूठे प्रचार के दम पर, जिस प्रकार अस्थिरता का माहौल बनाया जा रहा है उसे हमारे गठबंधन की एकता ने विफल कर दिया. पूरे देश ने देखा कि किस प्रकार एक आदिवासी सीएम हेमंत बाबू के खिलाफ साजिश कर के उन्हें अपदस्थ किया गया. इन साजिशों को बेनकाब कर के हम प्रदेश को विकास की राह में ले जाने का प्रयास करेंगे.

ये लड़ाई बरसों से है, इसका लंबा इतिहास है, जल जंगल जमीन के लिए हमारे पूर्वजों ने भी संघर्ष किया है. बाबा तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, भगवान बिरसा मुंडा, टाना भगत जैसे बहुत से आंदोलनकारी रहे हैं, जिन्होंने अस्तित्व की लड़ाई में अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं किया. हमारा प्रयास रहेगा कि इन सभी शहीदों के आदर्शों को धरातल पर उतार कर राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों व आम नागरिकों के जीवन स्तर में बदलाव लाया जाये.

जय हिन्द ! जय झारखंड !!"

वस्तु और सेवाएं दोनों स्तरों पर निर्यात को बढ़ावा देना जरूरी है

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कार्यालय में शुक्रवार को भारतीय विदेश सेवा के बैच अधिकारी स्वाति संदीप ने इंडक्शन प्रोग्राम के तहत चैंबर के पदाधिकारियों संग बैठक की. इस बैठक में कर उद्योग, व्यापार, पर्यटन और प्रवासी मामलों पर चर्चा की गई. इस दौरान सदस्यों द्वारा कहा गया कि भारत में निर्धारित समयावधि में तीव्र गति से 5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वस्तु और सेवाएं दोनों स्तरों पर निर्यात को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है. ईज ऑफ डुइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नीति, नियामक और परिचालन ढांचे से संबंधित घरेलू और विदेशी बाधाओं को भी व्यवस्थित तरीके से दूर करने की जरूरत है. झारखंड चैंबर द्वारा पिछले वर्ष श्रीलंका दौरे की जानकारी देते हुए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने झारखंड से विदेशों में व्यापार के अवसर को बढ़ाने के लिए झारखंड चैंबर और अन्य देशों के बीच समन्वय बैठकों के आयोजन को भी जरूरी बताया. महासचिव परेश गट्टानी और कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार ने संयुक्त रूप से कहा कि राज्य में डीजीएफटी कार्यालय की अनुपलब्धता और इपीसी से अपेक्षित सहयोग की कमी के कारण आयात/निर्यात व्यापार से जुड़े स्टेक होल्डर्स को अपना व्यापार सुचारू रूप से चलाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है.

जापान की भाषा के साथ जापान की संस्कृति भी सीखेंगे छात्र : कुलपति

कार्यक्रम आयोजित

- छात्रों को गणित के सावल हल करना सिखाया गया
- रांची विश्वविद्यालय का जापान के साथ एमओयू

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय में जापानी फेस्ट का आयोजन किया गया. इसका आयोजन जापानी कंपनी तमाई ओवेटड़म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर रांची विश्वविद्यालय कुलपति प्रो अजीत कुमार सिन्हा शामिल रहे. 12-13 फरवरी को फ्री जैपनीज लैंग्वेज डेमो क्लास होंगे. जापानी कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि जापानी भाषा सिख कर जापान में नौकरी पा सकते है. वहीं, जापान की सभ्यता, संस्कृत और अन्य चीजों से जुड़ सकते हैं. कार्यक्रम में गणित के कई विधियों के बारे में भी बताया गया साथ ही उपस्थित छात्रों को गणित सिखाया गया है.

जापानी भाषा का कोर्स विवि के लिए उपलब्धि की बात है: कुलपति रांची विश्वविद्यालय प्रो. डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि जापानी भाषा का कोर्स रांची विश्वविद्यालय में प्रारंभ हो रहा है. यहां हमारे लिये एक उपलब्धि की बात है. हमारे छात्र जापानी भाषा सीखने के साथ ही जापानी कार्य संस्कृति और अनुशासन भी सीखेंगे. यह कोर्स झारखंड के युवाओं के लिये बहुत ही रोजगारपरक साबित होगा है. भारतीयों का जापानी भाषा को सीखना हर लिहाज से करियर के लिये एक बेहतरीन चुनाव है. यही सोच कर रांची विश्वविद्यालय में जापा भाषा कोर्स की शुरूआत की जा रही है. इस कोर्स को प्रारंभ करने के लिये रांची विवि ने जापान के साथ एमओयू किया है.

भारत और जापान आपसी सहयोग से विश्वगुरु बनेंगे : सीईओ तमाई

जापानी टीम की सीईओ तमाई ने हिंदी में सबों को संबोधित किया और कहा कि हम इस फेस्ट के माध्यम से एक दुसरे की संस्कृति और रीति-रिवाजों को भी समझ सकते हैं. मैं आप सबों को जापानी भाषा को सीखने के लिये प्रोत्साहित करना चाहती हूं. मेरा मानना है कि भारत विश्व लीडर बनेगा और भारत जापान एक दूसरे का सहयोग करेंगे. उन्होंने कहा कि जापान की आबादी कम है, पर जापान प्रत्येक क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहा है. बुलेट ट्रेन हो या आईटी, इलेक्ट्रॉक्सि जापान प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी है. वहीं जापान से आये गणित के शिक्षक कुबुशान ने रोजमर्रा के जीवन में मैथ के उपयोग पर प्रस्तुति दी. जापान रोबोटिक्स आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स तथा निर्माण में अग्रणी देश है. विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, वोकेशलन की डिप्टी डायरेक्टर डॉ स्मृति सिंह समेत अन्य लोग शामिल रहे.

मौसम 5 फरवरी से उत्तरी इलाकों में हल्की बारिश के आसार

झारखंड में 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

संवाददाता। रांची

झारखंड में बारिश के बाद ठंड बढ़ने वाली है. मौसम विभाग के अनुसार राज्य के दक्षिणी भागों में अगले 2 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है. जबकि, अन्य भागों में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद राज्य में अगले 3 दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्के दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 15 मिमी मांडर (रांची) तथा मुर्हु (खूंटी) में दर्ज किया गया. राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में कहीं-कहीं मध्यम से घने दर्जे का कोहरा देखा गया. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस गिरिडीह में दर्ज किया गया.

विभिन्न शहरों का तापमान

राज्य	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	20.4	12.4
जमशेदपुर	21.8	17.4
डाल्टेनगंज	26.4	12.3
बोकारो थर्मल	21.5	13.6
चाईबासा	22.4	14.2
देवघर	23.7	13.0
गिरिडीह	21.0	12.0
गढ़वा	26.0	12.3
गोड्डा	25.5	12.2

आने वाले दो दिन मौसम साफ रहेगा

आने वाले दो दिन मौसम साफ रहेगा. सुबह में कोहरे के बाद धूप निकलने की संभावना है, जबकि, मौसम शुष्क रहेगा. वहीं, 5 फरवरी को राज्य के उत्तरी हिस्से में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है. जबकि, 6 फरवरी को राज्य के दक्षिणी, मध्य तथा उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है.

CLASSIFIED

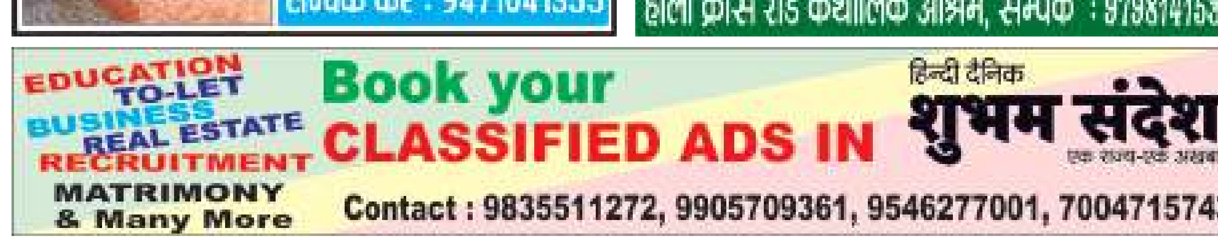

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 286

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राज्यपाल ने शुक्रवार को दोपहर 12.15 बजे राजभवन में पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी

चंपई ने ली शपथ

कहा-हेमंत का कार्यकाल रहा शानदार, उनके काम को आगे बढ़ाएंगे

▪ **आलमगीर-भोक्ता ने भी साथ ली शपथ**

राज्य के 12 वें सीएम बने चंपई, काम संभाला

कौशल आनंद/सत्याशरण मिश्रा । रांची

झामुमो के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री चंपई सोरेन झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री बने. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को दिन के 12.15 बजे राजभवन में उन्होंने पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी. चंपई के साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम और राजद विधायक सत्यानंद भोक्ता ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली. शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया. शपथ ग्रहण के दौरान राजभवन में कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर, झामुमो विधायक सीता सोरेन, माले विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक सरफराज अहमद, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितीन मदन कुलकर्णी, डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित चंपई सोरेन के पत्नी समेत उनके अन्य परिजन मौजूद थे.

विधानसभा का विशेष सत्र 5-6 को, बहुमत हासिल करेगी सरकार : राज्य की नयी चंपई सोरेन सरकार 5 फरवरी को अपना बहुमत साबित करेगी. इसके लिए सरकार ने 5 व 6 को विशेष सत्र आहुत किया है. यह निर्णय चंपई सोरेन की सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में लिया. इस सत्र को लेकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है. कैबिनेट की बैठक में पूर्व में विधानसभा का बजट सत्र जो 9 फरवरी से 29 फरवरी घेषित था. उसे विलोपित कर दिया गया. यानि की बजट सत्र आहुत करने को लेकर सरकार 6 फरवरी के बाद निर्णय लेगी.

▪ **5 को विश्वासमत हासिल करेगी चंपई सरकार, पहली कैबिनेट की बैठक में लिया गया निर्णय**

37 विधायक पहुंचे हैदराबाद, 5 को सीधे लौटेंगे विधानसभा

▪ **संसदीय कार्यों के संचालन के लिए आलमगीर आलम को संसदीय कार्य मंत्रालय का प्रभार मिला**

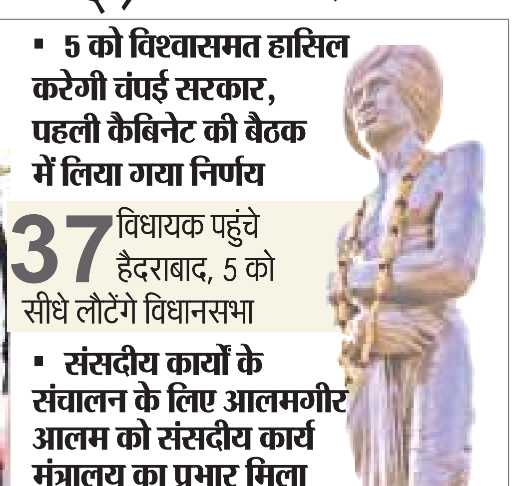

आदिवासी-मूलवासियों की अस्मिता बचाना है : चंपई

शपथ ग्रहण के बाद चंपई सोरेन मोरहाबादी स्थित वीर सिदो-कान्हो और बिरसा चौक में भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया. शपथ ग्रहण और कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन का कार्यकाल बहुत शानदार रहा. मैं उनके कार्यों को आगे बढ़ाएंगे. पिछली सरकार ने जो विकास कार्य शुरू किये थे, उन्हें और गति देने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि विपक्ष झारखंड को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन गठबंधन हमारी शक्ति है. हम सब राज्य को नयी दिशा देंगे. उनके बचे हुए काम को तेजी से पूरा करेंगे. हम नयी सरकार में हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए जनहित में सारे कामों को पूरा करेंगे.

विनय बने सीएम के प्रधान सचिव

आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का प्रधान सचिव बनाया गया है. इसको लेकर कार्मिक विभाग ने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण और पहली कैबिनेट के बाद जारी कर दिया. विनय चौबे ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद अपने सभी पद से इस्तीफा दे दिया था.

राजीव बने महाधिवक्ता

हेमंत सोरेन सरकार में महाधिवक्ता रहे राजीव रंजन को फिर से महाधिवक्ता बनाया गया है. शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसकी मंजूरी दी गयी. शाम को ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया.

सत्ताधारी दल के विधायक हैदराबाद पहुंचे, चंपई ने कहा- यह मेरी रणनीति

झारखंड में चंपई सोरेन के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन के ठीक बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के 37 विधायक करीब एक बजे चार्टर्ड प्लेन से हैदराबाद पहुंच गए है. जिस वक्त नयी सरकार का शपथ ग्रहण चल रहा था, उसी वक्त विधायक बस पर सवार होकर रांची एयरपोर्ट पहुंचे. सभी फ्लोर टेस्ट के ठीक पहले वापस आएंगे. विधायकों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य को संवैधानिक संकट से बचाने के लिए हमने एक साथ एक जगह सुरक्षित जगह पर रहने का निर्णय लिया है.

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

भाषा । नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मनी लांड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर हस्तक्षेप करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी से राहत के लिए हाईकोर्ट जाने को कहा. अपनी गिरफ्तारी की आशंका के कारण झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में ईडी पर उन्हें सुनियोजित साजिश के तहत गिरफ्तार करने का आरोप लगाया था. उन्होंने याचिका में कहा था कि अब से कुछ महीनों बाद होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले केंद्र के निर्देश पर यह कार्रवाई की गयी.

पीएमएलए कोर्ट ने हेमंत को 5 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेजा

रांची । झारखंड में एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को पांच दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया. सोरेन को भूखंड के अवैध कब्जे और भूमि माफिया के साथ कथित संबंध से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सात घंटे तक पूछताछ किए जाने के बाद बुधवार रात गिरफ्तार किया गया था. विशेष पीएमएलए अदालत ने झामुमो नेता को गुरुवार को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था.

हेमंत सरकार की फोटो कॉपी न बने चंपई सोरेन सरकार : अमर बाउरी

प्रमुख संवाददाता । रांची

▪ **भाजपा ने की विधायक दल की बैठक बदले सियासी हालत पर बनाई रणनीति**

झारखंड के बदले हुए राजनीतिक हालात के बीच प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने विधायक दल की बैठक बुलाई. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता अमर बाउरी समेत कई विधायक मौजूद थे. विधायकों ने राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की और चंपई सरकार को घेरने की रणनीति बनाई. बैठक के बाद अमर बाउरी ने कहा कि परिवारवाद के खिलाफ भाजपा की लड़ाई की वजह से चंपई सोरेन को आज मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला. उन्हें इस अवसर का उपयोग राज्य की जनता की सेवा के लिए करना चाहिए, चंपई सोरेन सरकार को हेमंत सरकार की फोटो कॉपी नहीं बनना चाहिए.

पिछलग्गू न बने चंपई सरकार : बाउरी ने कहा कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को अविलंब ईडी द्वारा भेजे गए भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देना चाहिए. हाल ही में रद्द की गई जेएसएससी परीक्षा की सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए. चंपई सरकार पिछलग्गू नहीं बने बल्कि अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए. अमर बाउरी ने कहा कि कांग्रेस का पुराना इतिहास है कि वह सहयोगी दलों की सरकार को फंसाकर खुद को बचाना चाहती है. इसलिए चंपई सोरेन को उनसे सतर्क रहना चाहिए.

विपक्ष का विरोध हेमंत की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्षी दलों ने दिखाई एकजुटता

झारखंड मुद्दे पर विपक्ष मुखर, किया वॉकआउट

एजेंसी । नयी दिल्ली

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राज्यपाल द्वारा झारखंड में शासन के लिए अंतरिम व्यवस्था नहीं किये जाने को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने शुक्रवार को राज्यसभा से वॉकआउट किया. उच्च सदन में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड के घटनाक्रम की तुलना पड़ोसी राज्य बिहार में हाल में हुए घटनाक्रम से की और कहा कि जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, तब उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर लिया गया

और उन्हें नयी सरकार बनने तक पद पर बने रहने के लिए कहा गया था.

खड़गे ने कहा कि नीतीश कुमार को कुछ ही घंटे में फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी और सब कुछ 12 घंटे में संपन्न हो गया. उन्होंने कहा लेकिन झारखंड में जब सोरेन ने बुधवार को इस्तीफा दिया तो कोई अंतरिम व्यवस्था नहीं की गयी. खरगे ने कहा कि सोरेन के इस्तीफे के बाद 81 सदस्यीय विधानसभा में समर्थन देने वाले 43 विधायकों के हस्ताक्षर के साथ उनके उत्तराधिकारी का नाम भी राज्यपाल को सौंपा गया. उन्होंने कहा कि समर्थन करने चार अन्य विधायक भी थे, जो राज्य से बाहर थे और अपने हस्ताक्षर नहीं कर सके. खड़गे ने कहा कि संविधान में प्रावधान है कि मुख्यमंत्री के इस्तीफा देने की स्थिति में सरकार बनी रहेगी और राज्यपाल वैकल्पिक व्यवस्था होने तक इस्तीफा देने वाले मुख्यमंत्री या किसी अन्य व्यक्ति के पद पर बने रहने की अंतरिम व्यवस्था करते हैं.

झारखंड में बड़ा भूमि घोटाला हुआ है : पीयूष गोयल

सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि झारखंड में एक बड़ा भूमि घोटाला हुआ है जिसके कारण सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा. उन्होंने कहा, इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार साबित हुआ है. कैसे मुख्यमंत्री ने जमीन घोटाला किया. इसके बावजूद कांग्रेस उस मुख्यमंत्री का बचाव कर रही है. उस मुख्यमंत्री के आचरण पर कोई स्पष्टीकरण नहीं है. वह भ्रष्टाचार के बारे में बात ही नहीं कर रही है. इससे यह बात फिर से साबित होती है कि भ्रष्टाचार कांग्रेस के डीएनए में ही है. कांग्रेस भ्रष्टाचार स्वीकार करती है.

बंगाल से होते हुए राहुल गांधी की **भारत जोड़ो न्याय यात्रा** पाकुड़ पहुंची, जनसभा को किया संबोधित, कहा

झारखंड की जनता ने लोकतंत्र को बचा लिया

पाकुड़ के नासीपुर मोड़ मैदान में आयोजित जनसभा में राहुल गांधी के साथ सीएम चंपई सोरेन व अन्य नेतागण.

विशेष संवाददाता । रांची/पाकुड़

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुक्रवार को बंगाल से नासीपुर मोड़ से झारखंड के पाकुड़ जिला में प्रवेश किया. पाकुड़ के नासीपुर मोड़ मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने उपस्थित जनसमुह को संबोधित करते हुए सबसे पहले झारखंड वासियों को बधाई दी और कहा कि आपलोगों ने लोकतंत्र को बचा लिया. उन्होंने कहा कि आपने देखा कि आपने जो सरकार चुनी थी, वोट डालकर जो सरकार चुनी थी. उस सरकार को भाजपा ने चोरी करने की कोशिश की, उसे उखाड़ने की कोशिश की. मुझे इस बात की खुशी है कि उनकी जो साजिश थी, उसके खिलाफ हम सब खड़े हो गएं और आज यहां हमारे चीफ मिनस्टर साहब बनकर आए हैं. यह लड़ाई विचारधारा की है. जिसके पास धन है. सारी की सारी एजेंसीज है. जितना दबाव डालने की कोशिश करना है करें, हमे कोई फर्क नहीं पड़ता है.हम भाजपा और आरएसस से डरने वाले नहीं हैं. मैं झारखंड की जनता को बधाई देना चाहते हैं कि आप न डरे न पीछे हटें.

हम आपकी मन की बात सुनने आये हैं : राहुल गांधी ने कहा कि देश के किसानों, युवाओं, मजदूरों से, आदिवासी भाई बहनों की बात हम छह सात घंटे सुनेंगे. आज 15-20 मिनट की बात हम केवल कहेंगे. हम आपकी मन की बात सुनना चाहते हैं, हम अपनी मन की बात नहीं कहना चाहते हैं. एक साल पहले मैंने कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा आरंभ की. इसका उद्देश्य भाजपा और आरएसएस द्वारा जो हिंसा देश में फैला चुकी है, उसके खिलाफ खड़ा होना. इसका उद्देश्य मोहब्बत और भाईचारे को वापस लाना था, जो इस देश की आत्मा रही है. यात्रा में एक लाइन में एक नारे में पूरी सोच बदल दी. जहां नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है. जहां भी यह नफरत की बाजार खोलते हैं, वहां कांग्रेस व हमारे एलायंस पार्टनर मोहब्बत की दुकान खोल देते हैं.

'सारी एजेंसियां इनके पास, पर हम डरने वाले नहीं, चुनी सरकार को गिराने का प्रयास किया'

➲ **झारखंड की जनता को बधाई, न डरे न हटे, हम किसी से डरने वाले नहीं**

➲ **नोटबंदी व जीएसटी ने छोटे-खुदरा व्यापारियों को खत्म कर दिया**

देश में लोगों के साथ अन्याय हो रहा है

राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा में हमने न्याय शब्द भी जोड़ा. पिछले साल बहुत सारे लोगों ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर आप चल लिए. बंगाल, मनिपुर, नगालैंड, अरुणाचल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा प्रदेशों को क्या होगा. बहुत सारे लोगों ने कहा कि आपको इन प्रदेशों में भी जाना चाहिए. बंगाल, उड़ीसा बाकी स्टेट में निकलनी चाहिए. इसलिए मैंने दूसरी यात्रा आरंभ की. जैसा कि मैंने पहले कहा इसमें हमने न्याय शब्द जोड़ दिया, क्योंकि हिंदुस्तान में करोड़ों लोगों के साथ अन्याय हो रहा है.

जीएसटी ने छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया है

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में हजारों युवा हैं, आप चाहो तो भी नरेंद्र मोदी के हिंदुस्तान में सबको रोजगार नहीं मिल सकता है. क्योंकि नरेंद्र मोदी नोटबंदी की. गलत जीएसटी लागू की. छोटे व्यापरियों, स्मॉल बिजनेश मैन को नोटबंदी से, जीएसटी से उनको खत्म कर दिया. हमारे रोजगार की रीढ़ की हड्डी को नरेंद्र मोदी, भाजपा ने तोड़ दिया. आज इतनी बेरोजगारी इस देश में व्याप्त हो गयी है.

दो-चार अरबपति सारा धन उठा कर ले जाएंगे

राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी चाहते हैं युवाओं को रोजगार मिले और हिंदुस्तान के दो-चार अरबपति इस देश का धन उठा लेकर ले जाएं. तो हमने आर्थिक अन्याय, सामाजिक न्याय, किसानों के खिलाफ अन्याय, आदिवासियों के खिलाफ अन्याय इन चीजों के बारे में हम यात्रा आपसे बातचीत करना चाहते हैं. जो आपके दिल में दर्द है, इस यात्रा के माध्यम से हम देश के सामने इसे रखना चाहते हैं.

हेमंत सोरेन को झूठे मुकदमे फंसाया गया : चंपई

इस मौके पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने आपके द्वारा चुने हुए हमारे लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को जिस तरह से झूठे मुकदमों में फंसा कर गिरफ्तार कराया. यहां की सरकार गिराने की साजिश की थी. वह पूरी तरह से विफल हो गई. कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर, राजेश ठाकुर, आलमगीर आलम, लालजी देसाई, बी श्रीनिवास, अधीर रंजन चौधरी, प्रदीप बालमुचू, सुबोध कांत सहाय, सुखदेव भगत व अन्य मौजूद रहे.

मानगो में गैंगवार

वारदात

रोहित कुमार । जमशेदपुर

दिनदहाड़े गोली मार कर एक की हत्या

➲ **प्रदीप की हत्या का बदला लेने के लिए राजा को मार डाला**

➲ **जांच के दौरान पुलिस ने मौके से दो खोखा बरामद किया**

जमशेदपुर में एक बार फिर गैंगवार की शुरुआत हो चुकी है. गुरुवार को सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में टकलू लोहर की हत्या के बाद शुक्रवार को मानगो के पोस्ट ऑफिस रोड में राजा सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े राजा को उस वक्त गोली मारी जब वह अपने घर से मेन रोड की तरफ जा रहा था. रास्ते में बाइक सवार दो अपराधियों ने उसे रोका. अपराधियों को देख राजा अपनी जान बचाने के लिए पास ही एक गिफ्ट शॉप में घुस गया और दुकान में मौजूद एक बच्चे को ढाल बना लिया, पर अपराधियों ने उसे गोली मार दी और फरार हो गए. घटना के बाद राजा को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. इधर, सूचना पाकर सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत, मानगो थाना प्रभारी विनय कुमार पहुंचे और जांच शुरू की.

गणेश गिरोह के लिए काम करता था राजा और टकलू

सीतारामडेरा फायरिंग में मारे गये टकलू लोहार और राजा शहर के गणेश सिंह गिरोह से जुड़ से जुड़े थे. राजा 13 फरवरी 2023 को अमरनाथ गिरोह के प्रदीप सिंह की हत्या में शामिल बबिता सिंह का पति था. बबिता को पुलिस ने प्रदीप सिंह की हत्या में शामिल होने के आरोप में जेल भेजा था. प्रदीप हत्याकांड में गणेश सिंह का भी नाम सामने आया था. इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिन अपराधियों ने गुरुवार को टकलू की हत्या की उन्हीं अपराधियों ने राजा को भी मौत के घाट उतार दिया. प्रदीप की हत्या का बदला लेने के लिए उसके भाई छोटू, राहुल राय, अंकित, राहुल सिंह और अर्जुन बच्चा समेत अन्य लोगों ने राजा की हत्या की. इन्ही आरोपियों ने टकलू की भी हत्या की है. एक ही गिरोह के दो सदस्यों की मौत के बाद फिर शहर में गैंगवार की शुरुआत होती नजर आ रही है.

मृतक की फाइल फोटो

साथी के साथ बाल कटवाने घर से निकला था राजा : राजा अपने साथी अमन के साथ घर से बाल कटवाने के लिए घर से निकला था. अमन ने बताया कि रास्ते में बाइक पर सवार छोटू, राहुल राय समेत अन्य ने रोका. दोनों को देख राजा जान बचाने के लिए पास ही एक दुकान में जा घुसा. इसी बीच आरोपियों ने उसके सिर पर गोली मार दी और फरार हो गए. अमन के अनुसार अपराधियों ने पांच से छह राउंड फायरिंग की.

▼ ब्रीफ खबरें

फाइलेरिया को लेकर सहियाओं को प्रशिक्षण

महुदा। स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार के निर्देशानुसार बाघमारा प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (महुदा) छत्रुटांड़ में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एम.डी.ए.) 2024 को लेकर सहिया बहनों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. उक्त शिविर में छह क्लस्टरों से 70 सहिया बहनों ने फाइलेरिया खुराक खिलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया. यह अभियान 10 से लेकर 25 फरवरी तक चलाया जाएगा. इस अवसर पर सहिया/ लिंक वर्कर सभी फाइलेरिया बूथों , स्कूलों एवं घर - घर जाकर फाइलेरिया खुराक खिलाएंगी.

उज्ज्वला के तहत गैस सिलेंडर का वितरण

बरोरा। बाघमारा प्रखण्ड अंतर्गत बरोरा पंचायत सचिवालय में उज्ज्वला योजना के तहत पंचायत के 28 लाभूकों के बीच गैस चूल्हा एंव सिलेन्डर का वितरण किया गया. जिसमें मुख्य रूप से बाघमारा विधायक प्रतिनिधि शत्रुघन महतो, मुखिया सरिता देवी, पसस सरस्वती देवी,मुखिया प्रतिनिधि देवानन्द साव,उपमुखिया प्रतिनिधि बीरेन्द्र रवानी,दूधनाथ गोप, बाबू गोप, बिनय बिसियार, राजीव बिसियार, अरूण रवानी, महादेव नापित, मनोज साव आदि लोग उपस्थित हुए.

बीडीओ ने प्रचार-प्रसार गाड़ी को रवाना किया

मैथन। वीवीपैट प्रचार-प्रसार गाड़ी शुक्रवार को एग्यारकुण्ड प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंची, जहां से बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने हरी झंडी दिखाकर पंचायतों के लिए रवाना किया. यह गाड़ी पंचायत क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक करेगा. मौके पर बीडीओ विनोद कर्मकार ने कहा कि वीवीपैट प्रचार-प्रसार वाहन मतदाताओं में जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रखंड सह अंचल क्षेत्र के लिए रवाना किया गया. शुक्रवार को गोपीनाथपुर और वृंदावनपुर पंचायत के मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया.

दो दुकानों में छापे, 865 नकली घड़ियां जब्त कीं

धनबाद। टाइटन व फास्ट्रैक के कंपनी पार्टनर गौरव तिवारी की शिकायत पर धनबाद थाना की पुलिस टीम ने रांगाटांड़ के दो थोक कारोबारी की दुकानों में छापा मारा. जहां से टाइटन व फास्ट्रैक की 865 नकली घड़ियां जब्त की गई. इस संबंध में गौरव तिवारी ने धनबाद थाना में लिखित शिकायत की है. लिखित शिकायत में कहा गया है कि दिल्ली में रहते हैं और टाइटन कंपनी लिमिटेड के पार्टनर है. उन्हें गुप्त सूचनी मिली थी कि रांगाटांड़ में बड़े पैमाने पर होलसेल का कारोबार होता है.

मिले 21 नए इंस्पेक्टर पुराने का हुआ तबादला

धनबाद। 3 साल से एक ही जिले में पदस्थापित 346 इंस्पेक्टर स्तर के पदाधिकारियों का पुलिस मुख्यालय ने तबादला किया है. इसी क्रम में धनबाद जिला में नए 21 इंस्पेक्टरों की पदस्थापना की गई है. जिनमें अक्षय कुमार राय, राकेश कुमार गुप्ता, विष्णु प्रसाद राउत, राम नारायण ठाकुर, उषा रानी, जय प्रकाश महतो, रविकांत प्रसाद, मनजीत कुमार, मनोज कुमार पांडेय, आसित कुमार सिंह, प्रमोद पांडेय, सरस्वती कुमारी मिंज, राजेश कुमार, संजय कुमार, मनोहर करमाली, मो साजिद हुसैन, असीम कमल टोपनो, शशि रंजन कुमार एवं आशुतोष कुमार है. वहीं धनबाद रेल में भी दो इंस्पेक्टर की पदस्थापना की गई है.

दुकान में पहले लगाई आग, फिर जेसीबी चलवा दी, भाजपा नेता सहित पांच पर प्राथमिकी दर्ज की गई

भू-माफिया की नजर गैर आबाद जमीन पर, तोड़वा दी चाय की दुकान

संवाददाता।मैथन

भू-माफिया के इशाने पर कुछ लोगों ने यहां एक चाय की दुकान में आग लगा दी और जेसीबी मशीन से झोपड़ीनुमा उस दुकान को तोड़वा दिया. चाय की यह दुकान एग्यारकुण्ड मुण्डाधौड़ा निवासी श्रीराम बारी की है. इस घटना को अंजाम देने का आरोप शिवलीबाड़ी मुण्डाधौड़ा निवासी भाजपा नेता प्रधान सोरेन, पूर्व पंसस भाजपा नेता मनोज राम, बबलू बोदरा, रामराय पूर्ति एवं बिशुन बोदरा पर लगाया गया है. गुरुवार शाम की इस घटना को लेकर श्रीराम बारी की पत्नी सोना बारी की लिखित शिकायत पर गलफरबाड़ी ओपी में उपरोक्त पांचों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. उधर भाजपा नेता प्रधान सोरेन सहित पांचों ने सोना बारी द्वारा लगाये गये सभी आरोपों को निराधार व गलत बताया है.

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार फर्जी कागजात से मैथन निवासी एक दबंग भू माफिया द्वारा गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है. उक्त जमीन का मौजा-237, खाता नंबर 138, प्लाट नंबर-1990 है। एग्यारकुंड अंचल निरीक्षक की जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त गैर आबाद प्लाट में 6.25 एकड़ जमीन है. जिस पर राजकीय प्रावि, आंगनबाड़ी केन्द्र व क्लब बना हुआ है. इसी प्लाट में से 3.5 डिसमिल जमीन सीओ द्वारा भूमिहीन श्रीराम बारी को आवंटित की गयी है.

आदिवासी कालोनी बनाने की मिली थी स्वीकृति

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सरकार में कल्याण मंत्री अर्जुन मुण्डा द्वारा आदिवासी कालोनी बनाने की हरी झंडी दी गयी थी. लेकिन किन्हीं कारणों से कालोनी नहीं बन पाई. इस बीच एक कथित अमीन जो एग्यारकुण्ड में ही एक किराये के मकान में रहता था. उसने पावर आफ एटर्नी के फर्जी कागजात बनवाए व सारी गैर आबाद जमीन बेच दी. अंचल कार्यालय ने 138 खाते की जमीन पर निजी कार्य पर रोक लगा रखी है.

सासे चलने वाला अमीन बना करोड़पति

मैथन निवासी एक निजी अमीन द्वारा गैर आबाद 138 खाते की 1990 नंबर प्लाट की 6.25 एकड़ जमीन बेच दी गयी है. जिस पर कई आलीशान मकान बन चुके हैं. उक्त अमीन ने पावर आफ एटर्नी के फर्जी कागजात बना रखा हैं. जिसके जरिये उसने फर्जी रजिस्ट्री भी की है और लाखों का वारा न्यारा किया है.

कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने एग्यारकुण्ड सीओ व गलफरबाड़ी पुलिस से भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. ताकि गैर आबाद जमीन को भू माफिया से बचाया जा सके. कहा गया कि किसी भी सूरत में खाली गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा नहीं करने दिया जायेगा. जरूरत पड़ी तो भूमि बचाओ संघर्ष समिति का गठन कर आंदोलन किया जायेगा. गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी असफाक आलम ने कहा कि चाय दुकान में आग लगाने व जेसीबी से दुकान तोड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गयी है. जिस भू माफिया के इशारे पर यह किया गया है उसे भी चिह्नित किया जा रहा है.

सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी के घर में बीते 24 जनवरी को हुई थी चोरी

10 दिन बाद भी पुलिस ने नहीं दर्ज की एफआईआर,आक्रोश

संवाददाता।धनबाद

शहर के दामोदरपुर स्थित सेवा विहार कॉलोनी में सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी सुरेश प्रसाद सिंह के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 24 जनवरी की रात नकदी, जेवर समेत एक लाख से अधिक की संपत्ति चोरी कर ली. इस संबंध में भुक्तभोगी ने धनबाद थाना में लिखित शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कहा कि पहले मुहल्ले से पड़ोस के दो गवाह को लेकर आओ, फिर आवेदन के आधार पर एफआईआर होगा. वरना रोजाना थाना का चक्कर लगाते रहोगे, तो भी कुछ नहीं होने वाला है. 72 वर्ष के बुजुर्ग सुरेश प्रसाद सिंह जो बाइक भी नहीं चला सकते हैं, वे किसी तरह दो-तीन दिन दूसरे की गाड़ी में बैठकर थाना आए, लेकिन जब उन्हें लगा कि पुलिस उनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी, तो वे निराश होकर लौट गए. फिर वे दोबारा थाना नहीं आए. भुक्तभोगी ने कहा कि आवेदन देने के बाद एक दिन भी धनबाद थाना की पुलिस घटनास्थल पर नहीं गई और न ही घरवालों या पड़ोस के किसी व्यक्ति से पूछताछ की. उन्होंने कहा कि जब शहर का यह हाल है, तो गांव के थाना का क्या हाल होगा. इससे लोगों में भी आक्रोश है.

धनबाद थाने की पुलिस ने भुक्तभोगी से कहा, दो गवाह लेकर आओ तब दर्ज होगी शिकायत

आवेदन मिलने के बाद एक दिन भी घटनास्थल पर नहीं गई पुलिस और न ही किसी से की पूछताछ

कुछ खर्च कीजिए तो छानबीन कर करेंगे आगे की कार्रवाई

भुक्तभोगी का कहना है कि शिकायत के दूसरे दिन थाना जाने पर पुलिस उनसे कह रही थी कि कुछ खर्च कीजिए तो घटनास्थल पर जाकर छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे. उन्होंने कहा कि एक तो उनके घर में एक लाख से अधिक की संपत्ति चोरी हो गई. वे खुद परेशान हैं. उपर से उनसे कार्रवाई करने के नाम पर पैसा मांगा जा रहा है. जैसे सरकारी कार्यालयों में जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने या अन्य काम करवाने के एवज में वहां के क्लर्क व कर्मचारी पैसा मांगते हैं. पुलिस भी पैसा लेकर एफआईआर करे और अपराधियों को पकड़ने के लिए छापामारी करे, तो क्राइम कंट्रोल कैसे होगा.

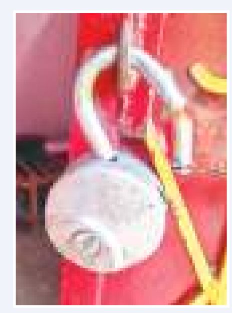

घर में अकेले रहते हैं रिटायर कर्मी

रिटायर बीसीसीएल कर्मी सुरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनके दो बेटे हैं, जो छतीसगढ़ व गुजरात में रहते हैं. साल में एक-दो बार ही बेटे पत्नी-बच्चों के साथ धनबाद आते हैं. वे भी बच्चों के पास आना-जाना करते हैं. घर में भांजा है, लेकिन वह ड्यूटी पर चला जाता है. अधिकतर समय अकेले ही गुजारना पड़ता है. चोरी की घटना के बाद पुलिस कह रही थी कि रात में गश्ती बढ़ा देंगे, लेकिन पुलिस की गाड़ी कभी नहीं दामोदरपुर के सेवा विहार कॉलोनी में पहुंची.

हलकट्टा से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पुनः शुरू होगी

4 को राहुल धनबाद में, पूर्वी टुंडी में 3 को करेंगे विश्राम

संवाददाता।धनबाद

झारखंड प्रदेश कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि 3 फरवरी की शाम 6 बजे के करीब राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा धनबाद की सीमा कर्मदाहा पुल से प्रवेश करेगी. यहां प्रदेश कांग्रेस, धनबाद जिला कांग्रेस के सभी मंच, मोर्चा, प्रखंड, नगर कांग्रेस एवं सहयोगी संगठन और आमलोगों के द्वारा हजारों की संख्या में फूल माला एवम पुष्पगुच्छ देकर जोरदार स्वागत किया जाएगा.

इसके बाद राहुल गांधी हलकट्टा, पूर्वी टुंडी स्थित विश्राम स्थल में रात्रि विश्राम करेंगे. 4 फरवरी रविवार की सुबह 8 .00 बजे हलकट्टा से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पुनः प्रारंभ करेंगे जो गोविदपुर ,सरायढेला, रणधीर वर्मा चौक, डीआरएम मोड़, पूजा टाकीज होते हुए श्रमिक चौक पहुंचेंगी.

यात्रा बोकारो जिला की सीमा में भी प्रवेश करेगी

बताया गया कि मटकुरीय, केंदुआ, पुटकी लालबंगला, महुदा होते हुए बोकारो सीमा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा प्रवेश करेगी .बोकारो सीमा तक पंद्रह स्थानों पर आम जनता एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया जाएगा. जिसमें गोविंदपुर लाल बाजार चौक, सरायढेला में बिग बाजार के समीप, स्टील गेट चौक, पुलिस लाइन, बार एसोसिएशन द्वारा न्यायालय के समीप ,डी आर एम चौक,पूजा टाकीज,श्रमिक चौक,सुभाष चौक मुस्कान कॉम्प्लेक्स के सामने ,बैंक मोड़ जे डी कुमार के सामने, मटकुरिया मुक्तिधाम के समीप, केंदुआ बाजार, पुटकी प्रभु चौक शामिल है.

ग्राउंड सिचुएशन रिपोर्ट की उपायुक्त ने की समीक्षा

धनबाद। उपायुक्त वरुण रंजन ने आगामी 4 फरवरी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राहुल गांधी की धनबाद में आयोजित होने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के ग्राउंड सिचुएशन रिपोर्ट, सुरक्षा सहित अन्य बिंदुओं की उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा की. उपायुक्त ने यात्रा का धनबाद जिले में प्रवेश, स्वागत, रात्रि विश्राम स्थल की सुरक्षा, लाइटिंग, साफ सफाई, सुरक्षा बलों के आवासन, मोटर कारकेड, एम्बुलेंस सहित अन्य विषयों की बिंदुवार समीक्षा की.यात्रा के दौरान राहुल गांधी बस से कहां-कहां उतरकर लोगों से मिलेंगे, कहां-कहां बस के ऊपर रहेंगे और कहां-कहां पैदल यात्रा करेंगे, के बारे में भी उपायुक्त ने विस्तार से चर्चा की. उन्होंने श्री राहुल गांधी से मिलने वाले लोगों की अच्छे से जांच करने और बिना वैध पहचान पत्र के किसी को पास में जाने की इजाजत नहीं देने का निर्देश दिया.

मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, ग्रो मोर बनी चैंपियन

संवाददाता।धनबाद

चार दिवसीय मीडिया कप क्रिकेट-2024 का खिताबी मुकाबला ग्रो मोर की टीम ने अपने नाम किया. फाइनल मैच में अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रो मोर की टीम किंग्स वारियर को हरा चैंपियन बनी.धनबाद प्रेस क्लब की तरफ से आयोजित मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 का फाइनल मैच शुक्रवार को रेलवे ग्राउंड में खेला गया. ग्रो मोर और किंग्स वारियर के बीच खेले गए फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्रो मोर की टीम ने किंग्स वारियर के सामने 20 ओवर में 170 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाबी पारी में किंग्स वारियर की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 129 रन बनाकर सिमट गई.इस तरह से ग्रो मोर की टीम 41 रनों से जीत दर्ज कर विजेता बनी.प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब ग्रो मोर टीम के खिलाडी दीपक कर्मकार को मिला. दीपक ने 81 रनों की शानदार पारी खेली.इस क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए. आरपीएफ, सीनियर कमांडेंट सैय्यद सरफराज अहमद के हाथों विजेता व उप विजेता टीम को ट्राफी प्रदान किया गया.मौके पर ग्रो मोर की प्रोपराइटर सविता कुमारी समेत सभी प्रायोजकों के अलावे कई दैनिक अख़बार के संपादक उपस्थित हुए .धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया.

खास बातें

- किंग्स वॉरियर की टीम को 41 रन से पराजित किया
- दीपक कर्मकार को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब

जैव विविधता बनाये रखना जरूरी : विनोद

मैथन। विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बीएसके कॉलेज मैथन में "पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण में आद्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि एग्यारकुण्ड प्रखंड के बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने कहा कि वर्तमान समय में अनियंत्रित विकास एवं जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए एक बड़े खतरे के समान है. कहा कि इस धरती पर सिर्फ मानव का ही अधिकार नहीं है, अपितु इस धरती पर रहने वाली करोड़ों प्रजातियों का भी उतना ही अधिकार है, जितना मानव का है. इसलिए धरती पर मानव के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए समस्त प्रकार की जैवविविधता को बनाए रखना जरूरी है. उन्होंने आद्रभूमि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्द्रभूमि पानी में मौजूद तलछट और पोषक तत्वों को अपने में समा लेती है और सीधे नदी में जाने से रोकती है.

आस्था ट्रेन से विहिप के कार्यकर्ता जा रहे अयोध्या धाम : सोनू गिरी

संवाददाता।सिंदरी

अयोध्या में राम मंदिर स्थापना के लिए सर्वस्व न्योछावर को तैयार रहनेवाले विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को प्रभु श्री राम के बाल्यरुप का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. देश से सभी कार्यकर्ता 3 फरवरी को अयोध्या धाम पहुंचेंगे. उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला मंत्री सह धनबाद यात्रा प्रभारी सोनू गिरी ने बताया कि झारखंड से लगभग 1380 कार्यकर्ता आस्था ट्रेन 2024 से अयोध्या के लिए रवाना होंगे. इनमें धनबाद जिला से 31 कार्यकर्ताओं को रेलवे ने यह तोहफा दिया है. इनमें सिंदरी से धनबाद प्रभारी प्रभारी सोनू गिरी, सोनू सिंह, सिंटू कुमार, रंजीत कुमार निषाद, देव कर्मकार, अमन कुमार ठाकुर, करण महतो, प्रकाश कुमार शामिल हैं.

रेलवे को विशेष धन्यवाद

सोनू गिरी ने बताया कि झारखंड के सभी 1380 कार्यकर्ताओं को रेलवे ने यह तोहफा मोबाइल के माध्यम से सूचित कर दिया है. इस यात्रा की शुरुआत 2 फरवरी को टाटा स्टेशन से शुरू होकर चक्रधरपुर, राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, कोडरमा, गया, डेहरी आन सोन, सासाराम, दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन, वाराणसी पहुंचेंगी. यहां 4 घंटे के विश्राम के बाद गंतव्य स्थान प्रभु के धाम अयोध्या पहुंचेगी और अयोध्या से 4 फरवरी को देर शाम यह ट्रेन वापसी करेगी. इसके लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था रेलवे ने की है. उन्होंने इसके लिए रेलवे को विशेष धन्यवाद दिया है.

तीन दिवसीय आयोजन धनबाद इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर में आयोजन का समापन हुआ, खूब बही भक्ति की बयार

इस्कॉन के 3 दिवसीय भागवत कथा में जुटे हजारों धनबादवासी

संवाददाता।धनबाद

भगवद गीता का अंतिम निष्कर्ष यह निकलता है कि अध्यात्म की सारी पद्धतियों में भक्ति योग सर्वश्रेष्ठ है और जहा गीता का अंत होता है वहीं से भागवत पुराण का प्रारंभ होता है. यह अत्यंत आवश्यक है कि भागवत पुराण का अध्ययन प्रथम श्लोक से क्रमानुसार किया जाए, वरना व्यक्ति भगवान की लीलाओं से भ्रमित हो सकता है.

यह बातें इस्कॉन धनबाद द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम सत्र जगजीवन नगर में कथाकार श्रद्धेय श्री देवकीनंदन प्रभु जी ने कथा के दौरान कही.कथा का आयोजन इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर में शुक्रवार को संपन्न हुआ. 1000 से अधिक भक्तों ने इसका लाभ उठाया. कथा व्यास के रूप में इस्कॉन के अत्यंत वरिष्ठ वैष्णव विश्व विख्यात कथाकार श्रद्धेय श्री देवकीनंदन प्रभु जी के दिव्य कंठ से कथा सुनकर सभी का हृदय आनंदित हो गया.

श्रद्धेय श्री देवकी नंदन प्रभुजी का परिचय

श्रद्धेय श्री देवकी नंदन प्रभु मात्र 17 वर्ष की आयु में अंतराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ अर्थात इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद को अपना गुरु स्वीकार कर संस्था से जुड़े और पिछले 45 वर्षों से लगातार कृष्ण भक्ति का प्रचार कर रहे हैं. एवं समाज की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं.

पहले दिन की कथा का सारांश

कथा की भूमिका बांधते हुए प्रभुजी ने किसी भी कथा के प्रारंभ में पढ़े जाने वाले मंगलाचरण के महत्व पर प्रकाश डाला. प्रभुजी ने यह भी बताया कि व्यास देव द्वारा उमेरित श्रीमद भागवत के प्रथम तीन श्लोक अपने आप में श्रीमद भागवत का मंगलाचरण माने जाते हैं. भगवद गीता और श्रीमद भागवत सनातन धर्म के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ है. इसीलिए मुख्यत: इन दोनों के प्रचार के लिए ही श्रील प्रभुपाद ने अपना जीवन न्यौछावर किया. श्रीमद भागवत के पहले श्लोक में व्यास जी परम पुरुषोत्तम श्री कृष्ण भगवान को सबसे उत्कृष्ट सत्ता के रूप में स्थापित कर देते हैं. कथा के उपरांत हजारों भक्तों ने कीर्तन तथा भर पेट सात्विक एवं स्वादिष्ट प्रसाद का आनंद लिया .कथा के अगले सत्र में भाग लेने हेतु 3 फरवरी संध्या 4 :00 बजे इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर, सेंट्रल हॉस्पिटल के पास, जगजीवन नगर में सारे धनबाद वासी आमंत्रित हैं.

चयन में गड़बड़ी के खिलाफ जिप उपाध्यक्ष ने दिया धरना

संवाददाता।तोपचांची

तोपचांची में अबुआ आवास में स्थानीय जनप्रतिनिधि को दरकिनार कर लिस्ट जारी करने के विरोध में जिप उपाध्यक्ष सरिता देवी ने अपने समर्थकों के शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समीप धरना दिया. जिप उपाध्यक्ष ने बताया कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों की जारी लिस्ट में वैसे लोगों का नाम शामिल है जिन्हें पहले भी आवास योजना का लाभ मिल चुका है. लाभुकों के चयन में स्थानीय जनप्रतिनिधि से राय नहीं ली गई और लिस्ट तैयार कर ली गई. उन्होंने लिस्ट को रद्द कर वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, उप मुखिया, जिला परिषद सदस्य, उपाध्यक्ष व अध्यक्ष की उपस्थिति में दोबारा ग्रामसभा कर योग्य लाभुकों का नाम जोड़ने की मांग की.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in

शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 286

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आदित्यपुर के ऑटो क्लस्टर परिसर में तीन दिनों तक चलेगा एक्सपो, उपकरणों की बुकिंग पर डिस्काउंट दिया जाएगा

इंडोमैक-2024 का रंगारंग शुभारंभ, देशभर से आएंगे अतिथि, प्रतिनिधि और खरीदार

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित ऑटो क्लस्टर परिसर में इंडोमैक बिजनेस सॉल्युशन्स द्वारा ऑटो क्लस्टर एवं एसिया के सहयोग से तीन दिवसीय (2 से 4 फरवरी) बी 2 बी इंडस्ट्रियल मशीनरी एंड इंजीनियरींग एक्सपो (इंडोमैक जमशेदपुर) का शुभारंभ हुआ. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला, आईएएस व विशिष्ट अतिथि के रूप में जियाडा आदित्यपुर के रिजनल डायरेक्टर प्रेम रंजन, आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर के प्रबंध निदेशक एस एन ठाकुर, एसिया के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से हुआ. अतिथियों के अलावा एशिया के अन्य मेंबरों एवं जाने-माने उद्यमियों की उपस्थिति में एक्सपो के बारे में डीसी रवि शंकर शुक्ला ने कहा कि चूंकि आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया देश का एक महत्त्वपूर्ण एवं एशिया का सबसे बड़ा लघु उद्योग है. जहां बड़ी संख्या में छोटे, मझौले एवं बड़े उद्योग स्थापित हैं. इस तरह के इंडस्ट्रियल एक्सपो के आयोजन से देश-विदेश में इंडस्ट्री के क्षेत्र में नवीनतम बदलाव एवं नये-नये तकनीक से यहां के उद्योगपति रूबरू होंगे व टेक्निकल जानकारी से एक दूसरे से अवगत होंगे. साथ ही जियाडा आदित्यपुर के रिजनल डायरेक्टर प्रेम रंजन, एसएन. ठाकुर एवं इंदर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि इंडोमैक एक्सपो का आयोजन पिछले कई वर्षों से हम सभी के सहयोग से होता आ रहा है और इस तरह के आयोजन की समय-समय पर और अधिक आयोजन की आवश्यकता है.

हम यथासंभव इस तरह के आयोजनकर्ताओं को हर संभव मदद करेंगे ताकि यहां के उद्योगों का और अधिक विकास हो सके एवं तकनीकी रूप से न केवल जमशेदपुर बल्कि झारखंड के सभी उद्योगपति इसका लाभ उठा सकें.

एक्सपो सभी लघु एवं मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करेगा : उद्घाटन के अवसर पर इंडएक्सपो के निदेशकों ने कहा कि इस एक्सपो में देशभर से करीब 20000 विजिटर्स आने की संभावना है. करीब 600 करोड़ से भी अधिक के व्यवसाय की आशा है. यह एक्सपो शहर के सभी लघु व मध्यम उद्योगों के लिए अनेक अवसर प्रदान करेगा.

यहां पर उन उपकरणों की बुकिंग पर डिस्काउंट भी दिया जायेगा, जिसका लाभ विजिटर्स एवं उद्योगपति उठा सकते हैं. जमशेदपुर एक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में सारे देश में अपनी पहचान बना चुका है, इंडोमैक जमशेदपुर शहर की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा.

600 करोड़ से भी अधिक के व्यवसाय की उम्मीद

20000 विजिटर्स के आने की संभावना है देशभर से

विजिटर्स को उपकरणों के बारे में मिलेगी जानकारी

इस इंडो मैक एक्सपो में विजिटर्स को मीतु तोयो, मेटल एआरसी, टेम्कोन, दर्शना इंडस्ट्रीज, कोयकी इंडिया, बिरला प्रिसिजन, ईएमएच क्रेन्स, एडॉर बिल्डिंग, हैको मशीनरी, एलएनटी, आईगस, क्रिएटिव फाइब्रोटेक, सिमफोनी, मल्टीटेक सिस्टम, सलजर इलेक्ट्रॉनिक्स, मेबा इंडिया, वेलमॉक इंटरनेशनल, वाईगोर वेल्डिंग, इट टेक्नोलॉजी, राज पेट्रो, केना मेटल इंडिया, सुप्रीम टेक्नोलॉजी, आशा एब्लॉय, टू पॉवर, सिगनोड सहित अन्य कंपनियों द्वारा अपने प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित किया जा रहा है. एक्सपो में उपकरणों एवं अन्य उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी तथा इन प्रोडक्ट्स को रूबरू देखने व समझने का मौका मिलेगा.

सभी विजिटर्स के लिए प्रवेश निःशुल्क है

इंडस्ट्रियल व इंजीनियरिंग एक्सपो में देश विदेश की 150 से भी अधिक नामी कंपनियां अपने प्रोडक्टस एवं सर्विसेस का प्रदर्शन कर रही है. इस एक्सपो के आयोजन से जमशेदपुर शहर में एक जगह ही उद्योगों की आवश्यकता के लिए अनेक मशीनें व टेक्नोलॉजी मिल सकेगी. इस एक्सपो में सभी विजिटर्स के लिये प्रवेश नि:शुल्क रखी गयी है. एक्सपो को विजिट करने का समय 11 बजे से शाम 7 बजे तक का समय रखा गया है. इंडोमैक बिजनेस सोल्यूशन्स द्वारा भारत के अन्य शहरों नागपुर, हैदराबाद एवं चेन्नई में भी इंडोमैक इंडस्ट्रियल एक्सपो का आयोजन किया जाने वाला है.

ब्रीफ खबरें

अंतर विवि महिला हॉकी : आरयू फाइनल में

रांची। अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता में आरयू की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया. आरयू के खिलाड़ियों ने शानदार खेल और तालमेल का परिचय देते हुए सेमीफाइनल में संबलपुर विविको 3-0 से पराजित किया. फाइनल में आरयू का मुकाबला शनिवार को ग्वालियर विवि से होगा. पुणे में सावित्रीबाई विवि के तत्वावधान में खेली जा रही प्रतियोगिता में रांची विवि के इस जीत में रेशमा सोरेन, सबीला तिर्की और एलीना डुंगडुंग का विशेष योगदान रहा.

बीबीएमकेयू में हेल्थ सेंटर का उद्घाटन

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विवि के एकेडमिक ब्लॉक में शुक्रवार को विश्वविद्यालय हेल्थ सेंटर का उद्घाटन हुआ. इसका शुभारंभ कुलपति पवन पोद्दार ने किया. विश्वविद्यालय हेल्थ सेंटर का उद्घाटन मंत्रोच्चारण के साथ किया गया. कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तौर पर सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन उपस्थित थे. वही रजिस्टार डॉ के कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी, डॉ रिजवान अहमद के साथ विवि के प्रोफेसर व छात्र छात्राएं उपस्थित थे.

बेमियादी हड़ताल पर गये ट्रक ऑनर

बालूमाथ(लातेहार)। निर्धारित एवं नियमित कोयला ढुलाई का किराया नहीं देने के खिलाफ तेतरियाखाड़ कोलियरी में कोयला परिवहन करने वाले ट्रक ऑनरों की बेमियादी हड़ताल शुक्रवार से शुरू हो गयी. तेतरियाखाड़ कोलियरी परिसर के चेक पोस्ट के समीप ट्रक ऑनर धरने पर बैठ गये हैं. कहा कि ट्रक मालिकों को कोयला ढुलाई का निर्धारित भाड़ा का भुगतान नहीं किया जा रहा है. उस पर ट्रक मालिकों से गद्दी व जीएसटी के नाम पर पैसे वसूल रहे.

रेल पटरी पार करने पर एक हजार जुर्माना, पर ठेकेदार-कर्मियों को छूट

रेलवे के नियम को ठेंगा दिखा रहे ठेकेदार-कर्मी

संवाददाता। धनबाद

भारतीय रेलवे में धनबाद हो या फिर देश का कोई भी अन्य स्टेशन, वहां एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने को लेकर नियम बने हैं. कोई रेलवे ट्रैक पार कर करता है या फिर घर जाने के लिए रेलवे पटरी को क्रॉस कर शॉर्टकट रास्ता अपनाता है तो उनसे टीटीई और आरपीएफ के पदाधिकारी व जवान पकड़ कर एक हजार जुर्माना वसूलते हैं. जुर्माना नहीं भरने पर रेलवे एक्ट के तहत धारा 147 में मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा जाता है. इसमें 6 महीने की सजा का भी प्रावधान है. रेलवे का नियम व कानून सिर्फ आम यात्रियों पर ही लागू होता है, ठेकेदारों व खास लोगों पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ता है. रेलनीर के ठेकेदार अपने कर्मियों से रोजाना आठ नंबर प्लेटफॉर्म से रेलवे ट्रैक के माध्यम से सात, छह-पांच-चार-तीन-दो व एक नंबर प्लेटफॉर्म पर सैकड़ों पेटियां सुबह से शाम तक विभिन्न दुकानों तक पहुंचाते हैं. प्लेटफॉर्म पर भी जहां-तहां स्टॉक कर रखता है.

दुकानों और ट्रेनों में करते हैं रेलनीर की सप्लाई

- रोजाना रेलनीर की सैकड़ों पेटियां लेकर रेलवे ट्रैक से करते हैं आर-पार
- आरपीएफ-टीटीई बेटिकट व ट्रैक पार करने वालों को पकड़ वसूलते हैं जुर्माना

सूत्रों के अनुसार ठेकेदार प्लेटफॉर्म की दुकानों के साथ-साथ राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, पूर्वा आदि कई ट्रेनों की पेंट्री कार में भी रेलनीर की सप्लाई करता है. ठेकेदार की सेटिंग आरपीएफ-टीटीई से लेकर रेलवे के कई कतिपय अधिकारियों से है, जिसे मोटी रकम देकर अपना कारोबार बेखौफ सालोंभर करता है. ऐसा नहीं है कि टीटीई या आरपीएफ के पदाधिकारी की नजर ठेकेदार की करतूत पर नहीं है, लेकिन वे लोग देखकर भी अनदेखी कर लेते हैं.

ट्रक से रोज आती हैं पेटियां, 8 नंबर प्लेटफॉर्म को बना दिया है गोदाम

सूत्रों के अनुसार रेलनीर की सैकड़ों पेटियां रोजाना ट्रक से धनबाद स्टेशन के साउथ साइड भवन के सामने आती हैं और वहां से मजदूर उतार कर आठ नंबर प्लेटफॉर्म पर लाकर रखते हैं. ठेकेदार की दो दुकानें हैं, जिनमें रेलनीर की पेटियां रखी जाती हैं. बाकी पेटियों को प्लेटफॉर्म पर ही रखते हैं. इससे यात्रियों को दिक्कत होती है. यही वजह है कि ठेकेदार व उनके कर्मियों का मनोबल दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है.

वार्ता के बाद हड़ताल हुई स्थगित

चापापुर कोलियरी में आज के बंद को लेकर बीसीकेयू ने की सभा

- क्षेत्रीय श्रमायुक्त धनबाद द्वारा हस्तक्षेप करते हुए एक फरवरी को त्रिपक्षीय बैठक बुलाई गई थी

संवाददाता। निरसा

बीसीकेयू द्वारा इसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी में 3 फरवरी को आहूत बंदी को 4 मार्च तक स्थगित कर दिया गया है. इस निमित शुक्रवार को चापापुर कोलियरी कार्यालय के समक्ष यूनियन द्वारा एक सभा की गई. सभा के दौरान आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक के दौरान यूनियन के केंद्रीय सचिव सह क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम ने बंदी ओर प्रकाश डालते हुए बताया कि हड़ताल की पुरजोर तैयारी की गई थी. एक फरवरी को धनबाद क्षेत्रीय श्रमायुक्त के समक्ष त्रिपक्षीय वार्ता के बाद हड़ताल 4 मार्च तक स्थगित कर दी गई.

चापापुर कोलियरी की कालीमाटी खदान को बंद करने तथा अभियंता कार्यालय और धौड़ा हटाने के प्रबंधन के निर्णय के विरोध में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन द्वारा चापापुर कोलियरी और दोनों आउटसोर्सिंग कंपनी में 2 और 3 फरवरी को हड़ताल की सूचना 15 दिन पूर्व में दी गई थी. क्षेत्रीय श्रमायुक्त धनबाद द्वारा हस्तक्षेप करते हुए 1 फरवरी को त्रिपक्षीय बैठक बुलाई गई थी.

कोलियरी प्रबंधन ने सहमति जतायी

बैठक में यूनियन द्वारा खदान बंदी के साथ-साथ कार्यालय और धौड़ा हटाने का विरोध किया गया. प्रबंधन द्वारा बताया गया कि काली माटी खदान को बंद कर मजदूरों को हरिया जाम 27 नंबर ट्रांसफर करने की योजना है. जिस पर यूनियन सहमत नहीं हुआ तथा कोलियरी को चालू रखते हुए चापापुर में ही भूगर्भ खदान खोलने की संभावना तलाशने का आग्रह किया गया. 22 सूत्री मांग पत्र में बाकी मांगों पर प्रबंधन द्वारा सहमति जतायी गयी. जिसमें मजदूरों का नियमितीकरण, पदोन्नति, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के लिए आरओ प्लांट लगाने आदि मांगें शामिल हैं.

4 मार्च को होगी पुनः वार्ता, होगा मंथन

समझौता नहीं होने की स्थिति में केंद्रीय श्रमायुक्त द्वारा 4 मार्च को पुन: वार्ता की तिथि निर्धारित की गई है. इस बीच प्रबंधन द्वारा न तो खदान बंद की जाएगी न ही किसी मजदूर को ट्रांसफर किया जाएगा व कार्यालय भी यथावत चालू रहेगा. उक्त तिथि यदि समझौता नहीं होता है तो 5 और 6 मार्च को चापापुर चपापुर में दो दिनों की हड़ताल होगी. त्रिपक्षीय वार्ता में प्रबंधन की ओर से इसीएल मुख्यालय के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक रति मोहन शर्मा तथा चापापुर कोलियरी के उपकार्मिक प्रबंधक सतीश सिंह, सचिव सह क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम आदि उपस्थित थे.

'संताल में कोई नेता योग्य नहीं था क्या'

लोबिन हेंब्रम ने सरकार को घेरा, कहा- संतालपरगना की उपेक्षा क्यों हुई

संवाददाता। गोड्डा

संताल परगना में सीएम बनने की योग्यता रखने वाला कोई आदिवासी नेता नहीं था क्या, जो कोल्हान क्षेत्र से लाकर थोप दिया गया. जबकि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संथाल परगना ही कार्यक्षेत्र रहा है. संताल परगना से ही उनकी पहचान बनी है और संथाल क्षेत्र से ही वह चुन कर एमपी-एमएलए बने हैं. चाहे वह शिबू सोरेन हो या उनके पुत्र निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, संताल परगना के आदिवासी भाई-बहनों ने ही इस सोरेन परिवार को आगे बढ़ाया है, लेकिन जब भी कुछ देने की बात आती है तो यह सोरेन परिवार संथाल परगना की उपेक्षा कर देता है. उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोरिया विधायक लोबिन हेम्ब्रम शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में मीडिया से बात करते हुए कही. उन्होंने कहा कि मैंने कई बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर कहा था कि इन बाहरी लोगों के चक्कर में नहीं फंसो, मगर उल्टे हम ही को कहते हैं आप उल्टा पुल्टा बयान देकर सरकार की छवि खराब करते हैं. विधायक लोबिन ने कहा कि एक पंकज मिश्रा तो जेल चला गया, बाकी तीन सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडे जैसे बचे हुए हैं. सीएम साहब भी जेल चले गए, इसका हमें दुख है.

- बाहरी नेता झामुमो में सर्वेसर्वा बने हुए हैं
- बिहार के लोग यहां बन रहे मंत्री, नहीं कर रहे विकास

कल सीएम चंपई धनबाद में, होगी आम सभा

संवाददाता। धनबाद

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 52वें स्थापना दिवस पर 4 फरवरी को रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित होने वाली आम सभा में मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल होंगे. आम सभा को लेकर झामुमो धनबाद जिला समिति द्वारा जिला कार्यालय कुर्मीडीह में प्रेसवार्ता हुई. इसमें केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अमितेश सहाय ने कहा कि झामुमो का 52वां स्थापना दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सभी कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मनाएंगे. हम सभी को इस बात मलाल रहेगा कि उक्त कार्यक्रम में संगठन के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल नहीं हो पाएंगे. राज्य के साथ देश ने देखा कि किस तरह केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही हैं. राज्य और देश की सजग जनता के विरोध के आगे राजभवन को भी झुकना पड़ा. अंततः सत्य की जीत हुई ओर पुनः मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार राज्य में स्थापित हुई. जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने भी विचार रखे.

झामुमो के स्थापना दिवस के बारे में जानकारी देते अमितेश सहाय व अन्य.

जिला सचिव मन्नु आलम ने कहा कि झामुमो का स्थापना दिवस पर इस बार के कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक कार्यकर्ता व आम लोगों कार्यक्रम में भाग लेंगे. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, राज्य सभा सांसद महुआ माझी, राजमहल सांसद विजय हांसदा, विधायक बसंत सोरेन, पूर्व मंत्री बेबी देवी, गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू व अन्य शामिल होंगे.

चंपई सोरेन को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का हनुमान भी कहा जाता है

झारखंड आंदोलन से उभरे टाइगर तीन बार रहे सूबे के मंत्री और अब बने मुख्यमंत्री

शुभम संदेश टीम। रांची

झारखंड के 12 वें मुख्यमंत्री चंपई सोरेन झारखंड आंदोलन से उभरकर निकले नेता हैं. टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन साधारण आदिवासी परिवार से आते हैं. उनके पिता सिमल सोरेन खेती बाड़ी करते थे. चंपई की कम उम्र में शादी हो गई, लेकिन राजनीति में आये और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. चंपई को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का हनुमान भी कहा जाता है. ये शिबू सोरेन परिवार के काफी करीबी रहे हैं. चंपई सोरेन ने पहली बार 1991 में सरायकेला सीट पर हुए उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी. फिर झामुमो में शामिल हो गये. 1991 से 2019 के बीच हुए विधानसभा चुनाव में अबतक उन्होंने 6 बार जीत दर्ज की है. सिर्फ एक बार 2000 में चुनाव हारे थे. चंपई 2005 से 2019 तक लगातार सरायकेला विधानसभा सीट से चुनाव जीतते रहे. चंपई पहली बार भाजपा और झामुमो की संयुक्त सरकार में 11 सितंबर 2010 के मंत्री बने थे. 18 जनवरी 2013 तक वे मंत्री पद पर रहे थे. इसके बाद दोबारा 13 जुलाई 2013 को वो फिर से कैबिनेट मंत्री बने. उन्हें हेमंत कैबिनेट में खाद्य आपूर्ति और परिवहन मंत्रालय मिला. 28 दिसंबर 2014 तक वे मंत्री पद पर रहे. 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद फिर से हेमंत सरकार बनी और उन्हें परिवहन और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का मंत्रालय मिला.

आलमगीर आलम दूसरी बार बने मंत्री

आलमगीर आलम दूसरी बार मंत्री पद की शपथ ली. मंत्री आलमगीर ने 1974 में भागलपुर विश्वविद्यालय के साहिबगंज कॉलेज से बीएससी की है. पाकुड़ विधानसभा से कांग्रेस के चार बार विधायक रहे. कांग्रेस विधायक दल के नेता इससे पहले 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा अध्यक्ष पद पर आसीन थे. आलमगीर आलम झारखंड में पहली बार 29 दिसंबर 2019 को हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री पद की शपथ ली थी. मंत्री आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा से वर्ष 2000, 2005, 2014 व 2019 चार बार कांग्रेस से विधायक चुने गये. वहीं, वर्ष 1995 व 2009 के विधानसभा चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ा.

राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रहा

आलमगीर आलम के चाचा हाजी एनुल हक कांग्रेस से विधायक रहे थे. राजनीति में बढ़ती सक्रियता के कारण उनके चाचा हाजी एनुल हक ने पाकुड़ विधानसभा का उत्तराधिकारी सौंपते हुए 1995 में आलमगीर आलम को कांग्रेस का प्रत्याशी बनाया. लेकिन चुनाव हार गए. हारने के बाद भी आलमगीर आलम क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे और 2000 में पाकुड़ विस से बेनी गुप्ता को हरा कर पहली बार विधायक बने. इनका जन्म 1954 में हुआ था. उनके पिता का नाम स्व. सनाउल हक, माता अमीना खातून, पत्नी निशात आलम, बेटा तनवीर आलम व एक बेटी है.

चौथी बार मंत्री बने हैं सत्यानंद भोक्ता

चंपई सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सत्यानंद भोक्ता चौथी बार राज्य सरकार में मंत्री बने हैं. चतरा विससीट से चुनाव जीतने वाले सत्यानंद भोक्ता इससे पहले दो बार अर्जुन मुंडा सरकार में मंत्री रहे हैं. फिर हेमंत सरकार में मंत्री बने. अब चंपई सरकार में मंत्री बने हैं. भोक्ता ने राजनीतिक सफर भाजपा से शुरू किया था. 2000 और 2004 के विधानसभा चुनाव में वे भाजपा की टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे. 2009 के भोक्ता सिमरिया सीट से चुनाव हार गये थे. 2014 में भाजपा ने चतरा से उनका टिकट काट दिया, जिसके बाद झाविमो का दामन थाम लिया, पर चुनाव हार गये. 2019 के चुनाव से पहले उन्होंने झाविमो छोड़ राजद का दामन थाम लिया और राजद से चुनाव जीते.

पहले भी तीन बार मंत्री रह चुके हैं

सत्यानंद भोक्ता पहली बार 2004 में मंत्री बने थे. तात्कालीन अर्जुन मुंडा सरकार में भोक्ता को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का मंत्री बनाया गया था. करीब 4 महीने तक वे मंत्री पद पर रहे. इसी बीच विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई। 2004 में फिर से वे चुनाव जीते. दूसरी बार भी अर्जुन मुंडा की सरकार बनी और सत्यानंद भोक्ता को फिर से मुंडा कैबिनेट में जगह मिली. इस बार उन्हें कृषि मंत्री बनाया गया था. 2019 में वे हेमंत कैबिनेट में शामिल हुए और उन्हें श्रम मंत्रालय का जिम्मा दिया गया. अब चौथी बार वे चंपई सरकार में कैबिनेट मंत्री बने हैं.

ब्रीफ खबरें

दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दारू । दारू थाना में दुष्कर्म केस मामले के अभियुक्त अजय कुमार, ग्राम बेडमक्का थाना टाटीझरिया को गिरफ्तार कर शुक्रवार को केंद्रीय कारागार हजारीबाग भेजा दिया गया. पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ 6 जनवरी को मामला दर्ज कराया था. आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया, जिसका कांड संख्या 01/2024 है. अभियुक्त को गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को झुमरा से गिरफ्तार किया गया था. जिसका मेडिकल जांच करा कर जेल भेज दिया गया.

सड़क सुरक्षा जागरुकता पर क्विज प्रतियोगिता

हजारीबाग । जिले में सडक सुरक्षा माह का उन्नीसवां दिन मनाया जा रहा है. इस क्रम में शुक्रवार को आनंदा उच्च विद्यालय हज़ारीबाग में सडक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम सह क्विज एवं पुरस्कार वितरण, डिस्ट्रिक्ट मोड़ में जिला परिवहन पदाधिकारी हज़ारीबाग के नेतृत्व मे काउंसिलिंग सह वाहनों मे पोस्टर अधिष्ठापन, नागवा टोल के समीप सघन वाहन जांच, चालाकों की काउंसलिंग, रेफलेक्टिव टेप तथा सडक सुरक्षा सम्बन्धी पोस्टर का अधिस्थापन किया गया.

ग्रामीणों के बीच बांटा गया ऊनी कपड़ों का कीट

बरकट्ठा । मानव विकास के तत्वाधान में गूंज संस्था के सहयोग से बरकट्ठा प्रखंड के ग्राम मेरमगड्डा में दो तालाब मरम्मती और एक रोड मरम्मती का कार्य, डुमरडीहा में एक रोड मरम्मती का कार्य, ग्राम धोबारी के टोला लसकरी में चेकडैम का निर्माण, ग्राम लगनवा के झंडवाटांड टोला में भी एक रोड मरम्मती का कार्य और ग्राम गोरहर के सिमरातरी टोला में एक रोड मरम्मती का कार्य किया गया। ये सारी चीज की मरम्मती के उपरांत गूंज संस्था के सहयोग से मानव विकास द्वारा श्रमदान के एवज में सभी को उपहार के तौर पर कंबल और ऊनी कपड़ों वाला एक-एक कीट वितरण किया गया. संस्था के सचिव बीरबल ने ग्रामीणों को अच्छे काम करने के लिए प्रेरित किया.

कवि गोष्ठी कार्यक्रम गूगल मीट पर संपन्न

केरेडारी । गुरुवार को दिव्य ग्रंथ अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित कवि गोष्ठी कार्यक्रम गूगल मीट पर ऑनलाइन संपन्न हुई. संस्था के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने रामराज्य की शोभा पर अपनी मधुर व्यंजना प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की. साथ ही जमशेदपुर की सविता सिंह मीरा और सोनी सुगंधा ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में हजारीबाग जिला के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कंडा बेर गांव निवासी दिवाकर पाठक ने अपने पिता स्व. शारदानंद पाठक भूतपूर्व फॉरेस्ट बिट ऑफिसर की सुमधुर रचना मां का आंचल की प्रस्तुति देकर सभी को अपनी ओर आकृष्ट किया.

पुलिस ने रामगढ़ रोड पर लगा जाम हटवाया

रामगढ़ । रामगढ़ छावनी परिषद वार्ड नंबर सात में छोटेलाल करमाली व भुवनेश्वर राम के बीच पीसीसी पथ पर निर्माण सामग्री रखे जाने को लेकर हुए मारपीट का मामला बरकाकाना ओपी पहुंचा. मारपीट के मामला को लेकर दोनों पक्षों द्वारा बरकाकाना ओपी में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई. घटना के संबंध में बताया गया कि दुर्गावती द्वारा बरकाकाना ओपी में आवेदन देकर छोटे लाल करमाली व उनके परिजनों पर कई गंभीर आरोप लगाया गया. वहीं मोरनी देवी द्वारा भी कई आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किए जाने को लेकर आवेदन दिया गया.

रंजीत बने लोजपा के राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य

रामगढ़ । राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष और भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री पशुपति कुमार पारस ने झारखंड प्रदेश से राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत राम को पार्टी का राष्ट्रीय कार्य समिति का सदस्य बनाया है. रंजीत राम ने कहा कि हम 22 वर्षों से समर्पित भावना से पार्टी के कार्यों में अपना योगदान देते आ रहे हैं. आज हमें मेरी ईमानदारी, मेहनत और कार्यशैली को देखकर पार्टी ने हमें यह सम्मान दिया है. इसके लिए पार्टी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं. राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री पशुपति कुमार पारस को कोटि कोटि धन्यवाद देता हूं.

विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर नमामि गंगे योजना के तहत परिचर्चा का हुआ आयोजन

रामगढ़ में आर्द्रभूमि को लेकर हो रहा है कार्यः डॉ असीम

संवाददाता । रामगढ़

विश्व आर्द्र भूमि दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में नमामि गंगे योजना के तहत परिचर्चा का आयोजन किया गया. इस दौरान नोडल पदाधिकारी नमामि गंगे योजना सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार के द्वारा सर्वप्रथम परिचर्चा में उपस्थित वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो सहित अन्य का स्वागत किया गया. जिसके उपरांत उन्होंने विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक

वर्ष 2 फरवरी की तिथि को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के रूप में मनाया जाता है.

इस वर्ष विश्व आर्द्रभूमि दिवस का थीम आर्द्रभूमि एवं मानव कल्याण निर्धारित है. आर्द्रभूमि का मतलब किसी भी वैसे क्षेत्र से हैं जहां स्थाई, अस्थाई अथवा मौसमी रूप से जल जमाव रहता है. मौके पर उन्होंने आर्द्रभूमि चिन्हित होने पर संबंधित जल स्रोत के संरक्षण एवं विकास की दिशा में किए जाने वाले कार्यों की भी जानकारी दी. परिचर्चा के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने

बोले पदाधिकारी

- वन प्रमंडल पदाधिकारी ने बताए परिचर्चा के उद्देश्य
- इसका थीम है आर्द्रभूमि एवं मानव कल्याण निर्धारित है

सभी को विश्व आर्द्र भूमि दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. मौके पर उनके द्वारा किसी जल स्रोत को आर्द्रभूमि के रूप में चिन्हित करने के उपरांत संबंधित स्रोत के संरक्षण एवं उसके विकास की दिशा में किए जाने वाले कार्यों की भी जानकारी सभी को दी गई. इस दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी ने सभी को जानकारी देते हुए बताया कि रामगढ़ जिले में भी एक आद्रभूमि को नोटिफाई करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है जो कि गिद्दी ए कोलियरी क्षेत्र में मीनिंग कोलपीट है. मौके पर उन्होंने सभी से आर्द्र भूमि के महत्व को समझते हुए उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक कर विभिन्न माध्यमों से इन कार्यों में अपना योगदान देने की अपील की. परिचर्चा के दौरान जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से आए मीडिया प्रतिनिधियों व जल सहियाओं ने कई सुझाव दिए.

इस प्रोजेक्ट से सरकार को हर साल मिलेगा 600 करोड़ रुपये का राजस्व

ग्रामसभा में प्रोजेक्ट को लेकर ग्रामीणों में मतभेद

संवाददाता । बड़कागांव (हजारीबाग)

अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित गोंदलपुरा कोल खनन परियोजना के लिए शुक्रवार को हजारीबाग जिला प्रशासन ने महुगाई कला पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया. इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सेंटर फॉर एडवांसिंग एंड लॉन्चिंग एंटरप्राइजेज (क्रेडल) के सलाहकारों ने परियोजना के भू-अर्जन के कारण होने वाले संभावित विस्थापन और परिवारों के लिए बनी पुनर्वास योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

खान विभाग के अधिकारियों ने कहा कि अदाणी इंटरप्राइजेज के गोंदलपुरा खनन परियोजना के शुरू होने से राज्य सरकार को करीब 600 करोड़ रुपये का राजस्व हर साल मिलेगा. इसके अलावा हजारीबाग जिले में पांच से दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे. यहां कोयला खनन शुरू होने से अवैध कोयले की तस्करी पर भी लगाम लगेगी. इस बातों का कुछ ग्रामीणों ने समर्थन किया तो कुछ ने इसका विरोध शुरू कर दिया. कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.

कुछ ने किया विरोध तो कुछ ने समर्थन : ग्राम सभा के दौरान भारी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद थे, जिनमें से ज्यादातर ग्रामीण महिला-पुरुष ने विरोध में नारेबाजी की. वहीं कुछ लोगों के द्वारा परियोजना के समर्थन में नारे भी लगाए गए.

मौके पर दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे, अंचल अधिकारी बालेश्वर राम, सीआई अनुज कुमार, राजस्व कर्मी आशीष कुमार, जितेंद्र कुमार और थाना प्रभारी विनोद तिर्की, अभय कुमार आदि मौजूद थे. सभी ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, मगर नाराज ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुये.

दी जानकारी

- अधिकतर ग्रामीण परियोजना के पक्ष में बोल रहे थे
- यहां पर अवैध कोयले की तस्करी पल लगाम लगेगी
- लोगों को प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा काफी रोजगार

कंपनी समर्थक और ग्रामीण उलझे

इसी बीच कुछ ग्रामीणों ने कोल खनन परियोजना गोंदलपुरा आवंटन रद्द करो और 2 फरवरी 2024 को महुगाई कला पंचायत भवन में होने वाले लोक सुनवाई रद्द करो के नारे लगाने लगे. इसी बीच कंपनी के समर्थकों और ग्रामीणों के बीच मारपीट हो गई. इसमें कंपनी के समर्थक प्रभादेवी पति अनिल महतो, कुंती देवी पति नेत्र लाल भैया, रेणु देवी पति मिथिलेश महतो और अनिल महतो पिता सुरेश महतो गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया गया. इस संबंध में कंपनी की ओर से मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है.

रेलवे ट्रैक पर मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

रामगढ़ । रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी स्थित रेलवे ट्रैक के समीप पुलिस ने एक अज्ञात शव को बरामद किया है. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेज दिया है. बताया जाता है कि शुक्रवार को अहले सुबह कुछ ग्रामीणों की नजर रेलवे ट्रैक के समीप एक गड्ढे में पड़े शव पर पड़ी. इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना रजरप्पा पुलिस को दी. सूचना पाकर थाना के अवर निरीक्षक संजय नायक सदलबल घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से पूछताछ की. साथ ही शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इस दौरान अज्ञात शव को देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई. समाचार भेजे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पा रही थी. पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है.

दिव्यांगजनों को मिली बैटरी ऑपरेटेड साइकिल

हजारीबाग । उपायुक्त नैंसी सहाय ने डीएमएफटी मद से 10 दिव्यांगजनों को बैटरी ऑपरेटेड ट्राई साइकिल का वितरण किया. इस दौरान उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित मौजूद थीं. समाहरणालय भवन परिसर में शुक्रवार को आयोजित वितरण कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा चयनित तथा उपायुक्त के जनता दरबार में आए आवेदनों पर विचारोपरांत लाभुकों को बैटरी द्वारा संचालित ट्राई साइकिल का वितरण किया. इस दौरान उपायुक्त ने लाभुकों से बात भी की तथा अन्य दिव्यांग जो इस श्रेणी में आते हैं, उन्हें भी बैटरी संचालित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने की बात कही. उपस्थित लाभुकों ने डीसी की संवेदनशीलता पर धन्यवाद दिया. इस कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो मौजूद थीं.

बिजली कटौती से किसान हैं काफी परेशान

इचाक में सिंचाई नहीं होने से फसल को हो रहा नुकसान

संवाददाता । इचाक

कृषि आधारित बाहुल्य प्रखंड इचाक में इन दिनों बिजली कटौती से किसानों को भारी क्षति हो रही है. प्रखंड के 19 पंचायत में करीब डेढ़ लाख आबादी है. जहां 80 प्रतिशत लोग अपना खेती बारी कर गुजर बसर करते हैं. पानी पटवन को लेकर सरकार द्वारा नदी, तलाव और कुआं के किनारे बिजली व्यवस्था कराया गया है. लेकिन स्थानीय बिजली पदाधिकारी और कर्मियों की लापरवाही के कारण अनियमित बिजली आपूर्ति से किसानों के खेत में लगे गेहूं, सरसों, चना एवं अन्य फसल सूख रहे हैं.

यहां के किसान गेहूं, आलू, सरसों और चना की खेती कर अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई एवं परिजनों का भरण पोषण करने का काम करते हैं. इचाक प्रखंड के किसानों द्वारा उपजाया गया आलू, गेहूं और चना देश के कई राज्यों में जाता है. समय से बिजली नहीं रहने के कारण एक दिन

का कार्य सप्ताह भर लग जाता है. इसके कारण किसान अन्य कार्य भी नहीं कर पाते हैं. किसान कामेश्वर प्रसाद मेहता, बीरबल मेहता, हिरामन मेहता, बंगाली मेहता, वीरेंद्र प्रसाद मेहता, अरविंद प्रसाद मेहता, संतोष प्रसाद मेहता, अजित प्रसाद मेहता समेत अन्य किसानों ने कहा कि सैकड़ों एकड़ भूमि पर लगा गेहूं व सरसों का फसल बिजली नहीं रहने के कारण सूख रहे हैं. ना तो बिजली दिन में सही से मिल पाती है और ना ही रात में. एसडीओ केडी प्रजापति ने कहा कि क्षमता से ज्यादा मोटर लगने के कारण लोड नही ले पा रहा है.

चंपई के सीएम बनने से कार्यकर्ता खुश

संवाददाता । चरही (हजारीबाग)

चुरचू प्रखंड के कासियाडीह, कर्माबेडा, फुसरी,चरही, चुरचु, बाली, बिनकरवा आंगो, इंद्रा, जरबा, हेंदेगढ़ा सहित चुरचू प्रखंड में समाजसेवी आनंद सोरेन, झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हांसदा, चरही के पूर्व मुखिया महादेव सोरेन के नेतृत्व में चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री बनने पर कार्यकर्ताओं के बीच मिठाईयां बांटी.

वहीं झामुमो नेता नीलकंठ महतो के नेतृत्व में चरही चौक में कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ रैली निकाली गई. झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को ईडी के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के विरोध में जमकर कर केंद्र सरकार के विरोध में नारे लगाये गए. मौके पर संयोजक महालाल हांसदा ने कहा कि राज्य का विकास झामुमों से ही संभव है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के चहुंमुखी विकास कार्य देख विपक्षी दलों में घबराहट है. लगातार केंद्र सरकार के द्वारा केंद्रीय एजेंसी के द्वारा वर्तमान झारखंड सरकार को परेशान करने की कोशिश कर रही है. मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा शिबू सोरेन जिंदाबाद, हेमंत सोरेन मत घबराना तेरे पीछे सारा जमाना, चंपई सोरेन जिंदाबाद, केंद्र सरकार होश में आओ ...का नारा लगाए. इस अवसर पर समाजसेवी आनंद सोरेन, झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हांसदा, चरही मुखिया संझली मुर्मू, पूर्व मुखिया महादेव सोरेन, चुनुलाल हांसदा, बिशुन मुर्मू, प्रकाश टुडु, रूबी हेम्म्ब्रोम, लाजरुष सोरेन, सितामुनि मुर्मू, प्रकाश टुडु, दिलीप टुडु, संजय सोरेन, द्रविड़ सोरेन, अनूप तिग्गा, ताहाराम हेम्ब्रोम, ब्रजेश सोरेन, राजू, समिर, सूरज, अजित, अतीत, आशीष, दिलीप सोरेन, पिंकी बेसरा, प्रवीण और सुखराम सहित अन्य शामिल थे.

बांटी मिठाई

- चरही में समर्थकों ने चौक से निकाली बड़ी रैली
- हेमंत को गिरफ्तार किये जाने का किया विरोध

उत्साह एचके पाठक वर्ष 1982 में बीएसएफ में बतौर सीमा प्रहरी भर्ती हुए थे

डिप्टी कमांडेंट पद से रिटायर अधिकारी शुरू करेंगे अकादमी

संवाददाता । दारू (हजारीबाग)

एचके पाठक डिप्टी कमांडेंट वर्ष 1982 में बीएसएफ में बतौर सीमा प्रहरी भर्ती हुए और 31 जनवरी, 2024 को सेवानिवृत्त हुए. बता दें कि हजारीबाग के मूल निवासी एचके पाठक ने एनएसजी (ब्लैक कैट कमांडो), भारत-पाकिस्तान सीमा, भारत-बांग्लादेश बॉर्डर, कंबोडिया में संयुक्त राष्ट्र पुलिस निरीक्षण, पंजाब, जम्मू और कश्मीर में उग्रवाद विरोधी अभियानों में अपनी सेवाएं दी हैं.

इसके अलावा उन्होंने 1997 से लेकर 2000 तक बीएसएफ मेरु कैंप हजारीबाग एवं वर्ष 2006 से 2009 तक उत्तर बंगाल सहायक प्रशिक्षण

केंद्र में प्रशिक्षक के रूप में भी काम किया है. अपने सेवा काल में उन्होंने मुंबई एयर पोर्ट सुरक्षा अधिकारी के पद पर भी अपनी सेवाएं प्रदान की. वे 41 वर्ष सात महीने के लम्बे समय तक राष्ट्र को अपनी सेवाएं देने के पश्चात् डिप्टी कमांडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए. सीमा सुरक्षा बल की गरिमामयी परम्परा के अनुसार महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय एवं उपस्थित सभी अधिकारीयों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उन्हे विदाई दी.

उनके सम्मान में परिसर स्थित अधिकारी मेस में रात्रि भोज का आयोजन किया गया. जहां कमलजीत सिंह बन्याल, महानिरीक्षक ने उन्हे समृति चिन्ह प्रदान किया. बताया जाता है कि राष्ट्र और उसकी क्षेत्रीय सीमाओं की रक्षा के लिए वर्दी में 41 वर्ष सात महीने की सेवा देने के पश्चात् पाठक, सेवानिवृत्ति के बाद झारखंड के युवाओं को सीएपीएफ, सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं. इसके लिए वह हजारीबाग दक्षिण में, हजारीबाग गांधी मैदान में एक निजी प्री-रिक्रूटमेंट सीएपीएफ अकादमी शुरू करेंगे, जो हजारीबाग के आकांक्षी युवाओं को एक समग्र मंच प्रदान करेगी, ऐसी उनकी योजना है. सीएपीएफ, सेना, एयर फोर्स, नौसेना और व्यक्तित्व विकास की तैयारी के लिए यह एक अच्छी पृष्ठभूमि है. इतने व्यापक अनुभव वाला कोई व्यक्ति एक ऐसी व्यवस्था प्रदान कर रहा है जहां हजारीबाग के युवा और प्रेरित लोग शामिल हो सकते हैं एवं राष्ट्र सेवा का हिस्सा बन सकते हैं जो उनके जीवन को इस तरह से आकार देगा जो उन्हें गरिमा और सम्मान प्रदान करेगा. यूं तो सीमा सुरक्षा बल का इस प्री-रिक्रूटमेंट सीएपीएफ अकादमी से कोई संबंध नहीं है और ना ही सीमा सुरक्षा बल इस कार्य में कोई भी निगरानी आदि करेगा. वहीं भर्ती संबंधी संपूर्ण जानकारी एवं उनके अनुभव से इच्छुक युवाओं को उनसे भरपूर सहायता मिलेगी.

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

विधायक ने किया सड़क योजनाओं का शिलान्यास

बरकट्ठा । विधायक अमित कुमार यादव ने नारियल फोड़कर बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में सड़क योजनाओं का शिलान्यास. जिसमें आरईओ रोड सलैया से पीएमजीएसवाई रोड महुआ टांड़ बरकट्ठा तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य, आरईओ रोड जमुआ से बुचाई, बरकट्ठा तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य और आरईओ रोड गैयपहाड़ी से झिंगीबराय होते हुए आरईओ रोड डापोक सिमाना तक कालीकरण किया जाएगा. विधायक अमित के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया और इस सड़क निर्माण कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया. मौके पर विधायक ने कहा कि इस सड़क की मरम्मत हो जाने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी. लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था. इस सड़क की मांग क्षेत्र के लोग लंबे समय से करते आ रहे थे. इस मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख रेणु देवी मौजूद थीं.

दिव्यांग युवक से एक लाख चार हजार की ठगी

रामगढ़ । रजरप्पा थाना अंतर्गत सुकरीगढ़ा बम्हनीडीह निवासी दिव्यांग युवक पंचम कुमार वर्मा पिता रामहीत साव के साथ गांव के एक व्यक्ति द्वारा एक लाख चार हजार 500 रुपये की ठगी कर ली गई है. इस बाबत उन्होंने रजरप्पा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया है. थाना में दिए आवेदन के अनुसार उनका कहना है कि वह एक निशक्त युवक है. और वह घर-घर जाकर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करता है. सुकरीगढ़ा (बम्हनीडीह) निवासी अरुण कुमार पिता केदार साव के घर में भी ट्यूशन पढ़ाया करता था. वर्ष 2019 फरवरी माह में केदार साव की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी. मैं स्कूल और शिक्षण कार्य करके अपने भविष्य निधि के लिए कुछ पैसे जमा किये थे. पर मेरा अकेलापन में साथ देने का झांसा देकर अरुण ने मुझे बहला फुसलाकर हमसे कुल एक लाख चार हजार पांच सौ रुपये व्यापार करने के बहाने ले लिया. तब से आज तक मुझे आज देंगे-कल देंगे कहकर टालने लगा. बाद में उसने मुझे एक झूठा बैंक चेक, जिसकी संख्या 348408, राशि दो लाख रुपये यूबीआई लारीकलां के नाम पर काटकर दे दिया.

वन विभाग ने पटरा लदा टाटा मैजिक किया जब्त

चौपारण (हजारीबाग) । वन विभाग ने चौपारण प्रखंड के सोहरा जंगल से जंगली चिरान पटरा का परिवहन करते हुए बिना नंबर के टाटा मैजिक और एक बाइक को जब्त किया. इस संबंध मे जानकारी देते हुए वनरक्षी पंकज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक टाटा मैजिक में लकड़ी चिरान कर ले जाया जा रहा है. सूचना के आधार पर टीम गठित कर रात्रि गश्ती में निकले तो देखा कि टाटा मैजिक चिरान पटरा लोड कर आ रहा था. साथ ही एक बाइक सवार चल रहा था. दोनों गाड़ी को हाथ देकर रुकवाया लेकिन चालक ने गाड़ी खड़ी कर भाग गया, मौके से टाटा मैजिक गाड़ी और बाइक को वन विभाग ने जब्त कर लिया. गाड़ी और बाइक को वन विभाग का कार्यालय लाया गया, गश्ती दल मे प्रभारी वनपाल राहुल कुमार, वनरक्षी पंकज कुमार, अजीत कुमार गोंझू, राजकुमार गुप्ता, होमगार्ड उमेश कुमार, संतोष कुमार, दैनिक कर्मी राजा कुमार, पवन कुमार, सुखदेव यादव और अन्य कर्मी शामिल थे.

हजारीबाग नगर निगम में लगा मेगा ऋण शिविर

हजारीबाग । हजारीबाग नगर निगम के द्वारा स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सौजन्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में भी डिजिटल तथा सेल्फ एंप्लॉयमेंट प्रोग्राम के तहत ऋण आवेदक के संवितरण के लिए नगर निगम हजारीबाग में शिविर का आयोजन किया गया. लगभग 400 लोगों को ऋण संवितरण तथा क्यूआर कोड प्रदान किया गया. दीनदयाल अंत्योदय योजना के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तत्वावधान में हजारीबाग नगर निगम स्थित सभागार में शुक्रवार को स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सौजन्य से मेगा ऋण शिविर का आयोजन किया गया. इस मेघा ऋण शिविर में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, सेल्फ एंप्लॉयमेंट प्रोग्राम तथा स्वयं सहायता समूह, बैंक लिंकेज के तहत आवेदन, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के विभिन्न ब्रांचों से संबंधित लाभुकों के लिए मेगा ऋण शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें लगभग 400 लाभुकों को नगर आयुक्त सह प्रशासक की अध्यक्षता में तथा एसबीआई के संयुक्त तत्वावधान में आवेदकों को सैंक्शन लेटर दिया गया.

टाटीझरिया में एमओ को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

टाटीझरिया (हजारीबाग) । प्रखंड सभागार में एमओ आलोक कुमार के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज, बीस सूत्री अध्यक्ष रवि सिंह, मुखिया सुरेश यादव, योधी प्रसाद यादव, प्रखंड सह अंचल कर्मी एवं क्षेत्र के डीलरों ने अंगवस्त्र एवं बुके आदि देकर सम्मानित किया. सभी ने एमओ के कार्यकाल की सराहना की. एमओ आलोक कुमार ने कहा कि टाटीझरिया प्रखंड के लोगों ने जो प्यार और सम्मान दिया है वह कभी नहीं भूलेंगे. डीलर संघ के अध्यक्ष मथुरा साव ने कहा कि एमओ एक अच्छे पदाधिकारी ही नहीं एक अच्छे व्यक्तित्व के इंसान भी थे. उन्होंने हमेशा डीलरों को अपने कार्य के प्रति जागरूक किया. समारोह में अरूण कुमार सिंह, अशोक गुप्ता, जगदेव प्रसाद, काशीनाथ चौधरी, सीताराम प्रसाद, विजय प्रसाद मेहता, अरूण राम, नागेश्वर राम, भुनेश्वर राम, सुरेंद्र सिंह, नारायण राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

खड़ी बोरिंग गाड़ी से लाखों के सामान की चोरी

हजारीबाग । हजारीबाग संत कोलंबा कॉलेज के सामने स्टेडियम मार्केट के दुकान नंबर चार के पास खड़ी बोरिंग गाड़ी संख्या जेएच 02 बीडी 9801 से गुरुवार की रात 3.50 लाख के सामानों की चोरी हो गई. इस संबंध में बोरिंग गाड़ी का मालिक सरदार रोड हजारीबाग निवासी परवेज अहमद ने सदर थाने में आवेदन दिया है. जिसमें बोरिंग गाड़ी का केयरटेकर छत्तीसगढ़ का रहने वाला धनकिशन श्रीधर के ऊपर एक दूसरी बोरिंग गाड़ी का मैनेजर के साथ मिलकर सामानों की चोरी करने का आरोप लगाया है. आवेदन में कहा है कि उक्त दोनों में चोरी से संबंधित बातचीत का डिटेल भी इनके पास है. आवेदन में कहा है कि गाड़ी में रखे डेढ़ लाख कीमत का 31 ड्रिलिंग रॉड, 95 हजार कीमत का बोरिंग हैमर बीट व अन्य सामान, 15 हजार लागत का 24 बोर नट व अन्य कई सामान बोरिंग मशीन में उपयोग किये जाने वाले 50,000 का सामान चोरी कर लिया गया है.

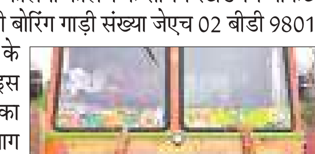

तीन वर्षों से जमे 11 पुलिस इंस्पेक्टर का तबादला

हजारीबाग । जिले के 11 पुलिस इंस्पेक्टर जो तीन वर्ष या इससे अधिक समयावधि से जिले में पदस्थापित रहे हैं, उनका तबादला कर दिया गया है. झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग में पदस्थापित पुलिस इंस्पेक्टर रानी मुकुट को बोकारो पुलिस बल, पुलिस इंस्पेक्टर मंजू कुमारी को जीपीए हजारीबाग से चतरा पुलिस बल, पुलिस इंस्पेक्टर वासुदेव साव को जेडपीटीसी पदमा से कोडरमा पुलिस बल, पुलिस इंस्पेक्टर ज्योति प्रकाश कुमार को जेएपीटीसी पदमा से पलामू पुलिस बल, पुलिस इंस्पेक्टर बंधन भगत को झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग से जमशेदपुर पुलिस बल, पुलिस इंस्पेक्टर उत्तम कुमार तिवारी को हजारीबाग पुलिस बल से जेडब्लूएस नेतरहाट, पुलिस इंस्पेक्टर श्यामचंद सिंह को हजारीबाग पुलिस बल से जीएपीटीसी पदमा, पुलिस इंस्पेक्टर जगलाल मुंडा हजारीबाग बल से जगुआर झारखंड, पुलिस इंस्पेक्टर अरविंद कुमार मांझी को हजारीबाग बल से स्पेशल ब्रांच, प्रदीप चौधरी को जेएपीटीसी पदमा से साहिबगंज पुलिस बल और पुलिस इंस्पेक्टर एडवर्ड टोप्पो को जेएपीटीसी पदमा से पलामू पुलिस बल में तबादला किया गया है.

▼ ब्रीफ खबरें

राहुल का काफिला आज पहुंचेगा गोड्डा

गोड्डा। भारत छोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में राहुल गांधी का काफिला शनिवार को गोड्डा की सीमा में प्रवेश करेगा. इसकी जानकारी देते हुए युवा कांग्रेस नेता कुंदन कुमार ठाकुर ने बताया कि राहुल गांधी शुक्रवार की देर शाम गोड्डा जिला की सीमा से लगने वाले पाकुड़ जिला के लिट्टीपाड़ा पहुचेंगे. रात्रि विश्राम पाकुड़ सीमा में करने के बाद सुबह गोड्डा जिला की सीमा से लगने वाली सुंदरपहाड़ी क्षेत्र में प्रवेश कर सुबह करीब नौ बजे सरकंडा चौक पर काफिला के पहुंचने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा.

उपविकास आयुक्त ने पदभार ग्रहण किया

साहिबगंज। उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया. उन्होंने कहा कि साहिबगंज जिला की अंतराष्ट्रीय छवि को और भी बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता होगी. उन्होंने कहा कि समाज की अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना मेरा उद्देश्य होगा. साहिबगंज जिला विकास के लिए जो सरकार ने मुझे दायित्व सौपा है, उस पर शतप्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करुंगा और जिले को विकास के रास्ते पर ले जाने का प्रयास करूंगा.

भाजपा के जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

गोड्डा। भाजपा की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जिला पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा को निवर्तमान अध्यक्ष राजीव मेहता ने सर्वप्रथम माला पहनाया गया. बाद में चादर ओढ़ाकर मिठाई खिलाई गई. पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प देकर स्वागत किया. अपने सम्मान से अभिभूत जिला अध्यक्ष मिश्रा ने सभी को धन्यवाद दिया.

झामुमो कार्यकर्ता दुमका रवाना हुए

पाकुड़। पाकुड़ से हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता शुक्रवार को दुमका के लिए रवाना हुए. ये कार्यकर्ता 45 वां झामुमो स्थापना दिवस में भाग लेंगे. बताया गया कि कार्यकर्ता पाकुड़ जिला अध्यक्ष श्याम यादव के नेतृत्व में दुमका गांधी मैदान के लिए रवाना हुए.श्याम यादव ने कहा कि इस बार झामुमो स्थापना दिवस ऐतिहासिक होगा. हजारों की संख्या में पाकुड़ से कार्यकर्ता जा रहे हैं.

चोरी के आरोप में दो युवकों को भेजा जेल

कथारा। बेरमो अनुमंडल के कथारा ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की अहले सुबह रेलवे कॉलोनी स्थित बंद पड़े सीपीपी प्लांट के समीप से चोरी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया. फिर तेनुघाट न्यायिक हिरासत में भेज दिया. मौके पर एक टन स्क्रैप लोहा जब्त किया गया है. थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि गोमिया खेतको निवासी 24 वर्षीय प्राथमिकी अभियुक्त मोहम्मद शाहिद रजा, 35 वर्षीय नूर हसन को विधिवत गिरफ्तार कर तेनुघाट जेल भेज दिया गया है. इस छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह के अलावा सहायक अवर निरीक्षक कृष्णानंद पाठक सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे.

क्या संतालपरगना में कोई आदिवासी नेता सीएम के योग्य नहीं था,जो कोल्हान से लाकर थोप दिया

जब भी देने की बात हुई संताल की उपेक्षा हुई : लोबिन

संवाददाता। गोड्डा

झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा है कि संताल परगना में सीएम बनने की योग्यता रखने वाले कोई आदिवासी नेता नहीं थे क्या, जो कोल्हान से लाकर थोप दिया गया. जबकि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संथाल परगना ही कार्यक्षेत्र रहा है. संताल परगना से ही उनकी पहचान बनी है और संथाल क्षेत्र से ही वह चुन कर एमपी, एमएलए बने हैं. चाहे वह शिबू सोरेन हो या उनके पुत्र निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हो, संताल परगना के आदिवासी भाई बहनों ने ही सोरेन परिवार को आगे बढ़ाया है. लेकिन जब भी कुछ देने की बात आती है तो यह सोरेन परिवार संथाल परगना को उपेक्षा कर देता है. लोबिन शुक्रवार को यहां मीडिया से बात करते हुए ये बातें कही.

कहा था कि बिहारी लोगों के चक्कर में नहीं फंसना

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि मैंने कई बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर कहा था कि इन बिहारी लोगों के चक्कर में नहीं फंसना है, मगर वह हमें ही कहते हैं कि उल्ट पुल्टा बायान देकर आप पार्टी की छवि को खराब करते हैं. विधायक लोबिन ने कहा कि एक पंकज मिश्रा तो जेल चला गया. बाकी तीन सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडे जैसे बचे हुए हैं. सीएम साहब जेल चले गए इसका हमें दुख है, अगर मेरी बात को समय रहते मान लेते तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता. बिहार से आकर मिथलेश ठाकुर यहां मंत्री बन गए और झारखंडी लोग बाहर ही रह गए.

सीएनटी, एसपीटी कानून का उड़ रहा है माखौल

लोबिन ने कहा कि सर्वप्रथम इन बाहरी लोगों से मुक्ति दिलानी होगी. तभी हमारे अलग राज्य का सपना साकार होगा. तभी हम आदिवासी गरीब का भलाई कर पाएंगे. आईएएस अधिकारियों ने जमीन घोटाले कर सीएनटी और एसपीटी कानून का माखौल उड़ा दिया. आईएएस अधिकारियों ने इस राज्य को जेबी संस्था बना लिया है. इसी का नतीजा है कि आज झारखंड पूरी तरह से बर्बाद हो रहा है. सरकार को वोट देने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जब वोटिंग का समय आएगा तब देखा जाएगा.

पानी टॉवर के निर्माण में भारी अनियमिता, जांच की मांग की

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

गोरहन सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा पेयजल की आपूर्ति के लिए बन रहे वॉटर टावर में अनियमितता बरते जाने का मामला प्रकाश में आया है. निर्माण स्थल पर कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है.ग्रामीणों ने इसके जांच की मांग की है. धनवार प्रखंड के पचखेरों डैम के आसपास के करीब 12 पंचायतों के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए वाटर सप्लाई प्लांट का निर्माण कराया जा रहा है. इसी के साथ सभी पंचायतों में वॉटर टावर का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिसमें भारी अनियमितता बरती जा रही है. आलम यह है कि संवेदक के द्वारा उक्त निर्माण कार्य में जंग लगे हुए छड का प्रयोगकिया जा रहा है. इसके अलावा अन्य अनियमितता बरती जा रही है. स्थल से यह साफ प्रदर्शित हो रहा है.

जिला शिक्षा अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों को दिए निर्देश

कदाचार मुक्त संपन्न कराएं मैट्रिक व इंटर परीक्षा : डीसी

संवाददाता। बोकारो

बोकारो स्थित न्याय सदन सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने शुक्रवार को जिले में आगामी 06 फरवरी से शुरू होने वाली मैट्रिक व इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर शिक्षा पदाधिकारी, सभी परीक्षा केंद्र अधीक्षकों, बीडीओ, सीओ सह पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, थाना प्रभारियों आदि के साथ बैठक की. बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी., अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया, चास एसडीओ ओम प्रकाश गुप्ता, बेरमो एसडीओ शैलेस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान आदि उपस्थित थे. बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान ने बताया कि जिले में मैट्रिक परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 23,961 है, जबकि, इंटर परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 21,595 है. जिले में मैट्रिक परीक्षा को लेकर कुल 63 केंद्र एवं इंटर परीक्षा के लिए 44 केंद्र बनाए गए हैं. प्रश्न पत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं को रखने के लिए संबंधित प्रखंड के राष्ट्रकृत बैंक एवं कोषागार को चिन्हित किया गया है.

सीसीटीवी की निगरानी हो: उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि जहां प्रश्न पत्र रहेगा, वहां किसी तरह की कोई कोताही नहीं हो. सभी जगह सीसीटीवी की निगरानी में प्रश्न एवं उत्तर पुस्तिका रहेंगे, इसे सुनिश्चत करें. परीक्षा केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं बिजली, पर्याप्त रौशनी, शौचालय, पेयजल आदि की व्यवस्था हो, ताकि परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो. परीक्षा केंद्रों में परीक्षा का संचालन सीसीटीवी की निगरानी में होगा. कहा कि केंद्राधीक्षक कैमरों की संख्या अनुरूप कमरों की सूची तैयार कर कंट्रोल रूम में उसे प्रदर्शित करेंगे, ताकि निगरानी कार्य में सहूलियत होगी. वहीं, प्रश्न पत्र ले जाने वाले दंडाधिकारी, पुलिस बल ससमय अपने प्रखंड के स्ट्रांग रूम से प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिका लेंगे और परीक्षा केंद्र में एक घंटे पहले पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे. साथ ही, परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिका को संबंधित कोषागार में जमा कराएंगे.

• बैठक में उपस्थित डीसी, एसपी व अन्य.

निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेने का निर्देश

उपायुक्त ने बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी को सभी परीक्षा केंद्रों का स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेने को कहा. जो कमी है उसे तुरंत ठीक करना सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने डीएसई को भी अपने स्तर से सभी बीईईओ, केंद्राधीक्षक को परीक्षा केंद्रों में व्यवस्था शतप्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा. उन्होंने केंद्राधीक्षकों को कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा को संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया. मौके पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने कहा कि मैट्रिक इंटर परीक्षा को लेकर भी संबंधित थाना प्रभारी अलर्ट मोड में रहेंगे. परीक्षा को बेहतर ढंग से संपन्न कराना हम सभी की जिम्मेवारी है. मौके पर चास एवं बेरमो अनुमंडल से संबंधित सभी केंद्राधीक्षक, बीडीओ, सीओ, जिला स्तरीय पदाधिकारी सह पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं कोषागार पदाधिकारी बेरमो, बोकारो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे.

20 दिवसीय निःशुल्क कंप्यूटर, सिलाई और बाइक रेपेयरिंग कोर्स

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

35 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल तिसरी के तत्वावधान में शुक्रवार को नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत 20 दिवसीय निःशुल्क बेसिक कम्प्यूटर, सिलाई और बाईक रिपेयरिंग कोर्स का शुभारम्भ किया गया.जिसमें दर्जनों युवक - युवती व महिलाओं ने भाग लिया. बताया गया कि 35 वीं वाहिनी एसएसबी दुमका के कमाडेंट मनोरंजन कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार इस कोर्स का शुभारम्भ किया गया है.जिसके तहत युवक - युवती व महिलाओं को बेसिक कम्प्यूटर, सिलाई व बाईक रिपेयरिंग के गुर सिखाये जाएंगे. मौके पर एसएसबी तिसरी के कमांडर मनोहर कुमार सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि एसएसबी के कार्य क्षेत्र में समय - समय पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, ताकि यहां के युवक - युवतियाँ इससे जुड़कर लाभ लें जिससे क्षेत्र के लोगों के समक्ष स्वरोजगार के साधन उपलब्ध होगें साथ ही पुलिस व पब्लिक के बीच समन्वय बना रहे. वहीं तिसरी के थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए एसएसबी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आजकल सरकारी नौकरी के अलावे निजी क्षेत्रों में खास कर स्वरोजगार में भी एक अच्छा भविष्य है. प्रशिक्षण कोर्स के माध्यम से लोग स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं.

अपराध के रास्ते पर न भटकने की अपील

थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने प्रशिक्षण लें रहे युवाओं से अपराध के रास्ते पर न भटकने की भी अपील की. उन्होंने कहा कि आज - कल कई युवा भटक कर अपराध के रास्ते पर चले जाते हैं, जिससे उनके साथ - साथ उनका पुरा परिवार परेशानी में पड़ जाता है.उन्होंने युवाओं को हिदायद देते हुए कहा कि गलत रास्ते पर भटकते हुए यदि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला दर्ज हो जाएगा तो सरकारी नौकरियों में उनकी नियुक्ति प्रभावित हो सकती है. लिहाजा सही रास्ते पर चलें पुलिस और एसएसबी सदैव उनके साथ हैं.

छात्र को नहीं मिला एडमिट कार्ड, हताश

गांडेय (गिरिडीह)। गांडेय प्लस टू उच्च विद्यालय में घोर लापरवाही का मामला प्रकाश में आया है. रवि यादव नमक छात्र का प्लस टू उच्च विद्यालय गांडेय में नामांकन है. उसने इंटर परीक्षा को लेकर रजिस्ट्रेशन करवाया था, जिसमें कुल राशि 1880 रुपए जमा किया गया था. जमा राशि को लेकर छात्र के पास पर्ची रसीद भी प्राप्त है. शुक्रवार को जब छात्र अपना एडमिट कार्ड लेने के लिए विद्यालय गया तो उसका एडमिट कार्ड नहीं मिला. जिस वजह से छात्र को हताश देखा गया.

चोरों ने मुकुट समेत कई कीमती सामग्री चुरा ली

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

निमियाघाट थाना क्षेत्र के इसरी बाजार के श्रीराधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी मंदिर के गर्भ गृह का ताला तोड़कर चोरों ने मुकुट समेत कई कीमती सामग्री चुरा ली.आज सुबह जैसे ही मंदिर के पुजारी तैयार होकर ठाकुर जी की पूजा करने के लिए गर्भ गृह की ओर बढ़े तो देखा कि ताला टूटा हुआ और वहीं गिरा है. देखा तो राधारानी मां के मुकुट, ठाकुर जी के मुकुट समेत कई सामग्री गायब थे . वहीं अन्य कई सामग्री बिखरी पड़ी थी . इसकी सूचना मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों व पुलिस को सूचना दी गई. मालूम हो कि इसरी बाजार का यह मुख्य प्रसिद्ध मंदिर श्री राधाकृष्ण ठाकुर बाड़ी यहां के पारसनाथ स्टेशन रोड पर अवस्थित है. मंदिर के पुजारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मंदिर भवन से लगे पनसोखा का निर्माण कराया जा रहा था.

जनसहभागिता से ही अभियान संभव : मुकेश

गिरिडीह। जिले के बिरनी प्रखंड के ग्राम पंचायत कपिलो के टोला पारडीह में प्रेरणा के अभाव में जल जमाव व सड़कों पर नाली के पानी का बहाव होने से राहगीरों को असुविधा हो रही थी. इसकी सूचना ग्रामीणों ने राष्ट्रीय अवार्डेड मुखिया मुकेश यादव को दी . सूचना के बाद कपिलो के मुखिया मुकेश यादव एवं स्थानीय वार्ड सदस्य प्रतिनिधि जाकिर हुसैन की पहल पर स्थानीय ग्रामीणों को बुलाकर बैठक की गई और घर-घर जाक उन्हें प्रेरित किया गया, इसके बाद सभी ने स्वेच्छा से दान स्वरूप राशि जमाकर इस गंदगी की समस्या से निजात पाने का समाधान निकाला.सहयोग करने अपने टोले मोहल्ले में स्वच्छता अभियान को हाथों हाथ लेने के लिए सभी को मुखिया मुकेश यादव ने आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद कहा है.

स्थापना दिवस पर एपवा का 12 फरवरी को राजभवन मार्च

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

पंचायत सचिवालय केंदुआ में एपवा की बैठक की गई, जिसकी अध्यक्षता ऐपवा की जिलाध्यक्ष सरिता साब ने की. बैठक में मुख्य रूप से 12 फरवरी को ऐपवा की स्थापना दिवस को लेकर विचार- विमर्श किया गया. सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव लिया गया कि 12 फरवरी को स्थापना दिवस के अवसर पर 500 की संख्या में रांची जाकर राजभवन का मार्च करेंगे. साथ ही एपवा की राज्य कमेटी सदस्य सह एपवा की जिला सचिव जयंती चौधरी ने कहा कि महिलाओं को रोजी, रोजगार, और धर्म के नाम पर भटकाया जा रहा है. आज पूरे देश में बेरोजगारी सिर चढ़कर बोल रही है. अभी झारखंड में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जैसे देश में संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया हो. महिलाओं को लोन के नाम पर कर्ज देकर उनका शोषण किया जा रहा है.

महिलाओं की स्थिति ठीक नहीं: जिला सचिव जयंती चौधरी ने कहा कि झारखंड सहित पूरे देश में आधी आबादी महिलाओं की है, फिर भी महिलाओं की स्थिति बहुत ही खराब होते जा रही है. आसमान छूती महंगाई, शिक्षा, चिकित्सा. निजीकरण से ग्रामीण एवं गरीब लड़कियां उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पा रही है. राज्य सरकार भी 4 साल में किसी भी पद के लिए स्थाई बहाली नहीं कर सकी और न ही झारखंड में महिला आयोग का गठन कर पाई. महिलाओं का शोषण दमन बढ़ता जा रहा है.

राहुल की न्याय यात्रा का होगा जोरदार स्वागत

बेरमो। आईइएल रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को गोमिया प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष पंकज पांडेय की अध्यक्षता में एक बैठक हुई. इस बैठक में मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव इसराफिल अंसारी, बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव रामकिशुन रविदास उपस्थित थे. बैठक में बताया गया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत चार फरवरी को कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी पेटरवार होकर रांची के लिए प्रस्थान करेंगे. इस दौरान पेटरवार में गोमिया प्रखंड के पांच सौ कार्यकर्ता मोटरसाइकिल से भाग लेंगे. कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्री गांधी का स्वागत करेंगे. इसी की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. पांडेय ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पेटरवार होकर गुजरना ऐतिहासिक घटना है. हर कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक दिन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है.

रामनवमी सेवा समिति व सेंट्रल कॉलोनी मकोली वासियों ने लिया भाग

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

संवाददाता। बेरमो

फुसरो के सेन्ट्रल कॉलोनी मकोली में श्री रामदूत हनुमत प्राण प्रतिष्ठा सह सात दिवसीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई. रामनवमी सेवा समिति एवं समस्त सेन्ट्रल कॉलोनी मकोली वासी गाजे- बाजे के साथ शोभायात्रा में भाग लिया. सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु माथे पर कलश लेकर जलयात्रा में शामिल हुए.

कलश शोभायात्रा सेन्ट्रल कॉलोनी मकोली से शारदा कॉलोनी होते हुए ढोरी खास स्थित दामोदर नदी तट पर पहुंची, जहां काशी वाराणशी से आये पंडित आचार्य दिनेशा शुक्ल ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान समिति के उपसचिव गणेश यादव व उनकी पत्नी आंती देवी को पूजन करा कलश में श्रद्धालुओं को जल धारण कराया.

इसके पश्चात कलश शोभा यात्रा पुनः महायज्ञ स्थल सेंट्रल कॉलोनी मकोली पहुंची. शोभायात्रा में गाजे-बाजे सहित झांकी में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, सीता व हनुमान भी आकर्षक रहा. इस दौरान जय हनुमान, जय श्री राम के नारों से क्षेत्र गुंजयमान हो गया. कलश यात्रा में शामिल भक्त काफी उत्साहित दिखे.

महाप्रसाद का वितरण होगा

बताया गया कि महायज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई है. आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष शम्भु कुमार झा, उपाध्यक्ष मदन श्रीवास्तव सचिव सुनिल सिंह, उपसचिव गणेश यादव, कोषाध्यक्ष रविशंकर ठाकुर शामिल थे.

डीपीएस बोकारो | फूलों की कलाकृति के बीच गमलों में उन्नत वानिकी ने सबको मोहा

'फुलवारी' के जरिए विद्यार्थियों ने दिखाया प्रकृति-प्रेम

संवाददाता। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में शुक्रवार को 'फुलवारी' नामक पुष्प-वनस्पति प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विद्यालय की सीनियर व प्राइमरी इकाई में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपने प्रकृति-प्रेम का परिचय दिया. रंग-बिरंगे गमलों में सुंदर साज-सज्जा के साथ उन्होंने अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए. भांति-भांति के फूल, मौसमी फल, औषधीय व सजावटी पौधे, बोनसाई व सब्जी सहित विभिन्न कैटेगरी में बच्चों ने 2000 से अधिक वानस्पतिक प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई. इसके जरिए उन्होंने गमलों में उन्नत वानिकी-कला का प्रदर्शन करते हुए प्रकृति व धरा के संरक्षण का संदेश दिया.

• 2000 से अधिक वानस्पतिक प्रजातियों की लगाई गई प्रदर्शनी

बच्चों को संवेदनशील बनाना है

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि फुलवारी का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति की रक्षा, उसके पोषण और पर्यावरण-संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है. उनका मिट्टी से जुड़ाव आवश्यक है. इसी ध्येय से विद्यालय हर साल यह आयोजन करता है. इस दौरान मुख्य अतिथि व प्राचार्य ने पौधरोपण भी किया. उल्लेखनीय है कि 'फुलवारी' में बच्चे व उनके अभिभावक जिन पौधों को गोद लेते हैं, उनकी बेहतर तरीके से देखभाल करते हैं. उन पौधों की प्रदर्शनी लगाई जाती है और उनमें उत्कृष्टता के आधार पर कुछ को पुरस्कृत भी किया जाता है.

विद्यार्थियों ने अपनी भावनाएं प्रकट कीं: विद्यार्थियों ने इनसे संबंधित अपनी भावनाएं भी लिखकर प्रकट कीं. इस वनस्पतीय विविधता के बीच वसुधैव कुटुम्बकम की थीम पर पृथ्वी की अनुकृति, फूलों की रंगोली, जागरुकतापरक नारे आदि कार्यक्रम की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे. विद्यालय के 'गो ग्रीन इनिशिएटिव' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र में पर्यावरण, जलवायु एवं सस्टेनेबिलिटी (ईसीएस) विभाग के महाप्रबंधक एन पी श्रीवास्तव ने किया. उन्होंने बारी-बारी से हरेक कैटेगरी में लगाए गए प्रदर्शों का अवलोकन किया और डीपीएस बोकारो द्वारा उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ बच्चों को प्रकृति से जोड़े रखने के इस प्रयास की सराहना की. उन्होंने कहा कि प्रकृति रंगों से भरी है. इसका दिया कुछ भी व्यर्थ नहीं, सब अनमोल हैं.

बच्चों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़े : उपायुक्त

साहिबगंज। शिक्षा विभाग द्वारा टाउन हॉल परिसर स्थित साहिबगंज पुस्तकालय में जिला स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया. पुस्तक मेले में उपायुक्त राम निवास यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यक्रम का शुभारंभ किया.पुस्तक मेला में देश के विभिन्न जगहों से आए हुए प्रकाशकों ने अपना स्टॉल लगाये. उपायुक्त राम निवास यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इस पुस्तक मेले को आयोजित करने का उद्देश्य यह है कि नागरिकों को पुस्तकों से अवगत कराया जाए साथ ही बच्चों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़े. उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए यह मेला काफी महत्व रखता है.

भाजपा की बैठक में गांव चलो अभियान पर की चर्चा

संवाददाता। बेरमो

गोमिया मंडल भाजपा की बैठक शुक्रवार को बैंक मोड़ स्थित एक लॉज में मंडल महामंत्री दीपक ठाकुर की अध्यक्षता में हुई. इस बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष एवं गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के सह संयोजक डॉ. सुरेंद्र राज उपस्थित थे. बैठक में भाजपा के केंद्रीय कमेटी द्वारा घोषित कार्यक्रम गांव चलो अभियान के क्रियान्वयन के लिए चर्चा की गई. कहा गया कि गांव चलो अभियान की शुरुआत 4 फरवरी को खम्हरा पंचायत से किया जाएगा. वहीं 5 फरवरी को ससबेड़ा पूर्वी एवं पश्चिमी पंचायत, 8 फरवरी को पलिहारी गुरुडीह पंचायत, 9 फरवरी को गोमिया पंचायत एवं 10 फरवरी को सियारी पंचायत में कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा की नीतियों एवं सिद्धांतों से ग्रामीणों को रूबरू कराया जाएगा. इस अभियान को सफल बनाने के लिए इन पंचायतों में एक संयोजक एवं दो सह संयोजक बनाए गए हैं. मौके पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला मंत्री दरबारी मांझी, भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष गंदौरी राम एवं मोहन कुमार, अजय तिवारी, रोहित यादव, विजय जायसवाल उपस्थित थे.

चंपई सोरेन को ताज

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन झारखंड आंदोलन की उस विरासत के प्रतिनिधि हैं, जिन्हें शिबू सोरेन ने दशकों के संघर्ष से निर्मित किया है. यह विरासत मुख्यतः झारखंडी संस्कृति, चेतना और सहकार की बुनियाद पर खड़ी है. यह एक ऐसी विरासत है, जिसने झारखंड में 'होड़ मितान' की परंपरा को विकसित किया है. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी विरासत के आधार पर झारखंड का अब तक नेतृत्व किया. चंपई सारेन को इसी मार्ग पर चल कर गठबंधन को कामयाबी दिलानी होगी. अगले दस दिनों में उन्हें बहुमत साबित करने का निर्देश राज्यपाल ने दिया है. वर्तमान आंकड़ों के हिसाब से इस समय इसमें उन्हें दिक्कत नहीं आनी चाहिए. उनके साथ कांग्रेस के आलमगीर आलम और राजद के सत्यानंद भोक्ता को मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी. बहुमत साबित करने के बाद ही मंत्री परिषद का विस्तार होने की संभावना है, लेकिन देश में जिस तरह विपक्षी दलों को अपनी एकजुटता बनाए रखने के लिए जूझना पड़ रहा है, ऐसे में चंपई के सोरेन को राजनीतिक तौर पर भी स्वयं को प्रमाणित करना होगा.

> हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने स्थायित्व के साथ विकास की पटकथा भी तैयार की. खास कर झारखंड के ग्रामीण इलाकों और कमजोर तबकों के लिए अवसर पैदा करने का दावा पूर्ववर्ती सरकार करती रही है.

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने स्थायित्व के साथ विकास की पटकथा भी तैयार की. खास कर झारखंड के ग्रामीण इलाकों और कमजोर तबकों के लिए अवसर पैदा करने का दावा पूर्ववर्ती सरकार करती रही है. अब जब कि उन्हें मुख्यमंत्री का दायित्व मिला है, उनके समक्ष अनेक चुनौतियां हैं. इनमें सबसे बडी चुनौती तो गठबंधन की एकता को मजबूती प्रदान करना है और इसके साथ ही लोकसभा के चुनाव में गठबंधन की कामयाबी के लिए राह बनाना भी है. एक ऐसे समय में उन्हें गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, जब हेमंत सोरेन जेल में हैं. चंपई सोरेन के पास राजनीतिक अनुभव है और इसके साथ ही संघर्ष की क्षमता भी. इसी कारण से उन्हें टाईगर के नाम से भी पुकारा जाता है, लेकिन अब उन्हें राजनीतिक दावपेंच के साथ विपक्षी दल के हमलों का भी सामना करना होगा तथा उन्हें विकास की एक नई राह भी बनानी होगी. एक पारदर्शी और जनसुलभ सरकार मुहैया कराने की चुनौती अपने आप में महत्वपूर्ण है. गैर भाजपा राज्य सरकारों को देश भर में अनके समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. झारखंड भी उसमें अपवाद नहीं है. ऐसे में एक बेहतर शासन के लिए राजनीतिक अनुभव का उपयोग करते हुए सामाजिक एकता को बनाए रखने की भी जरूरत होती है. चंपई सोरेन कोल्हान से आते हैं. कोल्हान पहले से ही झारखंड मुक्ति मोर्चा का गढ़ बन कर उभरा है. झारखंड आंदोलन के समय भी कोल्हान की अहम भूमिका रही है. इसलिए चंपई सोरेन को उन अधूरे कार्यो को पूरा करने की भी चुनौती है, जो झारखंड के आंदोलनकारी उठाते रहे हैं. मंत्रिमंडल के विस्तार के समय नए चेहरों को अवसर मिलेगा या नहीं, यह तो गठबंधन के दलों के नेताओं को ही तय करना है. उहापोह की स्थिति खत्म हो गयी है. नवगठित सरकार को अब आगे बढ़ने की जरूरत है.

सुभाषित

अग्निशेषमृणशेषं शत्रुशेषं तथैव च।
पुनः पुनः प्रवर्धेत तस्माच्शेषं न कारयेत्॥

यदि कोई आग, ऋण, या शत्रु अल्प मात्रा अथवा न्यूनतम सीमा तक भी अस्तित्व में बचा रहेगा तो बार बार बढ़ेगा. अतः इन्हें थोड़ा सा भी बचा नही रहने देना चाहिए. इन तीनों को सम्पूर्ण रूप से समाप्त ही कर डालना चाहिए.

हेमंत गिरफ्तार, चंपई सरकार

हेमंत के इस्तीफे के साथ-साथ 'इंडिया' दलों ने चंपई सोरेन के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा राजभवन में पेश कर दिया था और वे विधायकों की परेड कराने को भी तत्पर थे. खबर यह भी आई कि राज्यपाल अपना शासन यानी राष्ट्रपति शासन लगवाने की सिफारिश कर चुके थे] लेकिन दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिली. तब पहली फरवरी की देर रात उन्होंने चंपई सोरेन और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को तलब कर सरकार बनाने का न्योता दिया.

• देश-काल

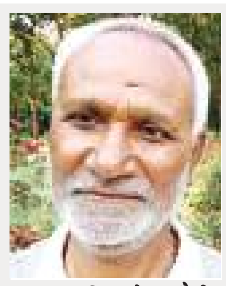

श्याम किशोर चौबे

झारखंड के इतिहास में एक अनोखी बात दर्ज हो गई. 38 घंटे से अधिक समय तक बिना सरकार के रहने के बाद 2 फरवरी को 67 वर्षीय झामुमो नेता चंपई सोरेन इसे 12वीं सरकार के बतौर मिले. 31 जनवरी की देर शाम तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफा और ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद यह राज्य सरकार विहीन हो गया था. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अनिर्णय के कारण इतने वक्त तक यह राज्य सरकार के बिना ही चला. हेमंत के इस्तीफे के साथ-साथ 'इंडिया' दलों ने चंपई सोरेन के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा राजभवन में पेश कर दिया था और वे विधायकों की परेड कराने को भी तत्पर थे. खबर यह भी आई कि राज्यपाल अपना शासन यानी राष्ट्रपति शासन लगवाने की सिफारिश कर चुके थे, लेकिन दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिली. तब पहली फरवरी की देर रात उन्होंने चंपई सोरेन और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को तलब कर सरकार बनाने का न्योता दिया. फिलहाल 81 सदस्यीय विधानसभा में अकेले इंडिया दलों के 48 विधायक होने के बावजूद राज्यपाल ने नई सरकार के तत्काल गठन में दिलचस्पी क्यों नहीं ली, यह सवाल राज्य का इतिहास पूछता रहेगा.

ज्यादा दिन नहीं हुए, झारखंड के मातृ प्रदेश बिहार में 28 जनवरी को दिल बदलकर विरोधी दल भाजपा के साथ गए नीतीश कुमार को ही तीन घंटे के अंदर नई सरकार बनाने का सुअवसर वहां के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने दे दिया था. उनको नीतीश का ट्रैक रिकार्ड पता ही होगा. राजनीतिक तौर पर पलटू चाचा कहे जाने वाले नीतीश कपड़ों की तरह राजनीतिक संगी-साथी बदलते रहे हैं. इसी कारण पिछले 24 साल में नौ मर्तबा मुख्यमंत्री बनाये जाने का रिकार्ड उनके नाम दर्ज हो गया है. 2020 से जनवरी 2024 के बीच पाला बदल-बदलकर वे तीसरी मर्तबा मुख्यमंत्री बने. लोग यह भी नहीं भूले होंगे कि महाराष्ट्र के तत्कालीन गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने आनन-फानन में 23 नवंबर 2019 की अल-सुबह भाजपा के देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी के अजित पवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की शपथ दिलाई थी, जबकि वे दो दिन भी न टिक सके. सचमुच राजनीति नंबर गेम है.

इंडिया गठबंधन दलों के नेता हालांकि पहली फरवरी की शाम भी राज्यपाल से मिले थे, लेकिन कोई सकारात्मक संकेत न मिलने के कारण हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका से अपने विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट कराने की उन्होंने जुगत भिड़ाई. धुंध के कारण उनका विमान टेक ऑफ न कर सका, इसलिए वे 2 फरवरी को हैदराबाद के लिए रवाना हुए.

अब चर्चा हेमंत सोरेन की. ईडी संग 447 दिनों तक चली शह-मात की चाल में 31 जनवरी की रात वे अपने सरकारी आवास में ही बंदी बना लिए गए थे. उनकी अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने दो फरवरी को डिसमिस कर दी. हाईकोर्ट जो करे. गिरफ्तारी के पूर्व उन्होंने भावपूर्ण ऑडियो रिकार्डिंग जारी कर कहा कि राजधानी क्षेत्र में बरियातू के जिस करीब साढ़े आठ एकड़ प्लॉट पर कब्जा करने के नाम पर उनको परेशान किया जा रहा है, उससे उनका कोई लेना-देना नहीं है. वह भुइंहरी किस्म की जमीन है, जिसका हस्तांतरण संभव ही नहीं है. दूसरी ओर ईडी का कहना है कि बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रसाद प्रताप के जरिए हेमंत उक्त प्लॉट हड़पने का प्रयत्न कर रहे थे. वे मूल दस्तावेज में हेराफेरी करवा रहे थे. जमीन घोटाले में 14 अप्रैल 2023 को भानु की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि वह छह अन्य लोगों से मिलकर अवैध तरीके से जमीन अधिग्रहण और कब्जा दिलाने में सक्रिय था. उनमें हेमंत भी शामिल थे.

राज्य के बे-सरकार होने पर इंडिया और एनडीए ने अपने-अपने विधायकों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी. हॉर्स ट्रेडिंग की भी आशंका बन गई. झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम राजधानी छोड़ चुके थे, जबकि विकल्पों की तलाश के क्रम में हेमंत की गैरविधायक पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाये जाने की चर्चा चली तो राजधानी से दूर बैठीं खुद उनकी भाभी सीता सोरेन उबल पड़ी थीं. हेमंत के अनुज बसंत सोरेन और एक अन्य विधायक चमरा लिंडा भी कहीं नजर नहीं आये. इसके बावजूद महागठबंधन के पास प्रत्यक्षतः बहुमत होने से टूट-फूट की स्थिति उधर ही बन सकती है.

ताजा हालात बता रहे हैं कि राज्य में राजनीतिक स्थिरता का दौर प्रारंभ हो जाने की बंधी उम्मीद पर पानी फिर गया. हाल के वर्षों में बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश जैसे पुराने राज्यों की स्थिति देखकर तसल्ली होती थी कि झारखंड 'सरकार-सरकार खेलें' का दौर पार कर सुचिंतित विकास की ओर कदम बढ़ा चुका है, लेकिन हर उम्मीद धरातल पर कहां उतरती है?

सवाल उठने लगा है कि हेमंत के बाद क्या अरविंद केजरीवाल निशाना बनेंगे और ईडी नामक ब्रह्मास्त्र का तीक्ष्ण प्रक्षेपण पश्चिम बंगाल की ओर भी होगा? वहां तो ईडी आये दिन डेरा डाले ही रहता है. सवाल ममता बनर्जी को सिंहासन से हिलाने-डुलाने का है. नीतीश कुमार ने जैसे ही विपक्षी एकजुटता की पहल की थी, उनके लोगों पर इस ब्रह्मास्त्र का संधान किया जाने लगा था. कहनेवाले कहते हैं कि इससे भी आजिज आकर वे दक्षिणायन हो गये. क्या वास्तव में ऐसा ही है? यदि नहीं, तो भी असम में हिमंत बिस्वा सरमा, पश्चिम बंगाल में शुवेंदु अधिकारी, मुकुल राय, महाराष्ट्र में अजित पवार, छगन भुजबल आदि-आदि का उदाहरण इतिहास के वर्तमान में दर्ज है ही. इसी बिना पर हेमंत सोरेन को एकदम से क्लिन चिट नहीं दी जा सकती. झारखंड में ईडी का चक्र अभी घूमता ही रहेगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

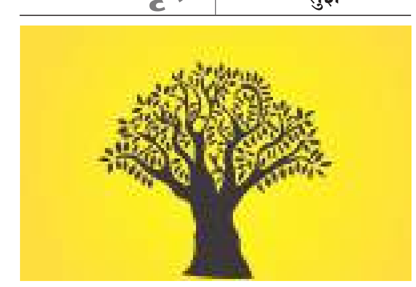

सदाचार का आधार

हममें सभी सद्‌गुण भय से ही स्थायित्व पाते हैं. भय प्रत्येक जीव की प्राकृतिक संज्ञा है. 'ईश्वर-आस्तिक' को ईश्वर के नाराज़ होने का भय होता है तो 'कर्म-फल-आस्तिक' को बुरे प्रतिफल मिलने का भय रहता है. 'नास्तिक' को बुरा व्यक्तित्व कहलाने का भय रहता है. भय के कारण ही सभी सदाचारी रहना उचित मानते हैं और कदाचारों से दूर रहने का प्रयास करते हैं. आस्तिकों को विशेष रूप से ईश्वर और कर्म-फल के प्रति श्रद्धा व सबूरी का आधार रहता है. अगर आस्तिक को सदाचार के एवज में प्रशंसा और प्रतिफल त्वरित न भी मिले तो वह सब्र कर लेता है और निर्णायक दिन या अगले जन्म तक का भी इन्तजार कर लेता है और आस्था के कारण अपने विश्वास से विचलित नहीं होता. वहां भौतिकवादी नास्तिक, सदाचार के प्रतिफल में विपरीत परिणामों का अनुमान मात्र लगाकर विचलित हो जाता है. अनुकूल परिणाम न आते देखकर निराश हो जाता है. क्योंकि धैर्य का उसके पास कोई औचित्य ही नहीं होता. वह शीघ्र ही सदाचार से पल्ला झाड़ लेता है. वह जरा सी प्रतिकूलता देखते ही अपने अनास्थक मानसिकता पर और भी मजबूत हो जाता है. इस प्रकार सदाचार पर टिके रहने के लिए न तो उसके पास पर्याप्त मनोबल होता है और न ही प्रतिफल का पूर्ण विश्वास. पर्याप्त आधार के बिना भला वह क्यों सब्र करेगा? 'अच्छे का नतीजा अच्छा', या 'भले का परिणाम भला' वाला नीतिबल तो कब का नष्ट हो चुका होता है. नैतिकता पर 'चलने' का आधार समाप्त ही हो जाता है. विश्वास स्वरूप 'पैर' ही न हो तो कदम क्या खाक उठा पाएगा? इसी आशय से मैंने कहा था, "नास्तिकी-सदाचार के तो पैर ही नहीं होते" उसके पास दृढ़ता से खडे रहने का नैतिक बल ही नहीं होता. किस भरोसे खडा रहेगा? भला वह क्यों मोल लेगा भावी के भरोसे, निश्चित कष्ट, प्रतीक्षा और अनावश्यक तनाव? तत्क्षण प्रतिशोध ही उनके लिए न्यायमार्ग होता है और प्रतिशोध किसी भी दृष्टि से सदाचार नहीं है. सदाचरण सदैव, घोर परिश्रम, सहनशीलता और धैर्य की मांग करते हैं. अधिकांश बार उपकार का बदला अपकार से भी मिलता है. कई बार सदाचारियों की गणना कायरों में गिनी जाती है. सामान्यतया तो उसे डरपोक ही मान लिया जाता है. सदाचारी के शत्रुओं की भी संख्या बढ जाती है. उसे पाखण्डी ही समझा जाता है. कभी कभी तो उसे शान्ति के बदले मिलती कीर्ती का भी हनन कर दिया जाता है. इतना सब होने के बाद, अनास्थावान् का सदाचारों पर टिके रहना तलवार की धार पर चलनें के समान होता है. सदाचारों का लाभ तो मिले या न मिले, जीवन को क्यों लोहे के चने चबाने जैसे दुष्कर कार्य में व्यर्थ करना.

कैसे कैसे लोगों के रहमोकरम पर है लोकतंत्र

• लोकतंत्र

विश्वनाथ

आधी सदी से कुछ ज़्यादा ही पुरानी बात है. हरियाणा के पलवल चुनाव क्षेत्र से 1967 में गया लाल नामक उम्मीदवार ने चुनाव जीता था. स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने के तत्काल बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली. फिर एक दिन के भीतर-भीतर उन्होंने तीन बार पाला बदला– कांग्रेस से जनता पार्टी में, फिर वापस कांग्रेस में और फिर जनता पार्टी में. इसी 'खेल' में जब उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पत्रकारों के समक्ष पेश किया गया तो सम्बन्धित नेता ने कहा था 'गया राम अब आया राम हो गये है'. तभी से दल बदलुओं के लिए एक मुहावरा बन गया.आज जिस संदर्भ में यह चर्चित किस्सा याद आ रहा है, उसका सम्बंध 'दल बदल' से तो नहीं, पर 'सरकार-बदल' से ज़रूर है. और इस प्रक्रिया में गया राम को पलटूराम की संज्ञा दी गयी है. बिहार की महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है. डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी. तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा. उस कसम का क्या हुआ, वही जानें, पर नीतीश कुमार आज फिर यह कह कर भाजपा के साथ हो गये हैं कि 'अब इधर-उधर नहीं जाना है'. इधर-उधर से उनका क्या मतलब है, यह बात समझना भी आसान नहीं हैं. उनका इतिहास बताता है कि वे कब पलटी खा जाएं, पता नहीं. हां, अब इतना सबको पता है कि 'गया राम' की तरह ही 'पलटू राम' भी भारतीय राजनीति का हिस्सा बन गया है. भारत का जागरूक नागरिक इन पलटू रामों से पूछ रहा है- 'यह बता कि काफिला क्यों लुटा?' और यदि नहीं पूछ रहा है तो उसे पूछना चाहिए यह सवाल. विडम्बना यह भी है कि हमारे नेता, चाहे वे किसी भी रंग के क्यों न हों, इधर-उधर की बात करके मतदाता को भरमाने में महारत हासिल कर चुके हैं. झूठे वादे और दावे उनके लिए किसी भी प्रकार की शर्म का कारण नहीं बनते. मतदाता को भले ही कभी इस बात पर शर्म आ जाये कि उसने दल बदलू या पलटूराम का समर्थन क्यों किया था, पर हमारा नेता इस बात की कोई आवश्यकता नहीं समझता कि वह अपने मतदाता को बताये कि उसने जो कुछ किया है, वह क्यों किया है. विडम्बना यह भी है कि हमारी राजनीति में राजनीतिक शुचिता के लिए शायद ही कहीं कोई स्थान बचा है.जनतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था है, जिसमें शासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह

> बिहार की महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है. डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी. तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा.

घोषित नीतियों और दावों-वादों के अनुरूप कार्य करेगा. हां, चुनावों से पहले ऐसा करने की घोषणाएं ज़रूर की जाती हैं, पर फिर बड़ी आसानी से उन्हें भुला दिया जाता है. मान लिया जाता है कि जनता की याददाश्त बहुत कमज़ोर होती है! जनतंत्र का तकाज़ा है कि जनता अपनी याद्दाश्त मज़बूत बनाये रखे. तभी जनतंत्र सफल हो सकता है, और सार्थक भी. 'जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा' जो सरकार बनती है, उसकी सफलता-सार्थकता का आधार यही है कि जनता अनवरत सजग रहे– न केवल अपने नेताओं की कथनी-करनी को लेकर, बल्कि अपने अधिकारों-दायित्वों के प्रति भी. इसीलिए यह सवाल उठता है कि क्या हमें किसी 'गयाराम' या 'पलटूराम' से उसके किये-करे की कैफियत नहीं पूछनी चाहिए? जनतंत्र में राजनीति के खिलाड़ी अपनी घोषित-नीतियों, वादों और दावों के आधार पर चुनाव जीतते-हारते हैं. भले ही हमेशा ऐसा हो नहीं, पर ऐसा माना जाता है कि चुनाव नीतियों के आधार पर ही होते हैं. माना यह भी जाता है कि चुनाव जीतने वाला इन नीतियों के अनुसार अपना आचरण रखेगा. अपनी घोषित नीतियों पर टिका रहेगा. पर ऐसा अक्सर होता नहीं. अक्सर राजनेता अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए जनतंत्र की मूल भावना के साथ छल करते दिखाई देते हैं. दल-बदलुओं का आचरण इसी का उदाहरण है. राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ भी करने को राजनीति की विवशता कहना-मानना वस्तुतः जनता के साथ विश्वासघात ही है. ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हमारे देश में ही होता है. लेकिन यह कहकर कि दुनिया के अन्य कई जनतांत्रिक देशों में भी यह 'बीमारी' है, हम अपनी बीमारी की गम्भीरता को कम नहीं आंक सकते. इसीलिए हमने लगभग चालीस साल पहले दल-बदल कानून की आवश्यकता को समझा था और 52वें संशोधन के तहत यह कानून बनाया गया था. फिर सन्‌औ 2003 में 91वें संशोधन के तहत इस कानून को कुछ और ताकतवर बनाया गया. पर बीमारी का मुकम्मल इलाज नहीं हो पाया.

कैसे सुधरेगी स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत

• सामयिकी

राजेंद्र शर्मा

अर्थशास्त्र का एक प्रमुख सिद्धांत है मांग और आपूर्ति जिसके अनुसार आपूर्ति की आवश्यकता वहां अनिवार्य हो जाती है जहां मांग हो. कई क्षेत्र और समान ऐसे हैं जिनमें मांग अधिक है पर आपूर्ति कम है. जबकि लगभग समतुल्य क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां मांग कम और आपूर्ति अधिक है. ऐसे में देश के राजस्व को न्यायोचित उपयोग हेतु, थोड़े निवेश से आंशिक समतुल्य को पूर्ण समतुल्य बनाया जाए और मांग को पूरा कर दिया जाए. इसके दो मुख्य फायदे होंगे, एक तो कम निवेश में कुशल लोग मिल सकते हैं साथ ही जरूरतमंदों की मदद हो सकेगी, देश के अंतिम नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी. यह देश की स्वास्थ्य सेवाओं और एमबीबीएस चिकित्सकों के संदर्भ बिलकुल सटीक बैठता है. हाल ही में एक प्रदेश की विधानसभा में एक प्रश्न के उतर में बताया गया कि 2020-21 के बाद से सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से उत्तीर्ण होने वाले 2,653 एमबीबीएस छात्रों में से 70 प्रतिशत या 1,856 ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को ज्वाइन ही नहीं किया. सरकार की प्रश्न के उतर में प्रतिक्रिया थी कि इन छात्रों को सब्सिडी वाली चिकित्सा शिक्षा मिलती है और बदले में उन्होंने सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं-मुख्य रूप से ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में एक वर्ष तक सेवा करने के लिए एक बांड पर हस्ताक्षर किए होते हैं. स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि बांड प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं को स्वास्थ्य पेशेवरों की सुनिश्चित आपूर्ति मिले. करीब पांच साल पहले एमबीबीएस छात्रों को तीन साल की सेवा के लिए डेढ़ लाख रुपये के बांड पर हस्ताक्षर करना पड़ता था. कोविड अवधि के दौरान, सिस्टम में व्यापक बदलाव आया और वर्तमान में छात्रों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा संचालित सुविधा में एक वर्ष के लिए सेवा करनी होती है या बांड राशि के रूप में 10 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ता है. आंकड़ों से यह भी संकेत मिलता है कि 1,856 डॉक्टरों में से जो सरकार द्वारा संचालित सुविधाओं में सेवा में शामिल नहीं हुए हैं, उनमें से 70 प्रतिशत या 1,310 को अभी भी बांड राशि का भुगतान करना बाकी है, जो 65.4 करोड़ रुपये है. उपरोक्त स्थिति का सामना सिर्फ किसी एक प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों को भी इस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है. यह पूरे देश की समस्या है कि चिकित्सा शिक्षा पर भारी भरकम व्यय करने के बाद भी सरकार को कुछ

> करीब पांच साल पहले एमबीबीएस छात्रों को तीन साल की सेवा के लिए डेढ़ लाख रुपये के बांड पर हस्ताक्षर करना पड़ता था. कोविड अवधि के दौरान, सिस्टम में व्यापक बदलाव आया और वर्तमान में छात्रों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा संचालित सुविधा में एक वर्ष के लिए सेवा करनी होती है या बांड राशि के रूप में 10 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ता है.

विशेष उपलब्ध होता प्रतीत नहीं हो रहा है. विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे समय में जब सरकार जिला स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की योजना बना रही है, चिकित्सा अधिकारियों (एमओ), जो आम तौर पर एमबीबीएस पास-आउट होते हैं, की कमी मानव संसाधन की उपलब्धता को प्रभावित कर सकती है. विशेषज्ञों ने कहा कि यह प्रवृत्ति ऐसे कई इलाकों में आबादी को बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए दूर तक यात्रा करने के लिए मजबूर करती है, जिससे बड़े शहरों में अस्पतालों का बोझ बढ़ जाता है. कारण उपरोक्त में से जो भी हो, परंतु यह सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के प्रयासों में एक बड़ा अवरोधक है. साथ ही राजस्व की बरबादी भी है. विकसित देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में सबसे बेहतर डॉक्टर अनुपात ऑस्ट्रिया में हैं, जहां हर हजार लोगों पर 5.5 डॉक्टर हैं. ब्रिटेन में 3.2 और अमेरिका में यह अनुपात 2.6 का है. चीन में भी प्रति हजार व्यक्तियों पर 2.4 डॉक्टर हैं, जबकि भारत में मात्र 0.9. अपर्याप्त चिकित्सकों का एक मुख्य कारण ब्रेन ड्रेन की समस्या भी है. विकसित देशों में जाकर स्वास्थ्य सेवाएं देने में भी भारतीय डॉक्टर्स प्रथम स्थान पर हैं. सबसे अधिक भारत से चिकित्सक विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं. इस मामले में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है. सबको स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए सरकारों को दूरगामी और वैकल्पिक परियोजनाओं पर कार्य करना होगा. बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) जिसका आरंभिक पाठ्यक्रम एमबीबीएस के समतुल्य होता है, प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में बीडीएस तैयार किए जा रहे हैं. पर उस अनुपात में उनके लिए देश में रोजगार उपलब्ध नहीं हैं. ऐसे में कई बीडीएस अपना व्यवसाय ही बदल लेते हैं और शिक्षण जैसे व्यवसाय में आ जाते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

चुनाव पूर्व अंतरिम बजट की दिशा

चुनावी साल में केंद्र सरकार को 1 फरवरी को केवल लेखानुदान पेश करना रहता है. सरकार ने प्रमुख नीतिगत प्रस्तावों तथा कर बदलावों को जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया है, जब नई सरकार सत्ता में होगी. समय के साथ लेखानुदान 'अंतरिम बजट'में बदल गया. इस वर्ष के अंतरिम बजट में पारदर्शिता और परंपरा की वापसी अच्छी बात रही. अंतरिम बजट केवल जरूरी चीजों पर केंद्रित रहा. पिछले वर्ष के प्रदर्शन की प्रस्तुति एवं आगामी वर्ष के लिए जरूरी आवंटन, किसी बड़ी रियायत, कल्याणकारी योजना व्यय, कर रियायत आदि के जरिये लोगों को रिझाने आदि की कोशिश नहीं की गई. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त मंत्रालय की उनकी टीम की भी सराहना की जानी चाहिए कि उन्होंने बजट के आंकड़ों को पूरी तरह पारदर्शी रखा. इस वर्ष बजट से इतर उधारी वाला हिस्सा खाली रहा जो बीते कुछ वर्षों की तुलना में सुखद स्थिति है. ऐसे में घाटे के आंकड़े विश्वसनीय हैं. शेयर बाजारों की बात करें तो उनके दिन का अंत भी कमोबेश शुरुआत के स्तर पर हुआ. लेखानुदान के मामले में ऐसा होना उचित ही है. राजकोषीय मजबूती को लेकर सरकार की प्राथमिकता को वृहद आंकड़ों में देखा जा सकता है. इस वर्ष राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.9 फीसदी रखने के लक्ष्य को बेहतर करते हुए 5.8 फीसदी का लक्ष्य हासिल किया गया. इसमें उच्च गैर कर राजस्व तथा सरकारी बैंकों और रिजर्व बैंक के लाभांश के साथ-साथ पूंजीगत व्यय में कमी का भी योगदान रहा. अगले वर्ष के लिए 5.1 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है और राजस्व मोर्चे पर सीमित प्रयासों के साथ इसे हासिल किया जा सकता है. इस घाटे का लक्ष्य हासिल करने के लिए सकल कर राजस्व में केवल 1.1 फीसदी उछाल का अनुमान है, जो इस वर्ष से काफी कम है. इस बजट में जवाबदेही और संयम की जो प्रवृत्ति दिखी है, वह राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के रुख में भी नजर आती है. इस वर्ष राजस्व का आधा हिस्सा राज्यों को स्थानांतरित कर दिया गया है. परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के कुल शुद्ध कर राजस्व में वैसी तेजी नहीं दिखी, जैसा कि 2023 के बजट में अनुमान लगाया गया था. उस लिहाज से देखा जाए तो वैश्विक परिदृश्य के कुछ पहलू ऐसे हैं जिन पर बजट पर विचार के दौरान पूरी तरह गौर नहीं किया गया और जो आने वाले समय में व्यय को नियंत्रित करने की प्रतिबद्धता पर असर डाल सकते हैं. पहली बात, संभव है कि सब्सिडी को लेकर अंडर प्रॉविजन हो. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भिड़/भीड़/भीर

भीड़ में से किसी ने भिड़ के छत्ते पर पत्थर फेंक दिया. फिर क्या था? भिड़ों ने भीड़ पर हमला बोल दिया. इन वाक्यों में हमारे सामने दो शब्द हैं- पहला भिड़ और दूसरा भीड़. ये दोनों शब्द हिंदी के देशज शब्द हैं.भिड़ संज्ञा पुल्लिंग है जबकि भीड़ संज्ञा स्त्रीलिंग. दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, लेकिन अर्थ के मामले में दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार भिड़ का अर्थ बर्रे, ततैया. लाल और पीले रंग का उड़नेवाला कीट, जो डंक मारता है और भीषण पीड़ा होती है. इससे जिसका एक बार पाला पड़ जाता है, वह इसका नाम सुनते ही कांप जाता है. जब कोई किसी से भिड़ जाता है, वह भिड़ का क्रिया रूप है. भिड़ जाने का मतलब है टकरा जाना या लड़ जाना. जैसे सोहन मोहन से भिड़ गया. दूसरा शब्द है भीड़. इसका मतलब है एक ही स्थान पर बहुत लोगों का जमाव, जनसमूह, आदमियों का झुंड, मजमा, क्राउड. जैसे इस मेले में बहुत भीड़ होती है. आम तौर पर भीड़ को लोगों के एक समूह के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एक सामान्य उद्देश्य से इकट्ठा होते हैं. भीड़ शब्द कभी-कभी सामान्य रूप से निचले स्तर के लोगों को संदर्भित करता है. शब्द भीड़ को कभी-कभी मनुष्यों या जानवरों के संग्रह के लिए अन्य समूह संज्ञाओं के विपरीत परिभाषित किया जाता है. भीड़ से मिलता-जुलता शब्द है भीर. जब जब भीर पड़ी संतन पर प्रकट भये भगवान. संतन पर भीर पड़ने का मतलब स्पष्ट है संतों पर विपत्ति आना. भीर का एक अर्थ भीड़ भी है.चित्रकूट के घाट पर भइ संतन की भीर, तुलसीदास चंदन घिसे तिलक लेत रघुवीर. इस दोहे में प्रयुक्त भीर शब्द का अर्थ भीड़ ही है. भीर का मतलब है कष्ट, दु:ख, तकलीफ, संकट, विपत्ति, आफत. तत्सम शब्द भीरु का तद्भव रूप भीर का मतलब है डरा हुआ, भयभीत, डरपोक, डरनेवाला, कायर, साहसहीन.

हर दिल जो प्यार करेगा, वो गाना गाएगा!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

हर दिल जो प्यार करेगा ...जनाब आपका जवाब गलत ...! आपकी तो यह आदत है कि मुखडा देखते ही तीर निशाने पर लगाने की सोच लेते हो? आज के जमाने में यह जरूरी नहीं कि प्यार करने वालों को गाना, गाना अनिवार्य हो? अब फिल्मी हीर –रांझा, लैला-मजनू, शीरी –फरहाद वाले दिन लद गए. तब किसी डायरेक्टर को रोमैंटिक दो-चार गानों का जुगाड हुआ नहीं कि पूरी फिल्म बनाने की सोच लेते थे. अपने हीरो हीरोइन से बात –बात पर गाना गवा बैठते थे. डाइरेक्टर को, नदी के गाने, 'पनिया भरन' के गाने, सखी-सहेली के गाने, मंदिर जाने के बहाने वाले गाने और सब गानों में उलाहनों, उलझनों को फिल्माने का उस जमाने में एक्सपर्ट होना जरूरी होता था. सब गानों में मीठी याद, याद में कसक, कसक में दर्द, दर्द में पीड़ा, जो जितनी अच्छी तरह से समेट ले वही बड़ा डायरेक्टर...उस जमाने में यह भी एक नजारा था. पूरे फ़िल्मी एपीसोड में बाप से ज्यादा कोई दूसरा तंग-बेहाल नहीं रहता था. बेचारा बाप अपनी इज्जत, पगडी और प्रतिष्ठा के नाम पर बेटे को, बेटी को 'प्यार' से दूर रखने की कोशिशें करता था. आखिर में उसे झुकना है, यह दर्शक टिकट लेने के पहले भी जानते थे. जनाने क्लास में सुबकियों का दौर चलता था, बड़ा जालिम बाप है, यह बुआ को तो काट कर फेंक देना चाहिए. बहुत दुष्ट है, जैसे कमेंट्स लाखों बार सुने गए होंगे. हीरो या हिरोइन तब के हालात में सिसकियों भरा विरह गीत गा लेती थीं, जो बिनाका गीत माला में सुपरहिट हो कर दो-तीन सालों तक बजा करता था. जनाब हमने भी प्यार-व्यार किया है. जिंदगी भर गाना गाने का सिचुएशन तलाशते रह गए. गाने की स्क्रिप्ट नहीं मिली. खुद की बनाई 'चार लाइन' के 'बोल-धुन' नहीं जमे. अकेले भी गुनगुनाने की हिम्मत नहीं हुई. कभी उसको चेताया कि इस मौके पर हमें कुछ गाने का जी कर रहा है, तो वह कहती कोई फिल्मी गाना वह भी सुर में गा सको तो सुना दो, वरना टाइम क्यों खराब करते हो? हमारे सिनेमा वाले, जाने कैसे सत्तर-अस्सी सालों से दिल की आवाज को लगातार बिना रोक-टोक फिल्माए जा रहे हैं? हाल के दिनों में प्यार की अभिव्यक्ति में मुन्नी बदनाम हो रही है, चमेली पउव्वा चढा रही है, कोई झंडू बाम रगड रही है तो कोई उ..ला..ला करके मस्तिया रही है. किसी की एंट्री में घंटी बज रही है तो कोई लुंगी खिंचाई में लगा दीखता है. इजहारे मोहब्बत का यह आलम कहां जा कर रुकेगा, पता नहीं?

कथाओं की तलाश में पुनः धार्मिक ग्रंथों तक पहुंचता सिनेमा

सभ्यता के आरंभ से ही धर्म की मौजूदगी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा रही है. आलम यह है कि हम कोशिश करें, न करें धर्म से अछूते नहीं रह सकते. स्वभाविक है कि अपने आराध्य को साकार देखने की इच्छा हमें धार्मिक फिल्मों या धारावाहिकों की ओर आकर्षित करती रही है.

हस्ताक्षर

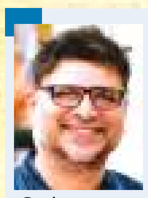

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

भारत में बनने वाली पहली फीचर फिल्म थी, "राजा हरिश्चन्द्र". महात्मा गांधी ने अपने जीवन में एक ही फिल्म देखी थी, "रामराज्य". अपने समय की सबसे महंगी फिल्म 5 करोड़ में बनी 'शोले' को टक्कर दी थी 5 लाख से बनी एक छोटी सी फिल्म जय संतोषी मां ने. और हां, हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी दुर्घटना भी 'आदिपुरुष' ही थी. यह सब कोई संयोग नहीं. वास्तव में सभ्यता के विकास से ही हमारे सामाजिक जीवन में धर्म एक नियामक शक्ति रहा है. धर्म का अधिकार हमारे जीवन पर हमसे पहले ही हो जाता है, और हमारे बाद तक कायम रहता है. हम कोशिश करें, न करें धर्म से अछूते नहीं रह सकते. स्वभाविक है कि अपने आराध्य को साकार देखने की इच्छा हमें धार्मिक फिल्मों या धारावाहिकों की ओर आकर्षित करती रही है.

मन बसी छवि ही अहम

फिल्म की शुरुआत से भी पहले "रामलीला" की परंपरा हमारे इसी आराध्य को साकार देखने की इच्छा का प्रतिफल ही तो रहा होगा. क्या आश्चर्य कि सोनी टीवी ने वर्ष की शुरुआत एक नए धारावाहिक "श्रीमद रामायण" से की. कहा जा सकता है कि इतने तकनीकी कौशल और वीएफएक्स के प्रयोग से त्रेता युग को इतनी भव्यता से साकार करने की कोशिश टेलीविजन पर पहली बार की गई है. गौरतलब है कि 'आदिपुरुष' में भी वीएफएक्स के प्रयोग से ही रामकथा कहने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह मजाक बन कर रह गई. वास्तव में धार्मिक कथाएं आस्था से जुड़ी होती है, लोग वही देखना सुनना चाहते जो कथा, जो छवि, उनके मन में बसी है, जो वे जानते हैं. 'रामायण' आज भी इसीलिए लोकप्रिय है कि वह वही दिखाती है, जो हम जानते रहे हैं. आस्था के सामने प्रयोग नहीं चलते, जैसी कोशिश "आदिपुरुष" ने की. "श्रीमद रामायण" की प्रस्तुति में आधुनिकता के साथ कथा में आस्था का निर्वहन के प्रति सावधानी देखी जा सकती है. निर्देशक ने हरेक फ्रेम को राजा रवि वर्मा की पेंटिंग की तरह नयनाभिराम बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. संवाद, कलाकारों के चयन से लेकर वस्त्रविन्यास तक में परंपरा और मान्यताओं का मान रखने की कोशिश की गई है. रामकथा की परंपरागत कहन शैली से हट कर किसी उपन्यास की तरह निर्देशक राम, सीता, रावण सब की कथाएं जिस तरह एक साथ लेकर चलते हैं, रामकथा की एक बेहतर प्रस्तुति के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है.

नीतेश की रामायण फिल्म

यह भी एक विडंबना है कि टेलीविजन पर जहां नियमित रुप से धार्मिक आख्यान आते रहे हैं, सिनेमा अपने आरंभिक दिनों की परंपरा से दूर होता चला गया, कुछ इस तरह कि कई दशकों तक धार्मिक फिल्मों के नाम पर सन्नाटा रहा. ऐसे में 'दंगल' जैसी महत्वपूर्ण फिल्म से पहचान बना चुके नीतेश तिवारी का 'रामायण' पर ट्राइलाजी बनाने की घोषणा सिनेमा के लिए एक नई शुरुआत की उम्मीद देती है, फरवरी से जिसके शूटिंग की तारीखें घोषित हो चुकी हैं. इसे भारत की सबसे मंहगी फिल्म बताया जा रहा है, उम्मीद कर सकते हैं रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सन्नी देओल और यश जैसे नामचीन सितारों को रामायण के पात्रों के रुप में नीतेश स्वीकार्य बनाने में सफल होंगे.

वास्तव में धार्मिक ग्रंथों में कथाओं का विराट संसार सिमटा है, हिंदी सिनेमा के इतिहास में सर्वाधिक सफल फिल्में लिखने वाले सचिन भौमिक कहते थे, अधिकांश हिंदी फिल्मों की कहानियों के मूल में रामायण के अंश ही रहे हैं. कथा की तलाश में भटकता सिनेमा इस अमूल्य निधि की पहचान कर एक व्यापक दर्शक वर्ग को एक बार फिर से अपने करीब ला सकती है, जिन्हें जोड़ने की कोशिश आरंभिक दिनों में दादा साहब फाल्के ने 100 से भी अधिक धार्मिक कथाओं पर फिल्म बना कर की थी.

नाकाम मोहब्बत की इतनी सी कहानी है / दिन रात जुदाई में अश्कों की रवानी है... सुनहरे पर्दे पर प्यार के कई रंग परोसने वाले बॉलीवुड के सितारों की खुद की जिंदगानी में भी ऐसे अफसानों की कमी नहीं. कुछ के प्यार जहां मंजिल तक पहुंच गए तो नाकाम मोहब्बत के भी अनगिनत किस्से हैं. फरवरी माह में जब इश्क परवान पर चढ़े उससे पहले बात उनकी जो इस राह में दूर तक नहीं चल सके...

ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण

एक जमाना था जब रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की जोड़ी हॉट जोड़ी के रूप में पहचान रखती थी. लिव-इन-रिलेशन, पार्टी-रेस्त्रां से विदेशों में छुट्टियां मनाते भी ये साथ नजर आते. दीपिका रणबीर कपूर के प्यार में इस कदर डूब चुकी थीं कि उन्होंने उनके नाम का टैटू तक बनवा लिया था. उम्मीद की जा रही थी कि दोनों जल्द शादी करेंगे पर यह लव स्टोरी अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाई और दोनों का ब्रेकअप हो गया. इस मोहब्बत की नाकामी में रणबीर की बेवफाई असर कर गई. रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर ने दीपिका को चीट किया था, वहीं दीपिका ने रणबीर को रंगे हाथों पकड़ा था.

करीना कपूर और शाहिद कपूर

फिल्म फिदा से इनकी लव स्टोरी शुरू हुई जो "छुप छुप के" से परवान चढ़ी. दोनों जब वी मेट और मिलेंगे मिलेंगे में भी साथ नजर आए. दोनों के फैन्स को शिद्दत से इंतजार था कि ये दोनों कब प्यार को शादी में तब्दील करेंगे. लेकिन दोनों के ब्रेकअप की खबर सामने आई. हाल ही एक इंटरव्यू में करीना कपूर ने शाहिद कपूर के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की. कहा कि हमारा रिश्ता वैसा था ही नहीं. रोमांस पार्ट शुरू करने के लिए ये बहुत जल्दी था. उस वक्त हम दोनों अपने काम में बिजी थे कि इन सब बातों की तरफ ध्यान देना मुश्किल था. हम लोग उस वक्त फ्रेंड्स से बस थोड़े ही ज्यादा थे.

करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन

पांच साल डेट करने के बाद करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन का रिश्ता सगाई तक पहुंचा. फिर अचानक ये रिश्ता टूट गया. दोनों पक्ष में से किसी ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि आखिर क्यों दोनों का रिश्ता टूटा. वर्षों बाद फिल्म मेकर सुनील दर्शन जिनकी फिल्म में दोनों साथ थे, ने कहा कि शूटिंग के दौरान ही मैंने अनुभव किया कि अभिषेक-करिशमा एक दूसरे के लिए नहीं बने हैं. वे मेड फॉर ईच अदर टाइप नहीं थे. हमेशा झगड़ते थे. शायद कुछ लोग ऐसे ही होते हैं. मैं हमेशा हैरान रहता था, सोचता था क्या ये सच में एक दूसके के लिए बने हैं. अभिषेक स्वीट हैं और करिश्मा भी अच्छी हैं. पर शायद किस्मत ने उन दोनों के लिए कुछ और ही सोचा हुआ था.

सलमान खान और ऐश्वर्या राय

बॉलीवुड के नाकाम मोहब्बत की सूची में सलमान-ऐश्वर्या की दास्तां भी दर्ज है. 1999 में फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के सेट से शुरू इश्क जल्द ही परवान चढ़ गई. लेकिन ये रिश्ते चल नहीं पाया और साल 2001 में दोनों का ब्रेकअप हो गया. ये ब्रेकअप काफी दर्द से भरा था. कहा जाता था कि सलमान ऐश्वर्या को लकेर कुछ ज्यादा ही पजेसिव थे. अक्सर ऐश्वर्या की फिल्मों के शूट्स तक में पहुंच जाया करते थे और उनकी हर चीज में दखल देते थे. ऐसे में ऐश्वर्या ने इस रिश्ते को खत्म कर दिया और बाद में अभिषेक बच्चन से शादी कर ली.

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी

खिलाड़ी अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी एक दौर में एक-दूसरे से बहुत मोहब्बत किया करते थे पर इनका प्यार भी शादी के मुकाम पर पहुंचने से पहले ही बिखर गया. दरअसल शिल्पा की सहेली ट्विंकल की तरफ अक्षय का झुकना शिल्पा का दिल तोड़ गया. बाद के एक इंटरव्यू में शिल्पा ने माना कि यह जिंदगी का सबसे कठिन दौर था.

राज बब्बर और स्मिता पाटिल

राज बब्बर ने स्मिता पाटिल के प्यार में अपने परिवार तक को छोड़ दिया था. भाग्य ने अपना खेल खेला और स्मिता पाटिल बच्चे को जन्म देते समय इस संसार से विदा हो गईं. स्मिता पाटिल के जाने से राज बब्बर बुरी तरह टूट गए थे.

दिलीप कुमार और मधुबाला

मधुबाला और दिलीप कुमार का प्रेम खुली किताब की तरह था. दिलीप ने एक इंटरव्यू में कहा- 'लोगों को लगता है कि मधुबाला के पिता अताउल्ला खान उनकी शादी मुझसे होने नहीं देना चाहते थे, ऐसा नहीं था. अताउल्ला खान चाहते थे कि दिलीप कुमार और मधुबाला अपने करियर के अंत तक हाथों में हाथ डाले सिर्फ उन्हीं की प्रोडक्शन तले बने फिल्मों में काम करें जिससे मैंने इंकार कर दिया. अताउल्ला खान, मधुबाला और मेरे बीच इस विषय में काफी बात भी हुई, मधुबाला ने इसके विषय में कुछ नहीं कहा और मेरी परेशानी के बारे में नहीं सोचा. इसका नतीजा अच्छा नहीं हुआ.

महेश भट्ट और परवीन बाबी

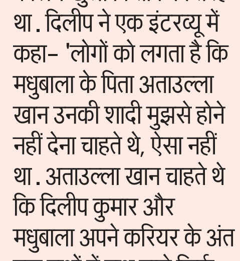

महेश भट्ट और परवीन बाबी के बीच भी प्यार इस कदर परवान चढ़ा था कि महेश भट्ट ने अपनी पत्नी को छोड़कर परवीन के साथ रहना शुरू कर दिया था. बाद में परवीन बाबी की खराब सेहत की वजह से बात बिगड़ती चली गई और रिश्ता टूट गया.

नाना पाटेकर और मनीषा कोईराला

मनीषा कोइराला और शादीशुदा नाना पाटेकर के अफेयर की भी खूब चर्चा हुई. कहा जाता है कि मनीषा चाहती थीं कि नाना पाटेकर पत्नी को तलाक दे दें, मगर ऐसा हुआ नहीं. ऐसे में इनकी लव स्टोरी ने दम तोड़ दिया था.

ये भी अधूरे प्यार की दास्तां

संजय दत्त-माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड के गलियारे में माधुरी दीक्षित और संजय दत्त की प्रेम कहानी भी खूब चर्चे में रही, हालांकि उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई. जब संजय दत्त गिरफ्तार हो गए, तो दोनों ने आधिकारिक रूप से यह जरूर कह दिया कि उन दोनों के बीच कुछ भी नहीं था.

गोविंदा और नीलम

गोविंदा और नीलम भी फिल्मों में रोमांस करते करते कब असल जिंदगी में एक-दूसरे के हो गए, पता नहीं चला. लेकिन गोविंदा की मां को यह रिश्ता पसंद नहीं था और गोविंदा की शादी सुनीता से हो गई.

देव आनंद और जीनत अमान

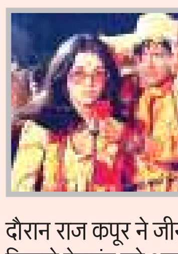

देवानंद ने अपनी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में जिक्र किया है कि किस तरीके से वे जीनत अमान के प्यार में पड़ गए थे. कहा जाता है कि फिल्म 'इश्क इश्क-इश्क' के प्रीमियर के दौरान राज कपूर ने जीनत अमान को किस कर लिया था, जिससे देवानंद बड़े आहत हुए थे. इसके बाद जीनत अमान ने राज कपूर की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' भी साइन कर ली थी, जिसके बाद देव आनंद ने जीनत अमान के साथ अपना रिश्ता ही तोड़ दिया था.

देव आनंद और सुरैया

देवानंद और सुरैया एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे. जब शादी की बात आई, तो सुरैया अपने परिवार के खिलाफ जाकर देवानंद के साथ खड़े होने की हिम्मत नहीं जुटा पाईं.

---

12 दिन में तोड़ दी थी शादी

पूनम पांडे का सर्वाइकल कैंसर से 32 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया. सोशल मीडिया पर 12 लाख फॉलोअर्स के साथ अक्सर निजी जिंदगी की झलकियां शेयर करते रहने वाली पूनम ने हाल ही इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह गोवा में क्रूज पार्टी में नजर आई थीं. ब्लैक और व्हाइट आउटफिट में पूनम एकदम फिट एंड फाइन दिखाई दे रही थीं. ऐसे में उनके अचानक निधन की खबर से फैंस हैरान हैं. आइए पूनम के बारे में जाने कुछ कहे-अनकहे किस्से...

मॉडलिंग से करियर की शुरुआत

कानपुर की पूनम पांडे 18 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में आईं और देखते ही देखते वे कैलेंडर गर्ल्स की मॉडल बन गईं.

नशा से लॉकअप तक

2013 में फिल्म 'नशा' से पूनम पांडे ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया. 'द जर्नी ऑफ कर्मा', 'मालिनी एंड कंपनी' 'दिल बोले हडिप्पा' जैसे कई फिल्मों में काम किया. लेकिन ये फिल्में असफल रहीं. 'मेरी आशिकी तुमसे ही', 'नादानियां' जैसे कई टीवी शोज के अलावा वे टीवी के कई रियलिटी शोज नें भी नजर आ चुकी हैं. आखिरी बार उन्हें कंगना रनौत के शो 'लॉकअप' पर देखा गया था.

क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान मिली शोहरत

पूनम तब सुर्खियों में तब आईं, जब उन्होंने 2011 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कपड़े उतारने का वादा किया. कपड़े तो नहीं उतारे लेकिन बाद में एक्ट्रेस ने अपने मोबाइल ऐप पर एक वीडियो अपलोड किया, जहां वह रात में वानखेड़े स्टेडियम में अपने कपड़े उतारती हुई दिखीं.

दो हफ्ते भी पति को झेल नहीं पाई

2020 में बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे संग शादी की. लेकिन 12 दिन बाद ही दोनों का रिश्ता टूट गया. पूनम ने सैम पर संगीन आरोप लगाए, जिसके बाद गोवा पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था.

मां की पिटाई

उन्हीं दिनों एक इंटरव्यू में पूनम ने खुद खुलासा किया था कि भारत के वर्ल्ड कप जीतने के बाद उनके घर पर जमकर ड्रामा हुआ था. उन्होंने बताया था, 'मेरे घर पे ड्रामा चालू. मेरी मां मार रही है, मेरे डैड परेशान हैं कि ये क्या किया तूने.' दरअसल आज से 13-14 साल पहले किसी युवती का भारत की जीत पर कपड़े उतारने का वादा करना एक बोल्ड बयान था, जिसके बाद पहली बार पूनम पांडे को अखबार और न्यूज चैनल में जगह मिली.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डेविस कप : 60 साल बाद पाकिस्तान में ऐतिहासिक मुकाबले के लिए भारत तैयार

- डेविस कप के इतिहास में पाक के सामने अपराजेय है भारत
- भारत ने अब तक खेले गए सभी सात मुकाबले में दर्ज की है जीत

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

भाषा । इस्लामाबाद

अपने शीर्ष एकल खिलाड़ियों के बिना भी 60 साल बाद पाकिस्तान आई भारतीय डेविस कप टेनिस टीम का पलड़ा भारी सुरक्षा के बीच खेले जा रहे विश्व ग्रुप वन के इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारी रहेगा. भारतीय टीम डेविस कप के इतिहास में कभी पाकिस्तान से नहीं हारी है और सभी सातों मुकाबले जीते हैं. पाकिस्तान अपने सबसे बड़े सितारों ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान के साथ उतरा है जो ग्रासकोर्ट पर खेलते हुए भारत को चुनौती दे सकते हैं. पाकिस्तान ग्रासकोर्ट पर ही भारत को चुनौती दे सकेगा क्योंकि यही सतह उनके शीर्ष खिलाड़ियों को रास आती है. इस्लामाबाद के टेनिस कोर्ट अब तेज हैं जिन पर धीमी उछाल रहती है और इसी वजह से युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी को पहले दिन एकल मुकाबला खेलने के लिये कहा गया है. वह टीम के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन के साथ इस वर्ग में चुनौती पेश करेंगे. भारत के पास निकी पूनाचा का भी विकल्प था लेकिन वह बालाजी से लंबे हैं और धीमी उछाल वाले ग्रासकोर्ट पर लंबे खिलाड़ियों को परेशानी होती है. उन्हें गेंद उठाने के लिये काफी झुकना पड़ता है जिससे उनकी लय बिगड़ती है. लिएंडर पेस ने भारत में डेविस कप खेलने आने वाले यूरोपीय खिलाड़ियों के खिलाफ इस रणनीति का बखूबी इस्तेमाल किया. बालाजी के पास अनुभव भी है जिससे वह पाकिस्तान का उसकी सरजमीं पर सामना करने का दबाव झेल सकते हैं. उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेला और यहां आने से पहले दिल्ली में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया.

भारत-पाकिस्तान के मुकाबले

तीन फरवरी
- **पहला एकल :** रामकुमार रामनाथन बनाम ऐसाम उल हक कुरैशी
- **दूसरा एकल :** अकील खान बनाम श्रीराम बालाजी

चार फरवरी
- **युगल :** बरकतुल्लाह और मुजम्मिल मुर्तजा बनाम युकी भांबरी और साकेत माइनेनी
- **पहला उलट एकल :** रामकुमार रामनाथन बनाम अकील खान
- **दूसरा उलट एकल :** ऐसाम उल हक कुरैशी बनाम श्रीराम बालाजी

यहां घूमने नहीं, अच्छा टेनिस खेलने आये हैं : कप्तान जीशान अली

भारत के डेविस कप टीम के कप्तान जीशान अली को शुक्रवार को कई अटपटे और हैरानी भरे सवालों का सामना करना पड़ा जिसमें 'क्रिकेट सहित अन्य भारतीय टीमें पाकिस्तान का दौरा क्यों नहीं करतीं' और 'पाकिस्तान में शॉपिंग (खरीदारी और सैर-सपाटा) के अनुभव' के बारे में पूछना शामिल रहा. लगभग 60 साल बाद डेविड का मुकाबले के लिए पाकिस्तान गयी भारतीय टीम दरअसल अब तक अपने होटल से बाहर कड़ी सुरक्षा में सिर्फ इस्लामाबाद खेल परिसर में अभ्यास के लिए ही आयी है. जीशान ने हालांकि रणनीतिक तरीके से इन सवालों का जवाब दिया. उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम को संक्षिप्त दौरे पर कहीं बाहर जाने का मौका मिलेगा. उन्होंने हालांकि इस दौरे पर टीम के मकसद के बारे में ज्यादा करते हुए कहा कि टीम यहां अच्छा टेनिस खेलने आयी है. 'शॉपिंग' के बारे में पूछे जाने पर जीशान ने कहा कि हम कहीं बाहर नहीं गए हैं. मुझे उम्मीद है कि कुछ समय के लिए बाहर जाने की व्यवस्था की जा सकती है. भारतीय कोच एवं कप्तान की भूमिका निभा रहे इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि खेल के लिहाज से हमारा यहां आना इस क्षेत्र में टेनिस के लिए बहुत अच्छा होगा. अगर अधिक बच्चे इस खेल को अपनाएंगे तो इससे टेनिस को फायदा होगा और यही हमारा मुख्य इरादा है.

ब्रीफ खबरें

शमार को अंतरराष्ट्रीय रिटेनर अनुबंध मिला

सिडनी । वेस्टइंडीज की आस्ट्रेलिया पर जीत में शानदार भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज शमार जोसफ के अनुबंध को अपग्रेड करके 'अंतरराष्ट्रीय रिटेनर' का कर दिया गया. अब वह क्रिकेट वेस्टइंडीज से उसी तरह के रिटेनर अनुबंध से जुड़ गये हैं जैसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्रिकेट खेलने वाले देश अपने खिलाड़ियों से केंद्रीय अनुबंध करते हैं. इस तरह का अनुबंध नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को मिलता है. जोसफ को पहले फ्रेंचाइजी अनुबंध मिला हुआ था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैच की टेस्ट शृंखला से पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था.

गोल्फ : अवनी प्रशांत पांचवें स्थान पर

पटाया । भारत की अवनी प्रशांत शुक्रवार को यहां महिला अमेच्योर एशिया-पैसिफिक गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर में तीन-अंडर 69 का कार्ड खेलने के बाद तालिका में शीर्ष पांच में बनी हुई है. अवनी ने पहले छह होल में तीन बर्डी के साथ शानदार शुरुआत की, लेकिन वह इस लय को जारी नहीं रख सकी और अगले 12 होल में एक और बर्डी के मुकाबले एक बोगी कर बैठी. दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर सात अंडर है. वह चीन की याहुई (69) के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं. अवनी तालिका में शीर्ष पर काबिज ताइवान की चुन-वेई वू से पांच शॉट पीछे है.

मर्सीडीज छोड़कर फेरारी से जुड़ेंगे लुईस हैमिल्टन

लंदन । लुईस हैमिल्टन ने इस सत्र के आखिर में मर्सीडीज छोड़कर फेरारी में जाने का फैसला लेकर मोटरस्पोटर्स जगत को हैरान कर दिया है. हैमिल्टन ने अगस्त के आखिर में मर्सीडीज के साथ करार दो साल के लिये बढाया था लेकिन नये करार में उन्होंने 'रिलीज' का प्रावधान रखा था जिससे वह 2025 में फेरारी से जुड़ सकेंगे. उन्होंने टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इस टीम के साथ 11 साल बेहतरीन रहे हैं. मुझे इस पर गर्व है. मैं जब 13 साल का था, तभी से मर्सीडीज मेरे जीवन का हिस्सा है. मैं यहीं बड़ा हुआ और इसे छोड़ने का फैसला काफी कठिन था.

दूसरा टेस्ट : स्टंप तक भारतीय टीम ने छह विकेट पर 336 रन बनाए

यशस्वी भवः

भाषा । विशाखापत्तनम

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आत्मविश्वास से भरी नाबाद 179 रन की पारी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन स्टंप तक छह विकेट पर 336 रन बना लिये. जायसवाल (257 गेंद) ने अपनी मजबूत शुरूआत को बड़े शतक में तब्दील किया जिससे निकट भविष्य में उन्होंने शीर्ष क्रम में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया. वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ी बल्लेबाजी के मुफीद परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके. बायें हाथ के 22 वर्षीय बल्लेबाज जायसवाल ने सुबह 89 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 62 गेंद खेलकर अपना दूसरा टेस्ट शतक जमाया. इससे 10वीं टेस्ट पारी में उनके नाम दो शतक और इतने ही अर्धशतक हो गये हैं. जायसवाल ने पिछले साल कैरेबियाई सरजमीं पर अपने टेस्ट पदार्पण में 171 रन बनाये थे. जायसवाल ने अभी तक अपनी पारी में 17 चौके और पांच छक्के जड़ दिये हैं. स्टंप तक आर अश्विन पांच रन बनाकर दूसरे छोर पर उनका साथ निभा रहे थे. भारत ने अंतिम सत्र में तीन विकेटगंवाकर 111 रन जोड़े जिसमें अक्षर पटेल (51 गेंद में 27 रन) और केएस भरत (23 गेंद में 17 रन) शामिल थे. इंग्लैंड की ओर से पदार्पण कर रहे शोएब बशीर और रेहान अहमद ने दो दो विकेट झटके. जायसवाल ने दूसरे सत्र में आकर्षक स्ट्रोक्स खेलकर पारी का रूख ही बदल दिया जिसमें भारत ने 32 ओवर में 122 रन जुटाये. श्रेयस अय्यर (59 गेंद में 27 रन) दोपहर के सत्र में आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे. जायसवाल की पारी की सबसे खास बात उनकी सहजता से मैदानी शॉट और हवा में शॉट लगाना रही. बायें हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले पर लांग आन में छक्का लगाकर अपने शतक तक पहुंचने से उनका बेखौफ रवैया साफ दिखाई दिया. उन्होंने जश्न मनाने के लिए अपने हाथ उठाये और दर्शकों और टीम के साथियों ने भी तालियां बजाकर खुशी जतायी. जायसवाल ने अपनी पारी के शुरू में स्पिनरों के खिलाफ काफी कट शॉट खेले लेकिन दूसरे सत्र में उन्होंने ड्राइव और उठाकर लगाये गये शॉट से रन बनाये.

> मैं सत्र दर सत्र खेलना चाहता था. जब वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे तो मैं उस स्पैल को खत्म होने देना चाहता था, लेकिन मैं ढीली गेंदों को भी रन में बदलकर अंत तक खेलते रहना चाहता था
> – यशस्वी जायसवाल

179 रन बनाकर नाबाद हैं यशस्वी जायसवाल

17 चौके व 5 छक्के जड़े यशस्वी ने अब तक अपनी पारी में

पाटीदार, कुलदीप और मुकेश को मिला मौका

भारतीय टीम में केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज की जगह रजत पाटीदार, कुलदीप यादव और मुकेश कुमार को उतारा गया. हैदराबाद में अपने विकेट गंवाने के दोषी रोहित और जायसवाल ने धीमी शुरूआत की. पहले 16 ओवर में सिर्फ 40 रन बने. इंग्लैंड ने टीम में एकमात्र तेज गेंदबाज एंडरसन और आफ स्पिनर जो रूट से शुरूआत कराई. एंडरसन ने पहले पांच ओवर में छह ही रन दिये.

पदार्पण मैच में पाटीदार ने बनाए प्रभावशाली 32 रन

पदार्पण कर रहे रजत पाटीदार ने प्रभालशाली पारी खेली. पटीदार ने 72 गेंद में 32 रन बनाए. पाटीदार लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश की लेकिन बोल्ड हो गये. पांच मैच की शृंखला में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम दूसरे दिन इस स्कोर को कम से कम 500 रन तक पहुंचाना चाहेगी ताकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऐसी पिच पर दबाव में ला सके जिस पर तीसरे दिन से 'वैरिएबल' उछाल आने की उम्मीद है. शुरूआती दिन कुछेक गेंद नीची रही, वर्ना हालात बल्लेबाजों के मुफीद थे.

किफायती रहे अनुभवी एंडरसन

अनुभवी जेम्स एंडरसन पिछले साल जुलाई के बाद से अपना पहला मैच खेल रहे हैं. वह इंग्लैंड के लिए काफी प्रभावी और किफायती रहे जिन्होंने 17 ओवर में तीन मेडन से 30 रन देकर एक विकेट लिया. इंग्लैंड के कम अनुभवी स्पिन आक्रमण में पदार्पण कर रहे शोएब बशीर, टॉम हार्टले, रेहान अहमद और जो रूट पिच से ज्यादा फायदा नहीं उठा सके. बशीर ने स्पिनरों में अच्छा प्रदर्शन किया, वह अपनी लंबी कद काठी की वजह से ज्यादा उछाल हासिल कर सके. बशीर को पहले सत्र में रोहित का विकेट मिला और दिन के अंत में उन्होंने अक्षर पटेल को आउट किया.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज की टीम को आठ विकेट से हराया

डेब्यू कर रहे बार्टलेट ने की शानदार गेंदबाजी

भाषा । मेलबर्न

तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने अपने पहले वनडे मैच में 17 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की शृंखला के शुरुआती वनडे में शुक्रवार को यहां 69 गेंद शेष रहते हुए वेस्टइंडीज को आठ विकेट से शिकस्त दी. एक दिन पहले कोविड-19 जांच में मामूली रूप से संक्रमित पाए गये जोश इंग्लिस ने 43 गेंदों में 65 रनों की आक्रामक पारी खेली. पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर वेस्टइंडीज की टीम 48.4 ओवरों में 231 रन पर आउट हो गई. बार्टलेट ने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट झटके जिससे वेस्टइंडीज ने 59 रन तक चार विकेट गंवा दिया.ऑस्ट्रेलिया के लिए यह पदार्पण मैच में किसी गेंदबाज का दूसरा सबसे अच्छा एकदिवसीय आंकड़ा है. इंग्लिस की आक्रामक पारी के बाद कप्तान स्टीव स्मिथ (नाबाद 79) और कैमरून ग्रीन (नाबाद 77) के शानदार नाबाद अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में दो विकेट पर 232 रन का स्कोर बना लिया. बार्टलेट ने पदार्पण कर रहे एक अन्य तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ एमसीजी की तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर शानदार गेंदबाजी की. यह 1997 (गाबा में एंडी बिकेल और एंथोनी स्टुअर्ट) के बाद पहला मौका है जब ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का आगाज दो नये तेज गेंदबाजों ने किया. बार्टलेट ने अपनी तीसरी गेंद पर ही जस्टिन ग्रीव्स के ऑफ स्टंप को उखाड़ दिया। उन्होंने इसके बाद एलिक एथेनाज और कप्तान शाई होप को पवेलियन की राह दिखाई जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 37 रन हो गया. केसी कार्टी (88) और रोस्टन चेस (59) ने इसके बाद पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया. कार्टी हालांकि सीन एबोट के शानदार थ्रो पर रन आउट होने के कारण शतक पूरा करने से चूक गये.

एसजीएफआई खो-खो प्रतियोगिता

झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को हराया

- बालक वर्ग में झारखंड ने पश्चिम बंगाल को 20-19 से हराया
- बालिका वर्ग में में गुजरात से हारी झारखंड की टीम

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड की मेजबानी में आयोजित एसजीएफआई अंडर-14 खो-खो प्रतियोगिता में झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को हराया. खेलगांव में खेले जा रहे 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन पश्चिम बंगाल और झारखंड के बीच हुए बालक वर्ग खो-खो मुकाबले में कांटे की टक्कर हुई. जिसमें झारखंड की टीम ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को 1 अंक से पराजित किया. झारखंड ने इस मुकाबले को 20-19 से जीता. वहीं बालिका वर्ग में झारखंड की टीम को गुजरात के हाथों हार का सामना करना पड़ा. गुजरात की टीम ने झार को चार अंकों से पराजित किया.

बयां किया दर्द **क्रिकेट करियर के शुरुआती दिन थे काफी कठिन, घुटता था दम**

धौनी से तुलना चुभती है, लेकिन उनके जैसा कोई नहीं: पंत

भाषा । नयी दिल्ली

महेंद्र सिंह धौनी लंबे समय से ऋषभ पंत के मार्गदर्शक रहे हैं लेकिन एक ऐसा भी समय था जब भारत के पूर्व कप्तान से लगातार तुलना से वह इतने दबाव में आ जाते थे कि उनका 'दम घुटने' लगता था. दिसंबर 2022 में भयावह कार हादसे में चोटिल हुए पंत अभी भी पूरी तरह फिट नहीं हैं. धौनी ही ऐसा शख्स हैं जिनसे वह जीवन की हर बात साझा करते हैं. उन्होंने स्वीकार किया कि करियर के शुरूआती दिनों में धौनी से तुलना उनके लिये काफी कठिन थी. पंत ने 'स्टार स्पोटर्स' की एक सीरिज में कहा कि मुझे बहुत बुरा लगता था. मैं 20-21 साल का था और कमरे में जाकर रोता था. इतना तनाव होता था कि मैं सांस नहीं ले पाता था. इतना दबाव था कि लगता था कि अब क्या करूं. मोहाली में मैने स्टंपिंग का एक मौका गंवाया तो दर्शक धौनी धौनी चिल्लाने लगे. पंत ने कहा कि एम एस के साथ मेरे संबंध को मैं समझा नहीं सकता. ऐसा कोई होता है जिससे आप सब कुछ साझा कर सकते हैं. मैंने एमएस के साथ हर चीज पर बात की है. मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है. उन्होंने कहा कि मैं उनसे ऐसी चीजों पर भी बात करता हूं जो किसी और के साथ नहीं कर पाता. मेरा उनसे इस तरह का संबंध है.

धौनी से तुलना करना मेरे साथ अन्याय

- पंत ने कहा- कमरे में जाकर रोता था
- तनाव के कारण सांस नहीं ले पाता था

पंत ने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आता था कि उनके साथ तुलना क्यों होती है. मैं टीम में आया ही था और लोग विकल्प की बात करने लगे थे. एक युवा से ऐसे सवाल क्यों किये जा रहे थे. यह तुलना क्यों हो रही थी. ऐसा होना नहीं चाहिये था. एक ने पांच मैच खेले हैं और दूसरे ने 500. उनका इतना लंबा सफर रहा है तो यह तुलना बेमानी थी. पंत ने कहा कि वह युवराज सिंह जैसे सीनियर के भी हमेशा ऋणी रहेंगे जिन्होंने टीम में आने पर उन्हें सहज महसूस कराया. उन्होंने कहा कि मैं बहुत छोटा था और टीम में कई सीनियर खिलाड़ी थे. युवराज सिंह, एम एस, सभी सीनियर थे. इसमें समय लगा लेकिन उन्होंने कभी सीनियर होने का अहसास नहीं कराया. उन्होंने मेरा स्वागत गर्मजोशी से किया और सभी नये खिलाड़ियों का करते हैं.

अस्मिता चालिहा सेमीफाइनल में

भाषा । बैंकॉक

भारत की अस्मिता चालिहा ने शुक्रवार को यहां शानदार प्रदर्शन के बूते इंडोनेशिया की ईस्टर नुरूमी वार्डोयो को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया. मिथुन मंजूनाथ के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में तथा त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला युगल के अंतिम चरण में हारने के बाद 24 वर्षीय चालिहा ही सुपर 300 टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय बची हैं. दुनिया की 61वें नंबर की खिलाड़ी चालिहा ने क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था. उन्होंने 57 मिनट तक चले मुकाबले में 44वीं रैंकिंग की वार्डोयो को 21-14 19-21 21-13 से पराजित किया. अब वह

सेमीफाइनल में चौथी वरीय थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग और चीनी ताइपे की वेन चि सु के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी. त्रिसा और गायत्री की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक घंटे सात मिनट तक चले अंतिम आठ के मैच में इंडोनेशिया की फेब्रियाना द्वीपुजी कुसुमा और अमालिया काहाया प्राटिवी की चौथी वरीय जोड़ी से 12-21 21-17 21-23 से हार मिली.

पुरुष एकल में राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ को 43 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड के मार्क कालिजोऊ से 19-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी.

थाईलैंड मास्टर्स

- अस्मिता ने इंडोनेशिया की नुरूमी को हराया
- 21-14, 19-21, 21-13 से अस्मिता ने दर्ज की जीत

ब्रीफ खबरें

पैसों के बल पर चुनाव जीतते हैं अजीत शर्मा : गोपाल मंडल

भागलपुर। हमेशा अपने विवादित बयानों से सुर्खियों में रहनेवाले जदयू के गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल ने शुक्रवार को कहा कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव तीन लाख वोट से जीतूंगा और सांसद की कुर्सी पर विराजमान होऊंगा. उन्होंने भागलपुर के कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा पर पैसे के बल पर चुनाव जीतने का आरोप लगाया और कहा कि मेरे सामने कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है. 2024 के लोकसभा चुनाव में मेरी जीत पक्की और मैं ये करके दिखाउंगा.

अपराधियों ने किशोर की चाकू गोद कर हत्या की

कैमूर। कैमूर जिले में अपराधियों ने किशोर को फोन कर बुलाया और फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी. इस घटना के बाद से लोगों में दहशत का माहौल हो गया है. मिली जानकारी के अनुसार, मामला सोनहन थाना क्षेत्र के खैरा गांव का है. जहां खैरा गांव के एक किशोर की चाकू मार कर हत्या कर दी गई है. वहीं, उसका शव एक दिन बाद गांव के ही एक मकान से मिला है. शव मिलने के बाद से परिजनों में कोहराम मचा गया है. मृतक की पहचान खैरा गांव निवासी राम कुमार के 14 वर्षीय पुत्र सुजीत राम के रूप में की गई है. वहीं, घटना की सूचना मिलते ही भभुआ जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल खैरा गांव पहुंचे.

युवक की हत्या कर चौराहे पर रखा शव

पटना। मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की ओपी थाना क्षेत्र के बडा सुमेरा गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी. साथ ही उसके शव को सुमेरा चौक पर रख दिया. उसकी पहचान सुमेरा गांव के निवासी नागेश्वर शाह के 26 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई. घटना की सूचना मिलते ही तुर्की ओपी थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश दलबल के साथ मौके पर पहुंचे. घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड की टीम जांच-पड़ताल कर रही है. हालांकि, हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

जीतनराम मांझी का प्रेशर पॉलिटिक्स, बोले-

महागठबंधन ने मुझे सीएम बनने का दिया था ऑफर

संवाददाता। पटना

पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने मंत्रिमंडल को लेकर शुक्रवार को बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि कम से कम एक मंत्रिमंडल और मिलना चाहिए. निर्दलीय को मनचाहा मंत्रिमंडल का विभाग मिल रहा है. 'हम' पार्टी से अनिल कुमार सिंह को मंत्री बनाया जाए. इस मुद्दे को लेकर मैंने अमित शाह, नीतीश कुमार और नित्यानंद राय सहित अन्य नेताओं बात की है.

मुझे महागठबंधन की तरफ से सीएम का ऑफर दिया गया था, लेकिन मैंने उसे ठुकरा दिया. मुझे दो मंत्रालय नहीं मिला तो यह मेरे साथ अन्याय होगा. मांझी ने कहा पैसा और पद से नहीं तौला जा सकता है इसलिए मैं एनडीए के साथ हूं. 44 सालों से राजनीति में हूं अब तक सुबह में शपथ होती थी और शाम में मंत्रिमंडल का बंटवारा हो जाता था, लेकिन अब तक नहीं होना इससे मुझे भी लगता है कहीं न कहीं कुछ है. वहीं, जहां तक मंत्रिमंडल विस्तार की बात है तो इसमें दो से तीन घटक दल है. जदयू की तरफ से कोई बात नहीं है लेकिन बीजेपी के तरफ से कोई बात हो सकती है. पांच फरवरी तक मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है.

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले-

जल्द होगा मंत्रालय का बंटवारा

पटना। बिहार में नई सरकार बन गई है लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हो सका है. विपक्ष के नेता अब एनडीए पर हमला कर रहे हैं कि विभागों को लेकर पेंच फंसा है. अब शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जल्द मंत्रालय का बंटवारा हो जाएगा. नीतीश कुमार को करना है. एक सवाल के जवाब में कहा कि आगे के दिनों में कैबिनेट का विस्तार भी होगा. राजद कह रही है कि पांच दिन हो गए विभागों का बंटवारा नहीं हो सका है. इस पर सम्राट चौधरी ने कहा, राजद का जो इतिहास जानते हैं उनको पता होना चाहिए कि वो तो 1995 में 12 मंत्रालय में ही डेढ़ साल तक सरकार चलाते रहे. अभी तो हमलोग 9 मंत्री हैं. दो-दो उपमुख्यमंत्री हैं. आगे भी जल्द ही विस्तार होगा. बता दें कि जगदेव प्रसाद की जयंती पर उन्हें नमन करने के बाद चौधरी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. अरविंद केजरीवाल को समन भेजे जाने पर चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि भ्रष्टाचारी नहीं बच सकते हैं ये गारंटी है. नरेंद्र मोदी की सरकार की स्पष्ट तौर पर गारंटी है कि जो भ्रष्टाचार करेगा उसको जेल जाना पड़ेगा. वहीं, ज्ञानवापी में पूजा शुरू होने पर उन्होंने कहा कि अच्छी बात है. भगवान की पूजा शुरू हो गई है. बता दें कि 2022 में जब नीतीश कुमार ने फिर यू-टर्न लिया तो उन्होंने तेजस्वी यादव और 31 मंत्रियों के साथ 9 अगस्त 2022 को शपथ ली थी और उसी दिन विभागों का बंटवारा भी कर दिया था. सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार बीजेपी को वे विभाग देना चाहते हैं, जो पहले राजद और कांग्रेस के पास थे, लेकिन बीजेपी गृह और सामान्य प्रशासन चाहती है. ऐसे में राजद इसी को लेकर कह रही है कि विभागों के बंटवारे में पेंच फंसा हुआ है.

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए शुरू हुआ न्यायाधिकरण

सात प्रमंडलों में मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन

विशेष संवाददाता। पटना

बिहार में सड़क हादसा पीड़ितों एवं मृतकों के आश्रितों को मुआवजा के त्वरित भुगतान के लिये राज्य में सात मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया गया है. परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अग्रवाल ने कहा कि प्रमंडलीय डर पर गठित न्यायाधिकरण द्वारा सड़क हादसा पीड़ितों एवं मृतकों के आश्रितों को मुआवजा भुगतान हेतु त्वरित मामलों का निबटारा किया जायेगा. सड़क दुर्घटना पीड़ितों एवं दुर्घटना के फलस्वरुप मृतकों को ससमय मुआवजा मिल सके और इसके लिए कहीं दौड़-भाग नहीं करना पड़े इसके लिए राज्य में बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया है. शुक्रवार को परिवहन परिसर, फुलवारी शरीफ में एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यशाला सह प्रशिक्षणक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन परिवहन सचिव संजय अग्रवाल और सभी न्यायाधिकरण के अध्यक्षों ने संयुक्त रुप से किया. पटना के अलावा गया, सारण, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा प्रमंडल के लिए एक-एक तथा भागलपुर एवं मुंगेर प्रमंडल (मुख्यालय भागलपुर) के लिए संयुक्त रुप से एक तथा पूर्णिया एवं सहरसा प्रमंडल (मुख्यालय पूर्णिया) के लिए संयुक्त रुप से एक दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया गया है. न्यायाधिकरण के अध्यक्ष पद पर पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश को नियुक्त किया गया है, जबकि अपर जिला परिवहन पदाधिकारी न्यायाधिकरण के सचिव बनाये गये हैं.

समस्तीपुर में राजद नेता की संदिग्ध मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाने के हरपुर एलौथ गांव के पास राजद नेता रंजीत राय की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. जबकि उनके मित्र सुनील कुमार का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया गया है कि रंजीत राय और सुनील सड़क किनारे घायल स्थिति में मिले थे. मौके पर एक बाइक भी मिली है. हालांकि रंजीत राय के शरीर पर कहीं जख्म का निशान नहीं है. उधर, घटना की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई. पुलिस भी मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है. मृतक रंजीत मुसरीघरारी के बथुआ बुजुर्ग गांव के रहने वाले थे. सुनील कुमार मोहनपुर गांव के रहने वाले हैं.

भ्रष्टाचारियों का कुनबा बना 'घमंडिया' गठबंधन : प्रभाकर

विशेष संवाददाता। पटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि 'घमंडिया'गठबंधन भ्रष्टाचारियों का कुनबा है. बिहार, झारखंड, दिल्ली और बंगाल तक जहां नजर डालें, 'घमंडिया' गठबंधन के नेताओं की पहली पहचान भ्रष्टाचारी के रूप में है. मिश्र ने शुक्रवार को कहा कि बिहार की बात तो और निराली है, जहां एक नहीं बल्कि 'घमंडिया' गठबंधन के एक दल का पूरा परिवार ही भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा है. बाप-बेटे से लेकर मां और बहन तक सभी ईडी के रडार पर हैं. आज पिता से पूछताछ होती है, तो कल पुत्र से. वहीं, झारखंड में भी बिहार से मिलती-जुलती है. जमीन घोटाले में 'घमंडिया' गठबंधन के एक दल नेता और राज्य के 'अभूतपूर्व' मुख्यमंत्री को जेल जाना पड़ा और इशारों पर नाचने वाले एक नेता को मुख्यमंत्री के पद पर बैठा दिया. लेकिन, इससे झारखंड मुक्ति मोर्चा के भ्रष्ट इस भ्रष्ट नेता को मुक्ति नहीं मिलने वाली. सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को वैध ठहरा दिया है.

मिश्र ने कहा कि वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री के साथ पूरी दिल्ली सरकार ही भ्रष्टाचार की दलदल में गोते लगा रही है. बंगाल में भ्रष्टाचार पर मचा बवाल पूरा देश देख चुका है, जहां टीएमसी के गुंडे जांच एजेंसियों के अधिकारियों पर भी जानलेवा हमला कर देते हैं.

उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश से की मुलाकात

संवाददाता। पटना

एनडीए में वापसी पर दी बधाई

राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शुक्रवार को अचानक मुख्यमंत्री आवास पहुंचे. कुशवाहा ने मुख्यमंत्री आवास जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की है. एनडीए की सरकार बनने के बाद कुशवाहा और नीतीश की ये पहली मुलाकात है. मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात के बारे में कुशवाहा ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी है. पार्टी के नेताओं का भी कहना है कि यह औपचारिक मुलाकात थी. नीतीश कुमार के एनडीए में आने और फिर से मुख्यमंत्री बनने के बाद बधाई देने गए थे.बता दें कि बिहार में लोकसभा की 40 सीटों पर चुनाव होना है और अभी तक एनडीए में सीट का बंटवारा नहीं हुआ है. नीतीश के एनडीए में आने के बाद कुशवाहा की नजर भी जहानाबाद और काराकाट सीट पर है. कुशवाहा जदयू से निकलने के बाद लगातार नीतीश कुमार पर इस बात को लेकर हमला कर रहे थे कि 2025 में तेजस्वी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर जदयू को राजद के हवाले कर दिया है.

पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड में लगी आग

पटना। पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड परिसर में आग लग गयी. इसकी सूचना फायर ब्रिगेड की टीम को दी गयी. सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया. हालांकि कुछ देर के लिए यह पर दहशत फैल गयी. बताया जाता है कि पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड से अचानक आग की लपटें निकलने लगी. मौजूद कर्मियों ने सामानों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया. हालांकि मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया. पार्सल यार्ड के मुख्य पर्यवेक्षक सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि एक बड़ी घटना होने से टल गई है.

मायकेवालों ने ससुरालवालों पर लगाया आरोप

वैशाली :नवविवाहिता का शव संदिग्ध हालत में कमरे में मिला

संवाददाता। वैशाली

वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र के कन्हौली बाजार में नवविवाहिता का शव संदिग्ध हालत में कमरे में मिला है. महिला की पहचान रेणू कुमारी (24) के रूप में हुई है. वह समस्तीपुर के पूसा थाना क्षेत्र के महमदा गांव की थी. आठ महीने पहले उसकी शादी कन्हौली गांव निवासी विपुल पासवान के बेटे नीरज के साथ हुई थी. लड़की के मायकेवालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है. मायकेवालों का कहना है कि रेणू का पति और उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते थे. रेणू ने अपने मायकेवालों से कई बार इसकी शिकायत भी की थी. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी महिला के मायके वालों को फोन पर दी थी. सूचना मिलते ही सभी उसके ससुराल पहुंचे तो देखा कि उसका शव कमरे में पड़ा है. इसके बाद परिजनों की सूचना पर महुआ थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई जुट गयी है.

बीपीएससी टीआरई का सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती के दूसरे चरण की परीक्षा का सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी कर दिया है. इसमें 739 शिक्षक अभ्यर्थियों को सफलता मिली है. यह रिजल्ट पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले स्कूल में रिक्त हुए पद पर जारी किए गए हैं. इतना ही नहीं बीपीएससी ने हेडमास्टर के चार पदों पर भी रिजल्ट जारी कर दिया है. वहीं, छठी से आठवीं कक्षा में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी और अंग्रेजी विषय का रिजल्ट जारी किया गया है. अभ्यर्थियों आयोग की वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं.

कारोबार

बिजलीघरों की आपूर्ति पांच प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जनवरी अवधि में ताप बिजलीघरों को 50.9 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की. यह सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत अधिक है. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जनवरी अवधि में ताप विद्युत संयंत्रों को 48.6 करोड़ टन की आपूर्ति की थी. सीआईएल की बढ़ी हुई आपूर्ति ने घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में भंडारण को जनवरी में 3.62 करोड़ टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा दिया.

महिंद्रा ने अमरज्योति बरुआ को वित्त अधिकारी बनाया

मुंबई। महिंद्रा समूह ने अमरज्योति बरुआ को अपना समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है. कंपनी ने शुक्रवार को बयान में यह घोषणा करते हुए कहा कि वे इस साल 17 मई से कार्यभार संभालेंगे. बयान के अनुसार, बरुआ मनोज भट्ट का स्थान लेंगे, जिन्हें महिंद्रा हॉलीडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कवीन्द्र सिंह के स्थान पर नियुक्त किया गया है.

राशि पेरिफेरल्स 295-311 रु. प्रति शेयर तय

नयी दिल्ली। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उत्पादों के वितरण कारोबार से जुड़ी कंपनी राशि पेरिफेरल्स ने अपने 600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 295-311 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी के बयान के अनुसार, आईपीओ सात से नौ फरवरी तक खुलेगा. बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे. यह आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों पेशकश पर आधारित है और इसमें कोई बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल नहीं है. आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा.

को-फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन को कंपनी से बाहर करने की मांग

बढ़ती जा रही हैं बायजू की मुश्किलें

भाषा। नयी दिल्ली

एक दशक पहले जब एडटेक कंपनी बायजू जब आयी थी तो इसकी काफी चर्चा हुई थी. कुछ ही समय में एडटेक क्षेत्र में कंपनी शीर्ष पर पहुंच गई. लेकिन हाल के कुछ महीनों में इसकी साख गिरनी शुरू हो गई. आज बायजू की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. दो साल में इसकी वैल्यू 22 अरब डॉलर से गिरकर 25 करोड़ डॉलर रह गई है. इस बीच कंपनी के बड़े निवेशकों ने कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन को कंपनी से बाहर करने की मांग की है. उन्होंने बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड को एक नोटिस भेजकर असाधारण आम बैठक बुलाने की मांग की है. उनका कहना है कि इसमें कंपनी के बोर्ड को नए सिरे से गठित करने और कंपनी की लीडरशिप में बदलाव पर चर्चा होनी चाहिए. अभी बायजू के बोर्ड में बायजू रवींद्रन, उनकी भाई रीजू रवींद्रन और पत्नी दिव्या गोकुलनाथ शामिल हैं.

इस बीच अमेरिका में बायजू की एक यूनिट ने अमेरिका में बैंकरप्सी प्रॉसीडिंग्स के लिए आवेदन किया है. बायजू की अल्फा यूनिट की एसेट्स 50 करोड़ से एक अरब डॉलर के बीच है. बायजू के निवेशकों में जनरल अटलांटिक, पीक-15 पार्टनर्स, सोफिना, चैन जुकरबर्ग इनिशिएटिव, आउल और सैंड्स शामिल हैं. बायजू में इनकी कुल मिलाकर करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है. उनका कहना है कि बायजू के शेयरधारकों के एक ग्रुप ने जुलाई और दिसंबर में भी बोर्ड की बैठक बुलाने का अनुरोध भी किया था, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया. इन निवेशकों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि हम कंपनी की मौजूदा हालत को देखते हुए उसके भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं. कंपनी की मौजूदा लीडरशिप और बोर्ड कंपनी को संभालने में नाकाम रहा है. बायजू लंबे समय से गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है और इसकी स्थिति लगातार विकट होती जा रही है. सूत्रों के मुताबिक, बायजू को बचाने के लिए रवींद्रन को बेंगलुरु स्थित दो घर और एक निर्माणाधीन विला गिरवी रखना पड़ा है. वह व्यक्तिगत स्तर पर 40 करोड़ डॉलर का कर्ज ले चुके हैं. इसके लिए उन्होंने कंपनी में अपने सारे शेयर दांव पर लगा दिए हैं. अब उनके पास कैश नहीं बचा है. फाइनेंशियल ईयर 2022 में बायजू की पेरेंट कंपनी को 8,245 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था जबकि कंपनी ने अब तक फाइनेंशियल ईयर 2023 का लेखाजोखा घोषित नहीं किया है. हाल में खबर आई थी कि मनिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन रंजन पई आकाश इंस्टीट्यूट में सबसे बड़े शेयरहोल्डर बन गए हैं. बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न ने 2021 में आकाश इंस्टीट्यूट को 95 करोड़ डॉलर में खरीदा था.

बढ़ा संकट

- बायजू की वैल्यू गिरकर 25 करोड़ डॉलर रह गई
- निवेशकों ने आम बैठक बुलाने की मांग की है

सरकार खुदरा बाजार में 29 रुपये प्रति किलो पर बेचेगी 'भारत चावल'

नयी दिल्ली। सरकार आम आदमी को राहत देने के लिए अगले सप्ताह से खुदरा बाजार में 'भारत चावल' 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचेगी. साथ ही व्यापारियों को चावल के भंडारण का खुलासा करने का निर्देश दिया गया है. सरकार ने कीमतों को नियंत्रित करने के अपने प्रयासों के तहत ये कदम उठाए हैं. केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विभिन्न किस्मों के निर्यात पर पाबंदियों के बावजूद पिछले एक साल में चावल की खुदरा और थोक कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने दो सहकारी समितियों भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) के साथ-साथ केन्द्रीय भंडार के जरिए खुदरा बाजार में रियायत वाले 'भारत चावल' को 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने का फैसला किया है. ई-वाणिज्य मंच भी 'भारत राइस' बेचेंगे. उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से 'भारत राइस' के पांच किलोग्राम और 10 किलोग्राम के 'पैकेट' उपलब्ध होंगे. चोपड़ा ने कहा कि पहले चरण में सरकार ने खुदरा बाजार में बिक्री के लिए पांच लाख टन चावल आवंटित किया है.

कैट ने पेटीएम पर बंदिशों का किया समर्थन

कहा-ग्राहकों की सुरक्षा जरूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा ऑनलाइन पेमेंट सर्विसेज मुहैया कराने वाले ''पेटीएम पेमेंट बैंक'' पर लगाई गई पाबंदियों का समर्थन किया है. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि इस मामले में व्यापारियों और पेटीएम ग्राहकों को सचेत होकर आरबीआई की पाबंदियों के प्रभाव को समझना जरूरी है. उन्होंने कहा कि देश में डिजिटल पेमेंट करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरबीआई की ऐसी निगरानी जरूरी है. खंडेलवाल ने कहा कि वर्तमान में फिनटेक सेक्टर में जिस प्रकार से बड़ी कंपनियां, नियमों एवं कानूनों को धता बता रही हैं, उनका उल्लंघन कर रही हैं, ऐसे में केंद्रीय बैंक का यह आदेश बाजार की अखंडता को मजबूत करता है. रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पर लगाई गई पाबंदियां, व्यापारियों एवं ग्राहकों के हित में हैं. उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक का सख्त निगरानी वाला कदम, देश में सभी के द्वारा नियम और विनियमों का पालन करने की आवश्यकता पर बल देता है.

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड का मूल्य घटकर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है. तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

लौटी तेजी | वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस में आई तेजी

शेयर बाजारों में तेजी लौटी, निफ्टी ने नया शिखर छुआ

एजेंसी। मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और टीसीएस में लिवाली आने से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी लौट आई. सेंसेक्स 440 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी कारोबार के दौरान अपने नए शिखर को छूने में सफल रहा. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 440.33 अंक यानी 0.61 प्रतिशत चढ़कर 72,085.63 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,444.1 अंक यानी दो प्रतिशत तक उछल गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 156.35 अंक यानी 0.72 प्रतिशत बढ़कर 21,853.80 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 429.35 अंक तक चढ़कर 22,126.80 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया था. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जेएसडब्ल्यू स्टील, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं. दूसरी तरफ एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो और आईटीसी के शेयरों में गिरावट का रुख रहा. इस तरह बाजार में तेजी लौट आई. एक दिन पहले बजट पेश किए जाने के बाद सेंसेक्स 106.81 अंक गिरकर 71,645.30 अंक पर आ गया था. निफ्टी भी 28.25 अंक कमजोर होकर 21,697.45 अंक पर रहा था. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, रूढ़िवादी अंतरिम बजट का बाजार पर कोई भी नकारात्मक असर नहीं रहा और बाजार ने अपनी तेजी जारी रखी. राजकोषीय घाटे के लक्ष्य में बड़ी गिरावट से बॉन्ड प्रतिफल में कमी आने जा रही है जो निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन का काम करेगा. अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.80 प्रतिशत की तेजी रही जबकि स्मालकैप सूचकांक में 0.49 प्रतिशत की बढ़त रही. खंडवार सूचकांकों में से तेल एवं गैस में सर्वाधिक 4.22 प्रतिशत की तेजी रही. ऊर्जा खंड में भी 3.44 प्रतिशत और धातु खंड में 2.95 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई. साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में इस हफ्ते 1,384.96 अंक यानी 1.95 प्रतिशत की उछाल रही जबकि निफ्टी 501.2 अंक चढ़ गया.

खास बातें

- निफ्टी भी 21,697 .45 अंक पर हुआ बंद
- तेल एवं गैस में सर्वाधिक 4 .22 प्रतिशत की तेजी रही

औसत मासिक जीएसटी संग्रह एफएक्स 25 में 11 प्रतिशत बढ़ेगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

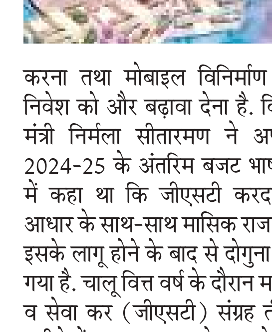

सरकार को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा. राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यह अनुमान जताया. बजट के बाद मल्होत्रा ने पीटीआई के साथ साक्षात्कार में यह भी कहा कि स्टार्टअप के लिए एक बड़ा एलान किया गया है. 10 में से तीन साल के लिए कर लाभ प्राप्त करने के लिए उनके स्थापना की तारीख की समय सीमा और एक साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2025 कर दी गई है. उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल कलपुर्जों पर सीमा शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत करने का मकसद कर ढांचे को सरल बनाना, वर्गीकरण विवादों को कम करना तथा मोबाइल विनिर्माण में निवेश को और बढ़ावा देना है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2024-25 के अंतरिम बजट भाषण में कहा था कि जीएसटी करदाता आधार के साथ-साथ मासिक राजस्व इसके लागू होने के बाद से दोगुना हो गया है. चालू वित्त वर्ष के दौरान माल व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह तीन महीने में 1.70 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा.

दिल्ली में आप-भाजपा का प्रदर्शन

शुक्रवार को नयी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने नारे लगाए.

नयी दिल्ली में शुक्रवार को बीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मियों ने आप समर्थकों को रोका.

प्रधानमंत्री ओडिशा और असम का करेंगे दौरा

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को ओडिशा और असम का दौरा करेंगे और इस दौरान करोड़ों रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी. उसके मुताबिक, प्रधानमंत्री तीन फरवरी को ओडिशा के संबलपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान 68,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे.

पीएम सीएलईए-सीएएसजीसी 2024 का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजधानी स्थित विज्ञान भवन में कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए)-कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल कांफ्रेंस (सीएएसजीसी) 2024 का उद्घाटन करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी. उसके मुताबिक, इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे. इस सम्मेलन का विषय 'न्याय वितरण में सीमा-पार चुनौतियां है.

ब्रीफ खबरें

भारतीय-अमेरिकी छात्र की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिकी पुलिस ओहायो में एक भारतीय-अमेरिकी छात्र की मौत के मामले की जांच कर रही है जो देश में इस प्रकार का एक महीने में चौथा मामला है. न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिनसिनाटी स्थित 'लिंडनर स्कूल ऑफ बिजनेस' के छात्र श्रेयस रेड्डी बेनिगेरी की मौत के मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी का फिलहाल कोई संदेह नहीं है.

विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत

क्लियरवाटर (अमेरिका)। फ्लोरिडा में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से विमान सवार और एक घर में मौजूद कुछ लोगों की मौत हो गई. दमकल विभाग में यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि विमान 'बीचक्राफ्ट बोनान्ज़ा वी35' के चालक ने दुर्घटना से पहले उसमें कुछ खामी आने की जानकारी दी थी. क्लियरवॉटर दमकल प्रमुख स्कॉट एहलर्स ने बताया कि विमान पहले एक घर से टकराया जिसकी वजह से आग लग गई.

जवान व आतंकवादी में मुठभेड़, दो की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक खुफिया अभियान के दौरान दो वांछित आतंकवादी मारे गए. सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सेना की मीडिया प्रकोष्ठ इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार रात में डेरा इस्माइल खान जिले में अभियान चलाया गया.

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइल का परीक्षण

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तट के निकट जलक्षेत्र में शुक्रवार को कई क्रूज मिसाइलें दागी हैं. उत्तर कोरिया ने यह कदम अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया है और वह लगातार हथियारों का परीक्षण कर रहा है. किम जोंग उन का कहना है कि इस प्रकार की परियोजना देश को युद्ध के लिए तैयार करने के वास्ते जरूरी है. बता दें कि इस वर्ष उत्तर कोरिया के क्रूज मिसाइल परीक्षणों का चौथा दौर है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया

व्यास तहखाने में पूजा-पाठ पर रोक से किया इनकार

भाषा। वाराणसी

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ जारी रहेंगे. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर पूजा पर रोक लगाने को लेकर स्टे नहीं दिया. मस्जिद कमेटी ने अपनी याचिका में पूजा-पाठ पर अंतरिम स्थगन की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया. इस क्रम में हाईकोर्ट ने एडवोकेट जनरल को आदेश दिया कि लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन रखा जाये.

मस्जिद समिति से 6 फरवरी तक अपील में संशोधन करने का आदेश : इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 6 फरवरी तय की गयी है. कोर्ट ने मस्जिद समिति से 6 फरवरी तक अपनी अपील में संशोधन करने का आदेश दिया. बता दें कि इससे पूर्व कल गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने व्यास तहखाने में पूजा-पाठ रोकने से जुड़ी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था.साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया था.

31 जनवरी को पूजा की अनुमति देने का आदेश पारित हुआ : सुनवाई के क्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हम यह देखेंगे कि रिसीवर की नियुक्ति में जल्दबाजी का मतलब क्या है. मुस्लिम पक्ष के वकील ने कोर्ट को जानकारी दी थी कि हिंदू पक्ष के आवेदन पर वाराणसी कोर्ट ने 17 जनवरी को रिसीवर (वाराणसी डीएम) नियुक्त करने की अनुमति प्रदान की गयी. 31 जनवरी को पूजा की अनुमति देने का आदेश पारित किया गया.

विरोध प्रदर्शन करते मुस्लिम पक्ष के लोग

17 जनवरी के आदेश को चुनौती नहीं दी गयी

इस पर कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष से सवाल किया कि 17 जनवरी के आदेश को चुनौती आपके द्वारा नहीं दी गयी. 31 जनवरी के आदेश को जब तक चुनौती नहीं दी जायेगी तब तक यह अपील सुनवाई योग्य नहीं हो सकती. इसके बाद कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को अपनी अपील में संशोधन करने को कहा. हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अधिवक्ता प्रभाष पांडेय ने तथा मुस्लिम पक्ष की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी और पुनीत गुप्ता ने पैरवी की.

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के रहमानी बोले

लोगों का अदालतों पर भरोसा घटा

वाराणसी। वाराणसी की जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार दिया जिस पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने फैसले पर ही सवाल खड़े करते हुए इसकी आलोचना की है. मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सैफुल्लाह रहमानी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी अदालतें ऐसी राहत पर चल रही हैं जहां से लोगों का भरोसा उनसे टूट रहा है. ऐसा कई कानूनी जानकार भी मानते हैं. उन्होंने कहा, 'कल जो वाक्या पेश आया वो निराशा पैदा करने वाला है. वहां मस्जिद है. 20 करोड़ मुसलमानों को और इंसाफ पसंद तमाम शहरियों को इस फैसले से बहुत धक्का पहुंचा है.

धरने पर बैठीं सीएम ममता बनर्जी

केंद्र से बकाया भुगतान की रखी मांग

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र से विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए राज्य के बकाए के भुगतान की मांग को लेकर शुक्रवार को कोलकाता में धरना प्रदर्शन शुरू किया. बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के साथ शहर के मध्य स्थित मैदान इलाके में बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन शुरू किया. अधिकारियों ने कहा कि मंच के बगल में एक तंबू लगाया गया है ताकि बनर्जी प्रशासन संबंधी जरूरी काम कर सकें. मुख्यमंत्री का दावा है कि केंद्र सरकार के पास विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं के लिए राज्य का हजारों करोड़ रुपये बकाया है.

उन्होंने आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद धरना प्रदर्शन शुरू किया. इससे पहले, तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के एक समूह के साथ नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था और यहां राजभवन के बाहर पांच दिन तक धरना दिया था. बनर्जी के नेतृत्व में पिछले वर्ष मार्च में भी इसी तरह का दो दिवसीय धरना दिया गया है.

मुंबई : गैस रिसाव से लगी आग, 9 झुलसे

भाषा। मुंबई

मुंबई के चेंबूर इलाके में रसोई गैस के रिसाव के बाद लगी आग में नौ लोग झुलस गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अग्निश्मन अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब पौने 12 बजे चेंबूर पूर्व में सिद्धार्थ कॉलोनी की एक चॉल में रसोई गैस का रिसाव हो गया. अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद एक दमकल गाड़ी, एक जेटी और एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया. आग पर 10 से 15 मिनट में काबू पा लिया गया. उन्होंने बताया कि इस हादसे में 17 साल के एक लड़के समेत नौ लोग झुलस गए. घायलों को शहर के चार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

बम रखे जाने की धमकी के बाद पुलिस सतर्क, जांच शुरू

भाषा। मुंबई

मुंबई पुलिस ने इस संदेश के बाद जांच शुरू कर दी है जिसमें दावा किया गया है कि शहर में बम लगाए गए हैं और उनमें विस्फोट किया जाएगा. अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस सूचना के बाद पुलिस अलर्ट पर है. वर्ली स्थित यातायात नियंत्रण कक्ष को गुरुवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे एक संदेश मिला, जिसमें दावा किया गया कि मुंबई में विस्फोट होंगे क्योंकि देश की वित्तीय राजधानी में छह स्थानों पर बम रखे गए हैं. उन्होंने कहा कि

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा और महाराष्ट्र एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ता) को धमकी भरे संदेश के बारे में सतर्क कर दिया गया है और भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है.

जम्मू-कश्मीर : 400 से अधिक वाहन फंसे

भाषा। श्रीनगर

केंद्रशासित प्रदेश का महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण शुक्रवार को दूसरे दिन भी यातायात के लिए बंद रहा. अधिकारी भूस्खलन के मलबे को हटाने और कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर यातायात बहाल करने की कोशिश में लगे हैं. अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर 400 से अधिक वाहन फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया कि राजमार्ग पर शेरबीबी, मागेरकोटे, मेहद कैफेटेरिया और दलवास सहित कई स्थानों पर भूस्खलन के बाद बृहस्पतिवार को 270 किलोमीटर लंबी सड़क यातायात के लिए बंद कर दी गई थी.

केन्या में भीषण गैस विस्फोट 3 लोगों की मौत, 200 घायल

भाषा। नैरोबी (केन्या)

केन्या की राजधानी नैरोबी में शुक्रवार सुबह गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक में विस्फोट होने से कई मकान एवं गोदाम जल गए तथा इसके कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए. प्राधिकारियों ने मृतक संख्या बढ़ने की आशंका जताई है. सरकार के प्रवक्ता इसाक मावौरा ने बताया कि अधिकतर लोग देर रात उस समय अपने घरों के ही अंदर थे, जब उनमें आग लगी. प्रवक्ता ने बताया कि अज्ञात पंजीकरण संख्या वाले और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक में विस्फोट हो गया, जिससे भीषण आग लग गई. एक उड़ता हुआ गैस सिलेंडर 'ओरिएंटल गोदाम' से टकराया, जिससे कपड़ों का यह गोदाम जलकर खाक हो गया. नैरोबी के पास एम्बाकासी के मराडी इलाके में रात करीब साढ़े 11 बजे लगी आग से कई अन्य वाहन और कारोबारी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं. केन्या रेड क्रॉस ने बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई.

भारतीय वायुसेना पर साइबर हमले की कोशिश

नयी दिल्ली। कुछ अनजान साइबर हमलावरों ने हाल ही में भारतीय वायुसेना के इंटर्नल कंप्यूटर सिस्टम को हैक करने का प्रयास किया. मकसद था वायुसेना के सेंसिटिव डेटा को चुरा सकें. लेकिन ऐसा हो नहीं पाया. हैकर्स कौन थे, इसका पता नहीं चल पाया है. लेकिन उनका तरीका पता चल गया. हैकर्स ने गूगल की प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की मदद से बनाए गए ओपन-सोर्स मालवेयर से यह साइबर अटैक किया था. हालांकि, वायुसेना की जरूरी सूचनाएं चोरी नहीं कर पाए. न ही कोई डेटा गायब हुआ.

जगद्गुरू रामभद्राचार्य की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

भाषा। आगरा

तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज को शुक्रवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत करने के बाद आगरा के पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल के अधिकारी ने यह जानकारी दी. फिलहाल उन्हें वायुमार्ग से देहरादून ले जाने की तैयारी की जा रही है. मुख्यमंत्री योगी ने रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी को फोन करके उनका हालचाल जाना. जगद्गुरु की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में उनके अनुयायी हॉस्पिटल पहुंचे. यहां दिल्ली गेट स्थित पुष्पांजलि अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि सीने में दर्द की शिकायत करने के बाद उनको यहां लाया गया, उनकी जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि डॉ. नवनीत शर्मा उनका इलाज कर रहे हैं, कुछ जांच हो चुकी हैं जबकि कुछ जांचों की रिपोर्ट आनी बाकी है. उन्होंने कहा कि शुरूआत जांच में छाती में संक्रमण की बात सामने आई है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग में बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर / रजनीश प्रसाद

12 से 18 महीने की अवधि के बीच, फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा एक स्किल-आधारित इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स है, जहां डिजाइन और विकास की बारीकियों से लेकर ब्रांड को शुरू करने और बनाए रखने तक सभी पर व्यापक रूप से चर्चा की जाती है. मेहनत और रचनात्मकता को फैशन इंडस्ट्री का खून माना जाता है. फैशन विचार, संस्कृति अध्ययन, पैटर्न, परिधान डिजाइन और संबंधित विषय पाठ्यक्रम के मुख्य भाग हैं. इसके अलावा, मार्केटिंग, रिटेलिंग, कम्युनिकेशन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, सोशल मीडिया से भी निपटा जाता है. यह कोर्स किसी व्यक्ति को फैशन इंडस्ट्री में निपुण होने के लिए सभी आवश्यक ज्ञान प्रदान करता है. आइए इन फैशन डिजाइनिंग विषयों के बारे में और विस्तार से जानें

फैशन

भारतीय या पश्चिमी कंटेंपररी के संबंध में फैशन और वेशभूषा के इतिहास का ज्ञान होना एक आवश्यक कौशल है. यह सदियों से छात्रों को शैलियों तथा पैटर्न पर नजर रखने में मदद करता है. यह अतीत में प्रसिद्ध कार्यों को उजागर करके छात्रों के रचनात्मक स्पेक्ट्रम को भी बढ़ाता है.

डिजाइन और रंग की बुनियादी बातें

यह पोशाक और कुछ नहीं बल्कि रंगों और डिजाइनों का खेल है. एलिमेंट्स ऑफ कलर थ्योरी, डिजाइन प्रिंसपल्स फैशन इंडस्ट्री पर कैसे लागू होते हैं, जैसे विषयों को डिजाइन और रंग बुनियादी बातों के तहत बहुत विस्तार से खोजा गया है. छात्रों को विभिन्न डिजाइनिंग प्रोजेक्ट्स में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे डिजाइन और रंग की बारीकियों को बेहतर तरीके से समझ सकें.

पैटर्न और पैटर्न निर्माण

यह विषय छात्रों को डिजाइन पैटर्न बनाने के साथ-साथ पोशाक और व्यक्ति के अनुसार सटीक डिजाइन बनाने का ज्ञान प्रदान करता है. मापने की तकनीक, ऊपरी और निचले शरीर के पैटर्न के बीच का अंतर आदि कुछ इस विषय में कवर किए गए हैं.

डिजिटल डिजाइन

डिजिटल डिजाइन का तात्पर्य विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डिजाइन के निर्माण से है. इस विषय में छात्रों को लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बुनियादी डिजाइनिंग और स्केचिंग तकनीकों से परिचित कराया जाता है. ये प्लेटफॉर्म हाथ से स्केचिंग की सभी बाधाओं को दूर करके छात्रों को उनके क्रिएटिव साइड को पूरी तरह से तलाशने में मदद करते हैं.

डिजाइन कार्यशालाएं

फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा में, छात्रों को डिजाइन थीसिस और डिजाइन कार्यशालाओं जैसी रिसरचिंग एक्टिविटीज के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है. इन कार्यशालाओं में वास्तविक उत्पादन स्थल के समान उपकरण और मशीनरी हैं, जिससे आवश्यक कौशल का अनुवाद आसान हो जाता है. व्यक्तिगत विचार निर्माण और उस ज्ञान को व्यावहारिक परिस्थितियों में लागू करना कुछ ऐसा है जो इस विषय में विकसित होता है.

12वीं के बाद फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा

- फैशन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा
- फैशन डिजाइन में डिप्लोमा
- अपैरल डिजाइन में डिप्लोमा
- ज्वेलरी डिजाइन में डिप्लोमा
- फैशन फोटोग्राफी में डिप्लोमा
- रिटेल मर्चेंडाइजिंग में डिप्लोमा
- लैदर डिजाइन में डिप्लोमा
- टेक्सटाइल डिजाइन में डिप्लोमा
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग में डिप्लोमा

भारत में फैशन डिजाइनिंग कॉलेजों में सर्वश्रेष्ठ डिप्लोमा

- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन
- डिजाइन के लिसा स्कूल
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मुंबई
- डिजाइन के डॉट स्कूल
- इंटर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन अंधेरी मुंबई
- ले मार्क स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई
- इमेज इंस्टीट्यूट ऑफ मल्टीमीडिया आर्ट्स एंड ग्राफिक इफेक्ट्स वडापलानी
- रैफल्स डिजाइन इंटरनेशनल
- आरट्रम स्कूल ऑफ डिजाइन, हैदराबाद

फैशन डिजाइनिंग में कॅरियर

- फैशन डिजाइनर
- रिटेल मैनेजर
- ब्रांड मैनेजर
- स्टाइलिस्ट
- फैशन ब्लॉगर
- प्रोडक्ट डेवलपर
- फैशन एंटरप्रेन्योर
- एक्सेसरी डिजाइनर
- टेलर
- फैशन इलस्ट्रेटर
- मॉडल
- फ्रीलांसर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)